100
प्रमुखस्वामी महाराज
शताब्दी महोत्सव

वर्ष : 3 अंक: 270 मूल्य : 4 रु.

RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

सोमवार, 30 मई 2022

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

देशभर के लोग पिछली सरकारों से मदद की मांग करते रहे लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया : गृहमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। कोविड टीकाकरण केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपनी गुजरात यात्रा के दूसरे दिन आज पंचामृत डेयरी, गोधरा में अनेक विकास कार्यों का शुभारंभ और लोकार्पण किया। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पीडीसी बैंक के प्रधान कार्यालय की नई बिल्डिंग का उद्घाटन, 3 मोबाइल अळट वैन का शुभारंभ, 250 वर्गमीटर में बने 30 क्यूबिक मीटर प्रति घंटे की क्षमता वाले ऑक्सीजन प्लांट का उद्घाटन, पंचामृत बटर कोल्ड स्टोरेज एवं मालेगांव (महाराष्ट्र) स्थित डेयरी प्लांट का लोकार्पण और उज्जैन (मध्य प्रदेश) में नए स्थापित होने वाले डेयरी प्लांट का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और केन्द्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। अमित शाह ने कहा कि आज के पांचों कार्यक्रम 3 ज़िलों (पंचमहल, मालेगांव और उज्जैन) के सहकारी आंदोलन को मजबूत करने वाले हैं। आज पंचमहल, महिसागर और दाहोद जिले के 1598 दूध मंडियां लगभग 73 हजार लीटर

दूध उत्पादन का मजबूत संघ बनकर हमारे सामने खडे हैं। 18 लाख लीटर दूध और 300 करोड रूपए का टर्नओवर एक बहुत बडी सफलता है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि सालों से सहकारी आंदोलन के साथ जुडे हुए देशभर के लोगों की मांग थी कि समय के साथ-साथ सहकारी आंदोलन को जितनी मदद की जरूरत थी वो मिले और इसके लिए सहकार से जुड़े लोग पिछली सरकारों से मांग करते रहे लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। आज मुझे ये कहते हुए गर्व होता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1 साल पहले पहली बार सहकारी आंदोलन के लिये केन्द्र में सहकारिता मंत्रालय बनाकर इसे प्राथमिकता देने का काम किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने सहकार के बजट को 7 गुना बढाने का काम किया। सहकारी चीनी मिलों को चीनी के भाव में बढ़ोत्तरी का फायदा मिले इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर लगा कर हटा दिया। तमाम सहकारी संस्थाओ पर मेट कर (टअळ) 18 प्रतिशत था जिसे घटाकर कंपनियों जितना करके सहकारी संस्थाओ को फायदा पहुंचाने का काम भी मोदी जी ने किया है। मोदी जी ने सरचार्ज को 12 से घटाकर सात प्रतिशत किया। देशभर की सभी मंडियों को कम्प्यूटराइज्ड करके सीधा नाबार्ड के साथ जोड़ने का कार्यक्रम भी भारत सरकार चला रही है और इसके लिए 6500 करोड़ रूपए खर्च किए जाएंगे।

वैश्विक महामारी के दौरान भी भारतीय स्टार्टअप्स का धन बढ़ा है: नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में 'यूनीकॉर्न' कंपनियों की संख्या 100 तक पहुंचने का उल्लेख करते हुए रविवार को कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी में भी भारत के स्टार्टअप ने धन कमाना और मूल्यांकन बढ़ाना जारी रखा। प्रधानमंत्री मोदी ने रेडियो में प्रसारित होने वाले मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि इस महीने की पांच तारीख को भारत में 'यूनीकॉर्न' की संख्या 100 हो गई। उन्होंने कहा 'यूनिकॉर्न' का मतलब है कि कम से कम 7,500 करोड़ रुपए के कारोबार वाला स्टार्टअप। इन यूनीकॉर्न का कुल मूल्यांकन 330 अरब डॉलर है, जो 25 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। निश्चित ही, यह हर भारतीय के लिए बहुत गर्व की बात है।

मोदी ने कहा आपको यह जानकर हैरानी होगी कि कुल यूनिकॉर्न कंपनियों में से 44 यूनीकॉर्न केवल पिछले साल स्थापित की गईं। इसके अलावा, इस साल तीन से चार महीनों की अवधि में 14 यूनीकॉर्न कंपनियां स्थापित की गईं। इसका अर्थ है कि वैश्विक महामारी में भी हमारे स्टार्टअप ने धन कमाना और मूल्यांकन बढ़ाना जारी रखा। उन्होंने कहा भारतीय यूनिकॉर्न की औसत वार्षिक वृद्धि दर अमेरिका, ब्रिटेन और कई अन्य देशों की तुलना में अधिक है। प्रधानमंत्री ने कहा हमारी यूनिकॉर्न कंपनियां विविधतापूर्ण बन रही हैं। स्टार्टअप की दुनिया नए भारत की भावना को प्रदर्शित कर रही है और छोटे शहरों एवं कस्बों के लोग उद्यमी बन रहे हैं। उल्लेखनीय है कि एक अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाले निजी स्टार्टअप को 'यूनिकॉर्न' कंपनी कहा जाता है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने केन्द्रीय मंत्री एल .मुरुगन को उनके जन्मदिन पर बधाई दी

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय सूचना और प्रसारण तथा मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उन्हें जन्मदिन की बधाई देने के लिए धन्यवाद दिया है। डॉ. मुरुगन ने आज सुबह एक ट्वीट में प्रधानमंत्री को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि उनके प्रेरक शब्द हमेशा राष्ट्र के लिए और अधिक काम करने के लिए और अधिक ऊर्जा देते हैं। डॉ. मुरुगन ने कहा, ह्लआपके गतिशील नेतृत्व और मार्गदर्शन में मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करूंगा। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में कहा था कि डॉ. मुरुगन अथक प्रयास, असीम ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ नए भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं। प्रधानमंत्री नेकहा था कि ह्लजन्मदिन जीवन की प्रासंगिकता पर गौर करने और उसका आकलन करने का एक विशेष अवसर होता है। यह हमें परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए नई ऊर्जा के साथ खुद को फिर से समर्पित करने के लिए प्रेरित करता है। जिस समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ आप देश के विकास एवं समृद्धि के लिए काम कर रहे हैं, वह विशेष रूप से युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। प्रधानमंत्री ने केन्द्रीय राज्यमंत्री के अच्छे स्वास्थ्य एवं आनंद से परिपूर्ण रहने की कामना की और आने वाले समय में उनके उज्ज्वल भविष्य एवं प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।

किसान इथेनॉल का उत्पादन शुरू कर हासिल कर सकते हैं समृद्धि : गडकरी

अकोला, महाराष्ट्र, एजेंसी। पेट्रोल-डीजल के विकल्प के रूप में इनेथाल को लेकर आशान्वित केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने किसानों से आह्वान किया है कि केंद्र ने चावल, ज्वार और मक्का से इथेनॉल के उत्पादन को अनुमति दे दी है तो किसान ईंधन उत्पादक बनकर समृद्धि हासिल कर सकते हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री महाराष्ट्र के अकोला शहर में दो फ्लाईओवर के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। गडकरी ने कहा कि अगर पश्चिमी विदर्भ क्षेत्र में 50 प्रतिशत सिंचाई को अंजाम दिया जा सके तो कोई किसान आत्महत्या नहीं करेगा। किसानों को इथेनॉल का उत्पादन करने के लिए प्रेरित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र ने चावल, ज्वार और मक्के से इथेनॉल उत्पादन को मंजूरी दी है तथा किसान अब ईंधन उत्पादक बनकर समृद्धि प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन अमरावती-अकोला राजमार्ग तथा अन्य सड़कों का काम कराने और जल संरक्षण के लिए अमृत सरोवर अभियान के तहत अकोला जिले में 36 तालाबों का निर्माण करेगा।

प्रतिबंधित पदार्थों की खेप रोकने और इसके खतरे को कम करने की कोशिशे जारी : नौसेना प्रमुख

कन्नूर, एजेंसी। भारतीय नौसेना चीफ एडमिरल आर हरि कुमार ने खुले समुद्र (हाई सी) से मादक पदार्थ बरामद होने की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित पदार्थों की खेप अफगानिस्तान से आती है और इसके खतरे को कम करने के प्रयास किये जा रहे हैं। भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के कैडेट के पासिंग आउट परेड का निरीक्षण करने के बाद यहां मीडिया को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा कि अफगानिस्तान सरकार के पतन और तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अवैध गतिविधियों में इजाफा हुआ है। नौसेना प्रमुख कुमार ने कहा, 'मादक पदार्थ का खतरा अभी बहुत गंभीर है, अफगानिस्तान सरकार के पतन के बाद महासागर में मादक पदार्थों की तस्करी मछली पकड़ने की नौकाओं के जरिये हो रही है।' लक्षद्वीप तट के पास खंले समुद्र से 1500 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन बरामद किये जाने के एक दिन बाद नौसेना प्रमुख ने यह बयान दिया।

हाल ही में गुजरात तट के पास सक्रिय मादक पदार्थ की तस्करी से जुड़े गिरोह का भंडाफोड़ जांच एजेंसियों ने किया था। इसके पहले जांच एजेंसियों ने 20 मई को लक्षद्वीप तट के पास से 218 किलोग्राम हेरोइन बरामद की थी, जिसकी कीमत बाजार में 1500 करोड़ रुपये बतायी गई। नौसेना प्रमुख ने कहा कि मादक पदार्थ गुजरात पहुंचाने के लिए तस्कर मछली पकड़ने वाली नौका का इस्तेमाल करते हैं। कुछ तस्कर मादक पदार्थ पहले मालदीव और सेशेल्स के पास के समुद्र में ले जाते हैं और फिर वहां से नौका के जरिये इसे भेजने की कोशिश करते हैं।

उन्होंने कहा कि नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल के जवान समुद्र में किसी संदिग्ध नौका या पोत की गतिविधि पर लगातार नजर रखते हैं और तलाशी अभियान चलाते हैं। नौसेना प्रमुख ने कहा, ह्यएक नौका की पूरी तरह जांच करने में करीब चार घंटों का समय लगता है, जबकि समुद्र में बड़ी तादाद में पोत और नौकाएं होती हैं। हमें खुफिया सूचना के आधार पर नौकाओं को चिह्नित करने की जरूरत है।' नौसेना प्रमुख ने कहा कि नौसेना ने अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ सहयोग करके केवल पिछले साल 3000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थों को जब्त किया।

यह पारादीप पत्तन के मेगा पोर्ट बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है: मंत्री सोनोवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालयका लक्ष्य दीर्घकालिक रणनीतिक अवसंरचना से जुड़ी मजबूत दृष्टि और नेतृत्व के आधार पर निवेशकों के विश्वास को सुदृढ़ करना है, जिसमें निवेश योग्य विभिन्न परियोजनायें शामिल हैं, जो आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय रूप से स्थायी और व्यावहारिक रूप से सफलतापूर्वक पूरा करने योग्य होतीं हैं। इन दूरदर्शी पहलों में से एक है झ बड़ी धनराशि की लागत वाली पारादीप बंदरगाह परियोजना, जो बंदरगाह को एक विश्व स्तरीय आधुनिक बंदरगाह में बदल देगी, जिसमें पोत के उलटे होने को संभालने की क्षमता होगी। यह निर्णय भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, क्योंकि प्रधानमंत्री पूर्वी राज्यों के विकास पर जोर दे रहे हैं। इस परियोजना में पारादीप पोर्ट पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के तहत निर्माण, परिचालन और स्थानांतरण (बीओटी) के आधार पर पश्चिमी डॉक का विकास करना एवं गहराई बढ़ाने के साथ आतंरिक बंदरगाह सुविधाओं को अधिकतम करना शामिल हैं। परियोजना की अनुमानित लागत 3,004.63 करोड़ रुपये है। इसमें बीओटी के आधार पर नए पश्चिमी डॉक का विकास और चयनित रियायतग्राही द्वारा बड़े पैमाने पर ड्रेजिंग शामिल हैं, जिनकी लागत क्रमशः 2,040 करोड़ रुपये और 352.13 करोड़ रुपये है। इसके अलावा,परस्पर समर्थन परियोजना अवसंरचना उपलब्ध कराने की दिशा में पारादीप पोर्ट 612.50 करोड़ रुपये का निवेश करेगा।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा कि परियोजना की सफलता पारादीप बंदरगाह के मेगा पोर्ट बनने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि यह पूर्वी राज्यों के विकास के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है। मंत्री ने कहा कि यह परियोजना पोत के उलटे होने को संभालने के लिए पोर्ट की क्षमता को बढ़ाएगी, पोर्ट की क्षमता में 25 एमएमटीपीए का योगदान करेगी। इसके परिणामस्वरूप पोर्ट की दक्षता में सुधार होगा, बेहतर कार्गो व्यवस्था होगी,व्यापार में वृद्धि होगी और रोजगार सृजन समेत सामाजिक-आर्थिक विकास होगा।

75 सीटों का लक्ष्य लेकर अभी से शुरू कर दें 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी : योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकताओं को अभी से 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए प्रेरित करते हुए कहा अगले चुनाव की भाव-मि हमें अभी से तैयार करनी होगी। उन्होने कहा कि हमें लोकसभा की 75 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना है। रविवार को यहां अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में पार्टी की एक दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने 30 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भाजपा की सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। सीएम योगी ने पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा 2024 के चुनाव की भाव भूमि हमें अभी से तैयार करनी होगी। यह बैठक प्रदेश पार्टी अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह की अध्यक्षता में हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा पार्टी को विधानसभा चुनाव में बेहतर परिणाम मिला है, इसलिए हमें 2024 के लिए अभी से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक बार फरि से हमें साबित करना है, इसलिए 75 लोकसभा सीटों का लक्ष्य लेकर अभी से आगे बढ़े। सीएम योगी ने भरोसा जताया कि आप सभी कार्यकताओं के परिश्रम से एक बार फरि से यह सपना साकार होगा और यह कार्यसमिति उस विश्वास के साथ आगे बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटें हैं जिसमें वर्ष 2014 के चुनाव में भाजपा ने 71 और सहयोगी अपना दल ने दो सीटें जीती थीं जबकि 2019 के चुनाव में भाजपा को 62 और सहयोगी अपना दल (एस) को दो सीटें मिली थीं।

टीकाकरण अभियान में भारत की कामयाबी से लेना चाहिए सबक : बिल गेट्स

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना संक्रमण को मात देने के लिए इन दिनों भारत में वैक्सीनेशन अभियान चलाया जा रहा है। हर रोज लाखों लोगों को कोरोना से बचाव के लिए टीके लगाए जा रहे है। टीकाकरण अभियान को लेकर माइक्रोसॉफ्ट के सह संस्थापक बिल गेट्स ने भारत की जम कर तारीफ की है। उन्होंने कहा जिस बड़े स्तर पर इस अभियान को चलाया जा रहा है उससे दुनिया को भारत से सीखने की जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दौरान बिल गेट्स से स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मुलाकात की थी। मनसुख मंडाविया ने इस मुलाकात की ट्वीट कर जानकारी दी थी। बिल गेट्स ने इसका जवाब देते हुए भारत की तारीफ की है। उन्होंने लिखा मनसुख मंडाविया से मिलकर अच्छा लगा। हमने ग्लोबल हेल्थ को लेकर चर्चा की। बिल गेट्स ने कहा भारत ने वैक्सीनेशन को लेकर जिस तरह का सफल आयोजन किया और जिस प्रकार इसमें टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है, इससे दुनिया को सीखने की जरूरत है।

पिछले हफ्ते 25 मई को मनसुख मंडाविया ने बिल गेट्स से मुलाकात की थी। इस मीटिंग की एक फोटो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा था बिल गेट्स ने भारत के वैक्सीनेशन मैनेजमेंट की तारीफ की है। हमने स्वास्थ्य सेवा से संबंधित विषयों पर चर्चा की। जिसमें डिजिटल स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, रोग नियंत्रण प्रबंधन, एमआरएनए क्षेत्रीय केंद्रों का निर्माण, और सस्ती और गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरणों के विकास को मजबूत करना आदि शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने पुणे के विमान नगर में तक्षशिला खेल परिसर का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार की शाम पुणे के विमान नगर में तक्षशिला खेल परिसर का उद्घाटन किया जिसका निर्माण पुणे नगर निगम (पीएमसी) ने किया है। जमीनी स्तर पर खेल के बुनियादी ढांचे के निर्माण के महत्व को रेखांकित करते हुएश्री ठाकुर ने पुणे के कॉरपोरेट घराने से अपील की कि वे आगे आएं और अपने सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) फंड के माध्यम से खेल से जुड़ी सुविधाओं के निर्माण के लिए धन मुहैया कराएं। मंत्री श्री ठाकुर ने युवाओं से खेल और फिटनेस को अपनाने का आग्रह करते हुएप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों को याद किया, ह्लखेलोगे तो खिलोगे! और कहा कि खेल हमें दृढ़ता सिखलाता है, आत्म-विश्वास पैदा करता है, और नेतृत्व के गुणों का विकास करता है। उन्होंने बताया कि भारत में मोटे लोगों की संख्या सबसे अधिक है और गतिहीन जीवन शैली ने लोगों को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि इसलिएफिटनेस सभी के लिए महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कि यह खेल परिसर क्षेत्र के युवाओं और आम लोगों के लिए बनाया गया है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि ह्लअपने एसी (वातानुकूलुत) कमरों से बाहर आएं,यहां आधे घंटे खेलों का अभ्यास करें। तब आप फिट हो जाएंगे,स्वास्थ्य और उपचार के बिल कम करें, खेल के प्रति रूचि का विकास करेंह्व। देश में खेल संस्कृति विकसित करने के बारे में बताते हुए श्री ठाकुर ने कहा कि,ह्वजब हमारे बच्चों को खेलने का मौका मिलेगा, तो उनमें खेल के प्रति रुचि विकसित होगी। तब वे देश और विदेश में मैच जीतने के लिए अपने दम पर आगे बढ़ेंगे।ह्वउन्होंने कहा कि एक खेल टूनार्मेंट हमारे शरीर के नसों की लड़ाई है जो दशार्ता है कि एक व्यक्ति मानसिक रूप से कितना मजबूत हो सकता है। श्री ठाकुर ने कहा कि सरकार खेलों को बहुत महत्व देती है और केंद्र देश भर में खेल के लिए जमीनी स्तर के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए राज्यों के साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि खेलों के लिए बजट, जो पहले लगभग 1,200 करोड़ रुपये हुआ करता था, को बढ़ाकर 3,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है,ताकि खिलाड़ियों पर खर्च करने के लिए अधिक फंड हो। लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (टीओपीएस-टॉप्स) के तहत, भारत सरकार सर्वोत्कृष्टखिलाड़ियों के विदेशी प्रशिक्षण की पूरी जिम्मेदारी लेती है, जिसमें उनका आवास, पोषण, उपकरण, विदेशों में अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं शामिल हैं। इसके अलावा प्रत्येक खिलाड़ी के लिए 50,000 / -रुपये का मासिक वजीफा भी शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि,ह्वअब खिलाड़ियों को केवल खेलने की जरूरत है और उन्हें किसी चीज की चिंता नहीं है। इसलिए वे अपने दम पर प्रयास कर रहे हैं और देश के लिए पदक जीत रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने पुणे में प्रसिद्ध गुलशाची तालीम अखाड़े का दौरा किया जहां उन्होंने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के एक केंद्र का उद्घाटन किया और प्रशिक्षु पहलवानों के साथ बातचीत की। साई ने महाराष्ट्र में सबसे अधिक कुश्ती अखाड़ों को अपनाया है। श्री ठाकुर ने ढोल-ताशा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के खेल खेलने का अवसर देने का भी वादा किया।

रेलवे में व्यक्तिगत उत्कृष्टता, ज्ञान और क्षमता शानदार है पर सामूहिक प्रयास जरूरी : वैष्णव

भुवनेश्वर, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रेल विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर काफी आशान्वित है उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे को खुले दिल से तकनीक को अपनाने और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए ऊंचे मानक तय करने की आवश्यकता है। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, ह्यरेलवे इकलौता संगठन है, जिसे देश की उम्मीदों को पूरा करने के लिए तकनीक से लेकर क्षमता तक बहुआयामी उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है ह्न वैष्णव ने कहा, ह्यरेलवे में व्यक्तिगत उत्कृष्टता, ज्ञान और क्षमता शानदार है। लेकिन सामूहिक रूप से हम कहीं पिछड़ जाते हैं और अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाते हैं। अगर हम सामूहिक रूप से संगठन को मजबूत बनाना चाहते हैं तो शीर्ष नेतृत्व का चयन केवल प्रदर्शन और योग्यता के आधार पर होना चाहिए ह्न

मंत्री ने कहा कि रेलवे को स्पष्ट दूरदर्शिता, खुले दिल से तकनीक को अपनाने, सौहार्द्रपूर्ण माहौल में काम करने और पदानुक्रमों को तोड़ने के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ह्यह्यहमें अपनी आकांक्षाओं का स्तर बहुत ऊंचा उठाने और बड़े लक्ष्य तय करने होंगे। यह महज निर्माण या किसी स्टेशन की सफेदी करने या एक अच्छा लाउंज बनाने से नहीं होगा ह्नह्न इस कार्यक्रम में वैष्णव ने देशभर के विभिन्न रेल मंडलों के 156 कर्मचारियों को उत्कृष्टता प्रमाणपत्र और पुरस्कार दिए। विभिन्न उत्पादन इकाइयों और रेलवे सार्वजनिक उपक्रमों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और दक्षता के लिए सम्मानित किया गया।

साइबर अपराध से निपटने के लिए सावधानी और जागरूकता की आवश्यकता : राकेश अस्थाना पुलिस आयुक्त दिल्ली

» विजय गौड़ ब्यूरो चीफ

दिल्ली के पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने पुलिस स्टेशन हरि नगर, दिल्ली के परिसर में साइबर पुलिस स्टेशन, पश्चिम जिला, क्रेच और पुलिस पब्लिक लाइब्रेरी का उद्घाटन किया. इस अवसर पर दो नए सार्वजनिक आउटरीच पहल अर्थात ह्लआशीर्वादह्व और ह्लस्मार्ट एल्डरह्व भी पेश किए गए। इनका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को साइबर अपराध के नए रुझानों और उन्हें रोकने के उपायों के बारे में जागरूक करने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने के बारे में बुनियादी सुरक्षा जागरूकता और अभिविन्यास प्रदान करना है। इस अवसर पर बोलते हुए, पुलिस आयुक्त दिल्ली अस्थाना ने इस बात पर प्रकाश डाला कि साइबर अपराध पारंपरिक अपराध की तुलना में अधिक खतरनाक होगा और अपराध के इस अनूठे रूप से निपटने के लिए सावधानी और जागरूकता की आवश्यकता है। प्रत्येक जिले में विशेष पुलिस थाने स्थापित किए जा रहे हैं ताकि पीड़ित/लक्षित त्वरित जांच के लिए प्रशिक्षित कर्मियों से संपर्क कर सकें। चूंकि इस अपराध की मात्रा अधिक है और यहां तक कि अच्छी तरह से शिक्षित और जानकार व्यक्ति भी इसका शिकार होते हैं, इसलिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है । उन्होंने पीड़ितों से आग्रह किया कि वे संकोच न करें और माता-पिता और पुलिस में विश्वास करें, अगर वे तंग या फंसे हुए महसूस करते हैं।पश्चिम जिले के नव कार्यात्मक साइबर पुलिस स्टेशन, क्रेच और हरि नगर, दिल्ली में पुलिस-सार्वजनिक पुस्तकालय पश्चिम जिले के निवासियों को समर्पित थे। क्रेच की स्थापना दिल्ली पुलिस की कामकाजी महिला कर्मचारियों के लिए एक कल्याणकारी कदम है। पुलिस-पब्लिक लाइब्रेरी स्थानीय समुदाय के छात्रों के लिए एक सामुदायिक पुलिसिंग मंच है जो पढ़ाई की तैयारी करते समय पुलिस कर्मियों और उनके बच्चों के साथ घुलमिल जाता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राकेश अस्थाना पुलिस आयुक्त ने वरिष्ठ नागरिकों, सामाजिक योगदानकताओं और अन्य जनता को भी सम्मानित किया।आशीर्वाद ह्वपरियोजना अकेले रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों को एक आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली प्रदान करने के लिए है। वरिष्ठ नागरिकों को आपातकालीन स्थितियों में उपयुक्त अधिकारियों से तत्काल मदद लेने के लिए संबंधित एसएचओ, बीट अधिकारी, बुजुर्ग हेल्पलाइन, दिल्ली पुलिस हेल्पलाइन, साइबर हेल्पलाइन के संपर्क नंबर जैसी जानकारी प्रदान की गई है। ह्लआशीर्वादह्व न केवल हमारे वरिष्ठ नागरिकों को सशक्त करेगा, बल्कि उनके बीच संतोष और सुरक्षा की भावना को भी मजबूत करेगा।प्रोजेक्ट ह्लस्मार्ट एल्डरह्व हमारे बड़े को

तकनीक-प्रेमी बनाने की दिशा में एक असाधारण कदम है। जिले के वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल साक्षरता और साइबर जागरूकता पर दो दिनों का क्रैश कोर्स दिया जाएगा और उन्हें दिल्ली पुलिस एप्लिकेशन, सोशल मीडिया एप्लिकेशन, ऑनलाइन शॉपिंग एप्लिकेशन, टैक्सी बुकिंग एप्लिकेशन और अन्य उपयोगी ऐप्स के बारे में शिक्षित किया जाएगा। वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस क्रैश कोर्स में साइबर अपराध जागरूकता सत्र भी शामिल किया गया, जिसमें सैकड़ों वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया।इस अवसर पर विशेष आयुक्त पुलिस दीपेंद्र पाठक, संयुक्त आयुक्त पुलिस मीनू चौधरी और अतिरिक्त आयुक्त पुलिस चिन्मय बिश्वाल सहित पश्चिम जिले के सम्मानित लोग उपस्थित थे।

मन की बात कार्यक्रम से प्रधानमंत्री देश के हर हिस्से से जुड़ते हैं: आदेश

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा द्वारा आयोजित दिल्ली के सभी 13820 बूथों पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात को सुना गया। केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती मीनाक्षी लेखी, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दिल्ली प्रदेश प्रभारी श्री बैजयन्त जय पांडा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता, नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी सहित अन्य प्रदेश पदधिकारियों ने विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना।

आज महिपालपुर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम का प्रयोग कभी भी राजनीतिक फायदें के लिए नहीं किया। मन की बात के 89वां संस्करण होने के बावजूद आज तक इसमें किसी भी तरह की ऐसी बातें नहीं हुई जो सामाजिक द्वेष पैदा करता हो। बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस मंच का प्रयोग करते हुए देश विदेश के अलग-अलग हिस्सों में घटने वाली समाजिक घटना, विभिन्न परम्परा और प्रेरणा देती लोगों की कहानियों को रखते हैं जो इस कार्यक्रम की विशेषता है।

आदेश गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लोगों के साथ संवाद के लिए एक अनोखी परंपरा को स्थापित किया है जिससे देश के हर हिस्से के लोग जुड़ते हैं और हर हिस्से में होने वाली घटनाओं की जनाकरी मिलती है। रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी हुई सामान्य बातचीत वो देशवासियों से करते हैं। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश ही नहीं विदेशों में भी योग पर जोर दिया जा रहा है। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है जिससे जोड़ने की कोशिश की जानी चाहिए ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। क्योंकि योग हर किसी के लिए फायदेमंद है।

आदेश गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने कार्यक्रम में अनेकता में एकता की बात की। हमारे यहां अलग-अलग पहनावा और पहचान हमारी डायवर्सिटी है। यह हमें सशक्त और एकजुट रखती हैं। आज दिल्ली के सभी 13820 बूथों पर आयोजित मन की बात कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री विजय गोयल, सांसद श्री मनोज तिवारी, श्री रमेश बिधूड़ी एवं श्री प्रवेश साहिब सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश उपाध्याय एवं श्री विजेन्द्र गुप्ता, प्रदेश महामंत्री श्री कुलजीत सिंह चहल, श्री हर्ष मल्होत्रा एवं श्री दिनेश प्रताप सिंह मन की बात कार्यक्रम प्रदेश संयोजक श्री राजन तिवारी, कार्यालय मंत्री श्री हुकमसिंह सहित प्रदेश के उपाध्यक्ष, विधायक सहित प्रदेश, जिला एवं मंडल के पदाधिकारियों ने भी मन की बात सुनी।

संक्षिप्त समाचार

अभिषेक बनर्जी के न्यायपालिका वाले बयान पर बोले राज्यपाल धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका की आलोचना करने को लेकर तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी पर पलटवार करते हुए कहा कि वो रेड लाइन क्रॉस कर चुके हैं। जगदीप धनखड़ ने आरोप लगाया कि राज्य में संवैधानिक अधिकारियों पर हमले हो रहे हैं। राज्य ने कहा कि वह बनर्जी की ओर से की गई टिप्पणियों को गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव से इस मामले में तत्काल कार्रवाई शुरू करने का कहा। दार्जिलिंग के यात्रा के समय बागडोगरा एयरपोर्ट पहुंचने पर धनखड़ ने कहा राज्य में संवैधानिक संस्थाओं पर हमले हो रहे हैं, न्यायपालिका हमला निंदनीय है। राज्यपाल ने कहा कि एक जनसभा में एसएससी घोटाले की सीबीआई जांच का आदेश देने वाले न्यायाधीश पर हमला करना सबसे निंदनीय है। उन्होंने अभिषेक बनर्जी का बिना नाम लिए कहा कि माननीय संसद सदस्य ने रेड लाइन को पार किया है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने पिछले एक साल में कई मामलों में सीबीआई जांच का आदेश दिया है, जिसमें चुनाव के बाद की हिंसा और स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की ओर से शिक्षकों की भर्ती शामिल है। राज्यपाल ने कहा कि एक जनसभा में एसएससी घोटाले की सीबीआई जांच का आदेश देने वाले न्यायाधीश पर हमला करना सबसे निंदनीय है। उन्होंने अभिषेक बनर्जी का बिना नाम लिए कहा कि माननीय संसद सदस्य ने रेड लाइन को पार किया है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने पिछले एक साल में कई मामलों में सीबीआई जांच का आदेश दिया है, जिसमें चुनाव के बाद की हिंसा और स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) की ओर से शिक्षकों की भर्ती शामिल है।

आधार कार्ड की फोटोकॉपी शेयर करने की चेतावनी वाले बयान को सरकार ने लिया वापस

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने आधार कार्ड को लेकर अपने बयान को वापस ले लिया है जिसमें नागरिकों को आधार के मिस यूज से बचने के लिए किसी भी संस्थान या कंपनी के साथ आधार कार्ड डिटेल शेयर करने की चेतावनी दी गई थी। अब सरकार द्वारा एक नई प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई है। नई प्रेस विज्ञप्ति में सरकार ने इसे वापस लेने की बात कही है। बयान वापस लेने के पीछे ह्यगलत अर्थह्न की संभावना का हवाला दिया गया है। इसमें कहा गया है, ह्लप्रेस विज्ञप्ति की गलत व्याख्या की संभावना को देखते हुए, इसे तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाता है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि आधार धारकों को केवल इसे इस्तेमाल करने और साझा करने में सामान्य विवेक का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है। बता दें कि इससे पहले 27 मई को जारी नोटिफिकेशन में मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी ने कहा था कि सिर्फ से लाइसेंस प्राप्त संगठन ही किसी व्यक्ति की पहचान के लिए आधार का उपयोग कर सकते हैं।

'पोटपौरी चैलेंज' : कैंसर जागरूकता के लिए वेगस मॉल में आयोजित हुई हाफ मैराथन

1250 से भी ज्यादा लोगों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

» स्वतंत्र सिंह भुल्लर मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्लीवासियों के पसंदीदा स्थान, वेगस मॉल को अपने जोशीले सामुदायिक निर्माणप्रयासों और कार्यक्रमों के लिए जाना जाता है। लेकिन इस सप्ताहांत में यहाँ हुई इस पहल ने तो सैकड़ों दिलों को छूकर शक्ति और आशा का संदेश दिया। 29 मई, रविवार की सुबह वेगस मॉल में ह्यपोटपौरी चैलेंजह्न नाम से एक हाफ मैराथन का आयोजन किया गया, जिसमें 1250 से भी ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया। इस पहल का उद्देश्य दिल्ली के लोगों में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना थाक

राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम रिपोर्ट, 2020 के अनुसार सन 2020 में भारतीय जनता में कैंसर के 13 लाख से भी अधिक मामले सामने आए हैं, और सन 2025 तक यह संख्या 15 लाख तक पहुंचने की

संभावना हैक ऐसे में वेगस मॉल की हाफ मैराथन जैसी पहल इस गंभीर बीमारी के बारे में लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ जनता को इसे रोकने के लिए अपना सक्रिय योगदान देने के अलावा इससे प्रभावित लोगों की मदद हेतु भी प्रेरित करती है। इस अवसर पर वेगस मॉल के एसिस्टेंट वाइस प्रेसीडेंट रविंदर चौधरी ने कहा कि ह्लवेगस की टीम के रूप में हमारा उद्देश्य अपने लक्ष्य की दिशा में पूरी दृढ़ता से प्रयास करते जाना है, जो साल भर आयोजित होने वाले हमारे सभी कार्यक्रमों में स्पष्ट परिलक्षित होता है। इस मुश्किल दौर में जब हम सभी के आस-पास कोई न कोई पारिवारिक सदस्य, दोस्त या पड़ोसी कैंसर से पीड़ित हैं, हम सभी को मिलकर उनकी मदद के लिए आगे आना चाहिएकह्व

प्रसिद्ध खेल आयोजक, कोच रविंदर ने आयोजन की अध्यक्षता करते हुए कहा कि ह्लदिल्ली की जनता कभी निराश नहीं करती। कैंसर योद्धाओं के बीच उम्मीद जगाने और उन्हें यह बताने के लिए कि इस लड़ाई में वह अकेले नहीं हैं, हर आयु-वर्ग से इतने सारे लोगों को एक साथ प्रतिभाग करते देखना साचमुच एक भावविभोर कर देने वाला अनुभव है।

रिद्धिश स्मार्ट ईवी व्हीकल लॉन्च, इलेक्ट्रिक वाहन समय की मांग, सवित

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। संवित चालना, अध्यक्ष एवं राघवेंद्र वरमुला, राहुल मार्केटिंग पार्टनर ने गर्व से पेन इंडिया बाजार के लिए वाहन के लॉन्च की घोषणा की और हम भारत के नंबर एक ब्रांड हैं, जिसमें 8 रंगों के साथ 10+ मॉडल हैं, जिसमें कुल मिलाकर 80 उत्पाद शामिल हैं।

हम गर्व से कहते हैं कि हमारा उत्पाद भारत का सबसे कम कीमत वाला उत्पाद है।हम भारत की हरित क्रांति का हिस्सा बनना चाहते हैं। रिद्धिश स्मार्ट वाहन मोबिलिटी के भविष्य का परिचय देता है, जो अब तक का उन्नत इलेक्ट्रिक स्कूटर है।

रिद्धिश स्मार्ट वाहन का विजन एक ही शहर और आसपास के इलाकों में एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए आसान, सस्ता, विश्वसनीय और पर्यावरण के अनुकूल तरीका प्रदान करना है। मेक इन इंडिया पहल हमारे भारत में बेहतर रोजगार पैदा करने और प्रदान करने के लिए हमारा मुख्य विचार है। हमारा मुख्य फोकस हर पीढ़ी के प्रत्येक ग्राहक को संतुष्ट करने के लिए डिजाइन और रंगों के बेहतरीन विकल्प के साथ बेहतर आवागमन वाले वाहन उपलब्ध कराना है।

हम हर राज्य में असेंबलिंग पॉइंट पार्टनर्स लेकर आ रहे हैं और हम भारत के हर जिले में एक्सक्लूसिव शोरूम शुरू कर रहे हैं और हम पूरे भारत के हर जिले, कस्बों और शहरों में बेहतरीन सर्विस सेट अप कर रहे हैं।

2023 तक बाजार में अच्छी हिस्सेदारी का लक्ष्य।

निर्मला सीतारामण कर्नाटक और पीयूष गोयल महाराष्ट्र से राज्यसभा उम्मीदवार

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने राज्यसभा के लिए 16 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण कर्नाटक से और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल महाराष्ट्र से उम्मीदवार होंगे। राजस्थान से घनश्याम तिवाड़ी और उत्तरप्रदेश से लक्ष्मीकांत वाजपेयी को उम्मीदवार बनाया गया है।

यूपी से योगी आदित्यनाथ के लिए गोरखपुर सदर सीट छोड़ने वाले राधामोहन अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया गया है। सपा से आए सुरेंद्र नागर को भी राज्यसभा में जगह मिलेगी। यूपी से बाबूराम निषाद, दर्शना सिंह और संगीता यादव को भी जगह मिली है।हालांकि यूपी से अभी दो नाम और घोषित होना है।

दर्शना सिंह बीजेपी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।संगीता यादव गोरखपुर की चौरी चौरा सीट से पूर्व विधायक हैं और बीजेपी महिला मोर्चा की पदाधिकारी हैं। बाबूराम निषाद यूपी बीजेपी के पूर्व उपाध्यक्ष हैं और यूपी में पिछड़ी जाति आयोग के अध्यक्ष हैं। लक्ष्मीकांत बाजपेयी यूपी में पार्टी का ब्राह्मण चेहरा हैं और पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष रहे हैं।सुरेंद्र सिंह नागर यूपी बीजेपी के उपाध्यक्ष हैं और राज्यसभा सदस्य हैं।

उत्तराखंड से कल्पना सैनी, बिहार से सतीश चंद्र दुबे और शंभू शरण पटेल को उम्मीदवार बनाया गया है। हरियाणा से कृष्णलाल पंवार और मध्य प्रदेश से कविता पाटीदार बीजेपी के उम्मीदवार होंगे।

कर्नाटक से जग्गेश और महाराष्ट्र से अनिल बोंडे भी बीजेपी के उम्मीदवार होंगे। लिस्ट में केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी का नाम नहीं है। अभी वे झारखंड से राज्यसभा के सांसद हैं।

बीजेपी के कुछ और उम्मीदवारों के नाम अभी आने हैं। अभी मध्यप्रदेश, झारखंड से एक-एक और उत्तर प्रदेश से दो नाम आने हैं। इसके अलावा बीजेपी राजस्थान, हरियाणा और कर्नाटक से एक अतिरिक्त सीट के लिए उम्मीदवार उतारकर चुनाव लड़ सकती है। पार्टी की रणनीति कुछ राज्यों में चुनाव के जरिए सीट जीतने की है।

लगभग 100 गाड़ियों का काफिला आम आदमी पार्टी सोहना से कुरुक्षेत्र रैली के लिये रवाना

» मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम। लगभग 100 गाड़ियों का काफिला आम आदमी पार्टी सोहना से कुरुक्षेत्र रैली के लिये रवाना हुआ।आम आदमी पार्टी की नरेंद्र कुमार जो सोहना से, पूर्व आदमी पार्टी प्रत्याशी का कहना है की मौजूदा भाजपा व जजपा सरकार के कार्यकाल में आम आदमी के लिए कुछ नहीं किया गया है, जिसका वे इन चुनावों में उल्लेख कर सके। उन्होंने आगे बताया की राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कुरुक्षेत्र में होने वाली ह्लअब बदलेगा हरियाणा रैलीह्व काफी अहम रही और यह प्रदेश की राजनीति को एक नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि इस रैली को लेकर जहां पार्टी कार्यकताओं में काफी जोश है, वही आम लोगों में भी इसके लिए भारी उत्साह है। उन्होंने कहा कि गुड़गांव जिले के सोहना से भारी संख्या में लोग खासकर महिलाएं इस रैली में शिरकत की है।।

जितेंद्र मितल , जो सोहना व्यापारी सगठन के अध्यक्ष ने बताया कि प्रदेश में इस समय बेरोजगारी, महंगाई, बिजली, पानी, शिक्षा एवं स्वास्थ्य अहम मुद्दे हैं। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर सड़कें, जलभराव गंदगी, टूटी हुई गलियां, स्ट्रीट लाइट आदि भी अहम मुद्दे रहेंगे। पार्टी कार्यकर्ता पूरे जोर-शोर के साथ आमजन तक पहुंच कर लोगों को पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाना उनका काम है।

टेकचंद का कहना की लोग प्रदेश में एक बदलाव की उम्मीद से अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी से काफी उम्मीदें लगाए बैठे हैं। क्योंकि अब तक प्रदेश में जिस किसी भी पार्टी की सरकार रही है उसने विकास के नाम पर सिर्फ और सिर्फ अपना और अपने लोगों का ही विकास किया है। और अब सत्ता प्राप्ति के लिए विभिन्न दलों में आपस में काफी खींचातानी चल रही है जबकि आम आदमी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता सिर्फ और सिर्फ आप की सरकार प्रदेश में बनाने के लिए जोर लगा रहा है, ताकि आमजन को दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं दी जा सके। क्योंकि पार्टी का लक्ष्य जन सेवा करना ही है।

50 से ज्यादा बस व 5000 गुरुग्राम के कार्यकर्ता कुरुक्षेत्र रैली में पहुंचे

» सतबीर शर्मा,मदरलैंड संवाददाता

गुरुग्राम। कुरुक्षेत्र रैली में 50 बस व लगभग 5000 कार्यकर्ता रैली के स्थान के लिये रवाना हुए।। पार्टी कार्यकर्ता ने जोश और नारों के साथ अपनी यात्रा शुरू की। सभी बस के उप्पर पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल का पोस्टर था। साथ में आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं के फोटो थे। सभी के लिए गाड़ियों में भोजन व चाय पानी की व्यवस्था थी।

आम आदमी पार्टी की राजबाला का कहना है आम आदमी पार्टी की कुरुक्षेत्र रैली प्रदेश की राजनीति को एक नई दिशा प्रदान करेगी :

गुरुग्राम के आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ता ने रैली को सफल बनाने के लिये बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कुरुक्षेत्र की रैली अब बदलेगा हरियाणा रैलीह्व सफल रैली

थी।उमेश अग्रवाल का कहना था की आज की रैली प्रदेश की राजनीति को एक नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि इस रैली को लेकर जहां पार्टी कार्यकताओं में काफी जोश है, वही आम लोगों में भी इसके लिए भारी उत्साह है। उन्होंने कहा कि गुड़गांव जिले से भारी संख्या में लोग खासकर महिलाएं इस रैली में शिरकत करेंगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में इस समय बेरोजगारी, महंगाई, बिजली, पानी, शिक्षा एवं स्वास्थ्य अहम मुद्दे हैं। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर सड़कें, जलभराव गंदगी, टूटी हुई गलियां, स्ट्रीट लाइट आदि भी अहम मुद्दे रहे।। पार्टी कार्यकर्ता पूरे जोर-शोर के साथ आमजन तक पहुंच कर लोगों को इस रैली में पहुंचे।

लोग प्रदेश में एक बदलाव की उम्मीद से अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी से काफी उम्मीदें लगाए बैठे हैं। क्योंकि अब तक प्रदेश में जिस किसी भी पार्टी की सरकार रही है उसने विकास के नाम पर सिर्फ और सिर्फ अपना और अपने लोगों का ही विकास किया है। और अब सत्ता प्राप्ति के लिए विभिन्न दलों में आपस में काफी खींचातानी चल रही है जबकि आम आदमी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता सिर्फ और सिर्फ आप की सरकार प्रदेश में बनाने के लिए जोर लगा रहा है, ताकि आमजन को दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं दी जा सके। क्योंकि पार्टी का लक्ष्य जन सेवा करना ही है।।

विवाहित बेटी पिता के पेंशन खाते से 2.03 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी में गिरफ्तार : सागर सिंह कलसी आईपीएस

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। विजय (बदला हुआ नाम) निवासी संत नगर, बुराड़ी, दिल्ली, आयु- 69 वर्ष, (जो बिजली कंपनी से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं) से शिकायत साइबर पुलिस स्टेशन उत्तर जिला, दिल्ली में प्राप्त हुई थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि वह है एक प्रतिष्ठित बिजली कंपनी से सेवानिवृत्त पेंशनभोगी और नवंबर, 2021 से मार्च, 2022 के बीच उनकी जानकारी के बिना उनके बैंक के पेंशन खाते से 2,03,000/- रुपये डेबिट किए गए। इसके अलावा, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि न तो उन्हें लेनदेन के लिए कोई ओटीपी प्राप्त हुआ और न ही प्राप्त हुआ बैंक से कोई डेबिट संदेश। शिकायतकर्ता को किसी साइबर अपराध का शिकार होने का संदेह था। इसके बाद, प्राथमिकी संख्या 55/2022, दिनांक 25.05.2022, धारा 420 आईपीसी के तहत पीएस साइबर नॉर्थ जिले में मामला दर्ज किया गया और जांच की गई। दोषियों को पकड़ने के लिए स्वागत पाटिल राजकुमार, एसीपी/ऑपरेशन सेल/नॉर्थ के मार्गदर्शन में एवं पवन तोमर, एसएचओ/साइबर पुलिस स्टेशन, उत्तरी जिला केसुपरविजन में एसआई रोहित के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया जिसमें एसआई राजू

और महिला / एचसी सुनीता को शामिल किया गया। जांच के दौरान, वॉलेट और बैंक खाते का विश्लेषण किया गया और यह पाया गया कि पैसे पहले पेटीएम वॉलेट में स्थानांतरित किए गए और फिर दो प्रतिष्ठित बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिए गए। पहला बैंक खाता पीड़िता के दामाद सूरज (बदला हुआ नाम) के नाम से पंजीकृत पाया गया जबकि दूसरा बैंक खाता पीड़िता की बेटी अनीता (बदला हुआ नाम) के नाम से पंजीकृत पाया गया। जांच के दौरान, अनीता (बदला हुआ नाम) को धारा 41 (ए) सीआरपीसी के तहत नोटिस जारी करके पकड़ा गया, जिसने कबूल किया कि उसने अपने सेवानिवृत्त पिता के बैंक खाते से अपने एटीएम कार्ड नंबर को अपने पेटीएम में जोड़ने के बाद धोखाधड़ी के पैसे ट्रांसफर किए और इस्तेमाल किया लेनदेन के लिए उसके पिता के मोबाइल नंबर पर ओटीपी आया था। उसने आगे खुलासा किया कि उसने संदेह से बचने के लिए ओटीपी संदेशों और डेबिट संदेशों को हटा दिया। उसने आगे खुलासा किया कि शुरू में उसने अपने पिता के पेंशन बैंक खाते से कम राशि को अपने ऑनलाइन वॉलेट में स्थानांतरित कर दिया था। उसने संदेह से बचने के लिए बैंक से प्राप्त ओटीपी और डेबिट संदेशों को हटा दिया। सागर सिंह कलसी आईपीएस उपायुक्त पुलिस उत्तर जिला ने ब्यूरो चीफ विजय गौड़ को बताया कि जब कुछ नहीं हुआ, आरोपी बेटी ने पैसे ट्रांसफर करना शुरू कर दिया और कुछ महीनों में कुल 2.03 लाख ट्रांसफर कर दिए और पैसे का इस्तेमाल प्रतिष्ठित फाइनेंस कंपनी में लोन के खिलाफ जमा किए गए सोने को छुड़वाने के लिए किया। उसका परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है और उसका पति मजदूर वर्ग का है।

संक्षिप्त समाचार

मैनपुरी के SP अशोक कुमार राय भेजे गए लखनऊ, IPS कमलेश दीक्षित को मिली जिम्मेदारी

अजय सक्सेना, मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी। जिले के एसपी अशोक कुमार राय का तबादला कर दिया गया है। उन्हें लखनऊ डीजीपी कार्यालय से संबंध किया गया है। इसके साथ ही जिले में नए एसपी की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक हमीरपुर कमलेश दीक्षित को दी गई है। कमलेश दीक्षित मूल रूप से कुशीनगर जिले के निवासी हैं। दीक्षित 1992 बैच के पीपीएस अधिकारी हैं। कानून व्यवस्था को बेहतर तरीके से संभालने का उनमें विशेष हुनर है। कई जिलों में डिप्टी एसपी के रूप में काम करने के साथ संभल, वाराणसी, सुल्तानपुर आदि जिलों में एडिशनल एसपी के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। कानून व्यवस्था संभालने में उनकी सक्रियता की लोग सभी जगह मिसाल देते हैं। वर्तमान में उनकी तैनाती हमीरपुर मे थी। जिन्हें अब मैनपुरी एसपी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

महिला आयोग की सदस्य सुमन चतुर्वेदी 1 जून को सुनेगी महिलाओं की समस्याएं

मदरलैंड संवाददाता, मैनपुरी। मिशन शक्ति 4.0 के अन्तगर्त महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाये जाने तथा महिला उत्पीड़न की रोकथाम व महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से तथा आवेदक, आवेदिकाओं की सुगमता की दृष्टि से मा. सदस्य उ.प्र. राज्य महिला आयोग सुमन चतुवेर्दी की अध्यक्षता में 1 जून (बुधवार) को ट्राजिस्ट हास्टल में जागरूकता चैपाल शिविर, महिला जनसुनवाई कायर्क्रम का आयोजन होगा। मिशन शक्ति 4.0 के अन्तगर्त महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं विषयक जागरूकता, चैपाल का आयोजन किया जायेगा, चैपाल, शिविर के माध्यम से विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जायेगी, योजनाओं से सम्बन्धित साहित्य उपलब्ध कराये जाने के साथ ही पात्रों का सुसंगत योजनाओं में यथासंभव पंजीकरण भी कराया जायेगा, उ.प्र. शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं यथा निराश्रित महिलाओं को पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, आयुष्मान काड बनवाये जाने, कन्या सुमंगला योजना से अच्छादित बालिकाओं को लाभ दिलाये जाने, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना से जनपद की महिलाओं को लाभान्वित किये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक प्रचार-प्रसार कराया जायेगा, उ.प्र. बाल सेवा योजना से लाभान्वित परिवारों, बालिकाओं के सम्बन्ध में समीक्षा की जायेगी।

पूर्व प्रधानमंत्री चैधरी चरण सिंह को योगी, अखिलेश ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री चैधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने भी चैधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री चैधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को विधानसभा में स्थापित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री के साथ कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना समेत कई प्रमुख नेताओं ने चैधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। माल्यार्पण करने के बाद योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट किया कि, ह्यश्रद्धेय चैधरी चरण सिंह जी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री व देश के प्रधानमंत्री के रूप में सदैव गांवों के विकास, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने व अन्नदाता किसानों की भूमिका को इसके साथ जोड़ने का उल्लेखनीय कार्य किया।' उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि, ह्यमहान किसान नेता, देश के पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह जी की पुण्यतिथि पर मैं प्रदेशवासियों की ओर से उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।' वहीं दूसरी ओर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने चैधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ट्वीट किया कि, 'देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों एवं खलिहानों से होकर गुजरता है। किसानों के नायक, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चैधरी चरण सिंह जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि।'

यदि हमारा खाना-पहनना पसंद नहीं तो कहीं और चले जाओः मौलाना मदनी

सहारनपुर, एजेंसी। देवबंद दारुल उलूम में आयोजित दो दिवसीय जमीयते उलेमा-ए-हिंद के अधिवेशन के अंतिम दिन मौलाना महमूद मदनी ने देश के हालात का जिक्र करते हुए कहा कि कितना कुछ सहने के बावजूद हम चुप हैं। यह हमारे सब्र का इम्तिहान है, कहा कि यदि हमारा खाना, पहनना नहीं पसंद तो हमारे साथ मत रहो, कहीं और चले जाओ। मौलाना मदनी ने कहा कि वे जरा-जरा सी बात पर हमें कहते हैं कि पाकिस्तान चले जाओ। अरे तुम्हें मौका नहीं मिला था पाकिस्तान जाने का। हमें मौका मिला लेकिन हमने ह्यरिजेक्टह्ण कर दिया था।

देवबंद में जमीयत के अधिवेशन के दूसरे दिन में कई प्रस्ताव पेश किए गए, साथ ही कुछ अहम सुझाव दिए गए। अधिवेशन में उलमा देश के मौजूदा हालात समेत अनेक मुद्दों पर चर्चा हुई। जमीयत उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय अधिवेशन में सांप्रदायिक माहौल खराब करने वालों की जमकर आलोचना की गई। इस दौरान अपने सम्बोधन में जमीयत के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व राज्यसभा सांसद मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि हमारा मजहब अलग है, हमारा लिबास अलग है, हमारे खाने-पीने, पहनने का तरीका भी अलग है। यदि तुमको हमारा मजहब बर्दाश्त नहीं है तो तुम कहीं ओर चले जाओ। अधिवेशन में आज दूसरे दिन ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा शाही ईदगाह और कॉमन सिविल कोड को लेकर प्रस्ताव पारित किए गए। जिसका अधिवेशन में मौजूद उलमा ने खुले दिल से समर्थन किया। कहा कि कॉमन सिविल कोड को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, इसका हर स्तर पर विरोध किया जाएगा।

शाहजहांपुर के प्रोफेसर मौलाना नौमानी ने कॉमन सिविल कोड का प्रस्ताव रखते हुए इसके पीछे सरकार की मंशा को जाहिर करते हुए कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ को समाप्त करने के लिए सरकार इसको ला रही है। जिसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुल्क का कानून सबको बराबर का हक देता है। यदि सरकार कॉमन सिविल कोड को जबरन लाती हर तरह इसका विरोध किया जाएगा।

मध्य प्रदेश हरियाणा और राजस्थान में अब होती है मैनपुरी से मछली के बच्चों की सप्लाई

- मछली पालन से किसानों की आमदनी में हुआ है 3 गुना अधिक मुनाफा
- रामचरण जलजीवी मत्स्य उत्पादन केंद्र का किया सीडीओ मैनपुरी ने औचक निरीक्षण

» **मदरलैंड संवाददाता**

मैनपुरी/बिछवा। प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत बनाए गए आर ए एस हैचरी योजनाओं का सीडीओ मैनपुरी ने रविवार को औचक निरीक्षण किया साथ ही विभिन्न तालाबों के संरक्षण के साथ ही मछली उत्पादन के बारे में जानकारी हासिल की साथ ही औचक निरीक्षण भी किया।

रविवार को सीडीओ मैनपुरी विनोद कुमार के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य विभाग प्रदीप कुमार व सुधीर कुमार मत्स्य निरीक्षक चंद्रप्रकाश फिशरमैन व भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल राठौर के साथ रामचरण जल जीवी मत्स्य उत्पादन केंद्र जैली का निरीक्षण किया गया 7 एकड़ में बने इस मत्स्य उत्पादन केंद्र का निरीक्षण किया गया साथ ही हैचरी से बच्चों को जिस तरह तैयार किया जा रहा है सारी विधि के बारे में भौतिक निरीक्षण किया साथ ही जो प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत हैचरी का निर्माण कराया गया है जिसमें 40% सामान्य व 60% एस सी महिला के लिए अनुदान है उसका भी निरीक्षण किया गया साथ ही हैचरी में पढ़ने वाली प्रजाति रोहू कतला मिग नैना कामनता ग्रास रेडेक्स कॉमन के अलावा जयंती रोहू आमोद विभिन्न प्रजातियों की जो मछली है उनके बच्चों को देखा गया इस मत्स्य फार्म से जनपद के आसपास 500 से अधिक किसान अपने तालाबों में मछली ले जाते हैं साथ ही इस तालाब साथ ही इस उत्पादन केंद्र से मध्य प्रदेश हरियाणा व राजस्थान के लिए भी सप्लाई की जाती है इस हैचरी उत्पादन केंद्र वह सरकारी उत्पादन केंद्र से बराबर के मूल्यों पर सप्लाई दी जाती है प्रतिवर्ष 10 मिलियन मछलियों का उत्पादन किया जाता है साथ ही भूमि संरक्षण विभाग से जुड़े तालाबों का जीर्णोद्धार हो रहा है वहां भी यह योजना चलाई जा सकती है कार्यक्रम में रामचरण जल जीवी मत्स्य उत्पादन केंद्र के संचालक कालेश्वर दयाल को सीडीओ ने सम्मानित भी किया साथ ही उनका सुमित्रा फिश फीड मिल का भी निरीक्षण किया जिसमें वह मछलियों के लिए स्वयं दाना तैयार कराते हैं साथ ही मार्केट में दाना की बिक्री भी करते हैं उन्होंने उस के कागज देखे साथ ही टैक्स फ्री इस योजना के बारे में जानकारी भी ली। निरीक्षण में अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे।

कौवे ने बुजुर्ग व्यक्ति पर क्यों किया हमला? सामने आया चौंकाने वाला कारण

» **मदरलैंड संवाददाता**

मैनपुरी। जिले में बड़ा ही अजीब मामला सामने आया है। यहां एक कौवे के बुजुर्ग व्यक्ति पर इस कदर गुस्सां आया कि एक दो बार नहीं, बल्कि कई बार चोंच से हमला किया। कौवे के हमले से बुजुर्ग खुद को बचा न सके और गंभीर रूप से घायल हो गए।

आपको बता दें कि मैनपुरी जिले में एक कौवे ने चोंच से हमला कर बुजुर्ग व्यक्ति को घायल कर दिया। इस हमले में खून से लथपथ हुए बुजुर्ग को आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यहां का है मामला

ये मामला थाना भोगांव क्षेत्र के ग्राम मौजेपुर का है। यहां के रहने वाले 80 वर्षीय बालिस्टर यादव शनिवार शाम अपने घर के बाहर बैठे हुए थे। बताया गया है घर के बाहर ही दो कौवे आपस में लड़ रहे थे। जब बालिस्टर यादव ने ये देखा तो उन्होंने कौवे को वहां से भगाने के लिए ललकार दिया। बस फिर क्या था दोनों कौवों में आपस की लड़ाई तो बंद हो गई और वे बुजुर्ग पर हमलावर हो गए।

चोंच मारकर किया घायल

कौवें ने जैसे ही बालिस्टर पर हमला किया, तो वे घबरा गए। पहले तो उन्होंने कौवों को खदड़ने का प्रयास किया, लेकिन कौवों के आगे उनकी नहीं चली। कौवों ने बुजुर्ग के सिर पर चोंच से हमला करना शुरू कर दिया। इस दौरान बुजुर्ग खुद के बचाते हुए चीखने चिल्लाने लगे। बुजुर्ग की चीख-पुकार सुनकर अन्य परिजन मौके पर पहुंचे और कौवों को भगाया। खून से लथपथ बुजुर्गों को आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कल रोजगार मेले का आयोजन

» **मदरलैंड संवाददाता**

मैनपुरी। सहायक सेवायोजन अधिकारी विकास मिश्रा ने बताया कि जिला सेवायोजन कायालर्य प्रागंण में दि 31 मई 2022 को रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा, जिसमें जनपद की बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार मुहैया कराने के लिए कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी। उन्होने बताया कि रोजगार मेले में इस बार विशेषतौर शिक्षित युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु ह्यह्यअपोलो होम हेल्थकेयर लिमिटेड दिल्लीह्णह्ण के द्वारा 'नैनीकेयर नर्स, होमकेयर नर्स, ए.एन.एम., जी.एन.एम., बीएससी नर्सिंग' हेतु कुल 50 पदों हेतु चयन किया जायेगा, जिसका वेतन लगभग 17000, अन्य सुविधाएं निःशुल्क मिलेंगी। उन्होने बताया कि बेरोजगार युवकों के लिए 07 कंपनियां रोजगार मेले प्रतिभाग करेंगी जिसमें प्रमुख रूप से कल्याण सोलर पावर, ब्राइट फ्यूचर ओर्गेनिक हबर्ल प्रा.लि., शिवशक्ति, एक्स्ट्रस बिजनेस प्रा.लि., सिक्योरिटी गार्ड कम्पनी, निशांत, फाउण्डेशन जीवन बीमा निगम प्रतिभाग करेंगी। उन्होने कहा कि इच्छुक अभ्यर्थी अपनी समस्त मूल शैक्षिक योग्यताओं एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ जिला सेवायोजन कायार्लय मैनपुरी परिसर में पूवार्न्ह 10 बजे से रोजगार मेले में प्रतिभाग करें।

बघेल समाज नूंह की तरह से देवी अहिल्याबाई होलकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई

» **मदरलैंड संवाददाता**

नूंह/मेवात। बघेल समाज नूंह की तरह से रविवार को देवी अहिल्याबाई होलकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस कार्यक्रम में जिला नूंह (मेवात) के 18 गांव व जिला पलवल, फरीदाबाद, गुडगांव से सैकड़ों लोगों ने शिरकत कर समाज के उत्थान व भलाई को लेकर चर्चा करते हुए देवी अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर विस्तार से जानकारी दी और उनके आदर्श पर चलने की बात पर जोर दिया गया। इस मौके पर सुबह हवन यज्ञ, प्रसाद, अतिथि सम्मान व देर सांय को शोभा यात्रा निकाली गई। बघेल समाज की तरफ से जिला में ऐसा प्रथम कार्यक्रम देखा गया और समाज के युवाओं में काफी जोश देखने को मिल रहा था। समाज से जुडे नरेश बघेल फौजी ने रविवार सांय को जानकारी दी कि उनके समाज की तरफ से रविवार को देवी अहिल्याबाई होलकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई है जिसमें कई जिलों के समाज के लोगों ने शिरकत कर समाज के उत्थान को लेकर विचार विमर्श किए गए है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में अन्य समाज के लोगों ने भी शिरकत कर निकाली गई झांकी के जलपान की व्यवस्था कर भाईचारे को बढ़ावा दिया है। हमें ऐसे आयोजन समय-समय पर करने चाहिए।

आवश्यकता से अधिक यूरिया के इस्तेमाल से प्राकृतिक संसाधनों पर दुष्प्रभाव हो रहा है- उप महाप्रबंधक

» **मयंद मोहन, मदरलैंड संवाददाता**

नूंह/मेवात। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इफको की ओर से कलोल (गुजरात) में स्थापित विश्व के प्रथम नैनो यूरिया संयंत्र का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम के तहत जिला नूंह के गांव नन्दूकी, मोहम्मदपुर अहीर, कलवाडी, झामुवास, किरंज, मानूवास, उजीना, खोरी आदि में में भी विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये किसानों व ग्रामीणों को लाईव कार्यक्रम को दिखाया गया। गांव नन्दूकी में इफको द्वारा एक कार्यक्रम में भाजपा मण्डल प्रधान किसान मार्चा तावडू रामकिशोर ने कृषि में नैनो यूरिया के महत्व व प्रयोग के विधि के बारे में जानकार दी। इफको गुडगांव के उप महाप्रबंधक राजेन्द्र कुमार ने जानकारी दी कि आवश्यकता से अधिक यूरिया के इस्तेमाल से प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ रहे दुष्प्रभाव के बारे में भी अवगत कराया गया। नैनो यूरिया के प्रयोग भूमिगत जल प्रदुषण, वायु प्रदुषण में कमी होगी व मृदा के स्वास्थ्य में भी सुधार होगा।

पंजाबी बिरादरी की जो सोचे उन्हीं को वोट दें-लाला गणेश दास

» **मदरलैंड संवाददाता**

नूंह/मेवात। अखिल भारतीय पंजाबी महासभा के सरपरस्त व वयोवृद्ध पंजाबी नेता लाला गणेश दास ने कहा है कि जो भी दल पंजाबी समाज के व्यक्ति को राज्यसभा व निकाय चुनाव में बिरादरी को पर्याप्त भागीदारी देता है तो बिरादरी उस दल का खुलकर समर्थन देकर अपनी वोट की पहचान बनाए। उन्होंने कहा कि पंजाबी वोट उस दल को दें जो पंजाबी हित की बात करें। उन्होंने बताया कि विभाजन के बाद से उनके समाज की कथिततौर से हो रही अनदेखी को लेकर बिरादरी में चर्चा शुरू हो गई हैं।

वह रविवार को वार्ड नं-7 (पुराना वार्ड) तावडू में पत्रकारवार्ता के दौरान यह बात कही। उन्होंने बताया कि विभाजन की असहाय पीड़ा का दंश झेल चुकी बिरादरी ने अपने बूते पर राष्ट्र स्तर पर पहचान कायम की हैं। लेकिन राजनीति मामलों में यह अन्य समाज से पीछे हैं। उन्होंने बताया कि पंजाबी पढे- लिखे युवाओं को सरकारी नौकरियों में नजरअंदाजी से खफा युवा निजि क्षेत्र में अपनी भागीदारी जुटा रहा है। उन्होंने समाज के सभी संगठनों से राजनीति मामलों में एकजुटता दिखाने की अपील की हैं।

जल, जंगल एवं जमीन की हिफाजत करना पूजा एवं इबादत से कम नही- मोहम्मद सेनजिक

» **मदरलैंड संवाददाता**

नूंह/मेवात। बोस्निया के राजदूत मोहम्मद सेनजिक ने कहा जल, जंगल एवं जमीन की हिफाजत करने किसी पूजा और इबादत से कम नहीं है। प्रदूषण से बचने एवं पर्यावरण को बढ़ाने के लिए जहां एक ओर पानी की बचत करना, वर्षा के पानी का सरंक्षण करना जरुरी है वहीं दूसरी ओर पौधारोपण करना भी आवश्यक है।

तरुण भारत संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जल पुरुष राजिंद्र सिंह के निमंत्रण पर बोस्निया के राजदूत मोहम्मद सेनजिक ने मेवात का 29 मई रविवार को दौरा किया। तरुण भारत संघ द्वारा पाठखोरी गांव में बनाए जा रहे डैम एवं इसी गांव के टूटे हुए डैम का एवं घाटा शमशाबाद गांव की अरावली में बनाए जाने वाले तीन बांधों का उन्होंने निरीक्षण किया। अरावलियों का निरीक्षण करने के बाद उन्होंने कहा यहां का क्लाइमेट बहुत सुंदर है। उन्होंन कहा बिना किसी सरकारी मदद के जनभागीदारी के साथ जिस तरह से तरुण भारत संघ अरावलियों में बांध बनाकर वर्षा के पानी का सरंक्षण कर रहा है उसकी जितनी प्रशंशा की जाए उतना कम है। सरकार एवं वन विभाग को चाहिए कि वे इस तरह के संगठनों के साथ मिलकर इनके द्वारा वाटर मैनेजमेंट के लिए बनाए जा रहे प्रोजेक्टों को पूरा करे। ताकि इस क्षेत्र का भूमिगत जलस्तर उंचा उठ सके। उन्होंने कहा हिंदुस्तान के गांव एवं गांवों का भाईचारा बहुत मजबूत है। यहां पर आज भी गावों के लोग सादगी के साथ रहते हैं। उन्होंने कहा तरुण भारत संघ द्वारा महाराष्ट्रा, गुजरात, राजस्थान एवं हरियाणा में वर्षा के पानी के सरंक्षण के लिए कार्य किया जा रहा है। इनके सफल परिणाम भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा इससे पहले वे जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर सहित कई क्षेत्रों में तरुण भारत संघ द्वारा जल सरंक्षण के लिए बनाए प्रोजक्टों का लाभ लोगों को मिल रहा है। उन्होंने कहा देश की राजधानी दिल्ली के समीप होते हुए भी इस क्षेत्र में पानी की समस्या क्यों है सरकार को इस बारे में मंथन करना होगा। जल पुरुष राजिंदर सिंह ने मोहम्मद जेनसिक को इस क्षेत्र में जल सरंक्षण के लिए बनाई जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने फिरोजपुर झिरका के हरियाणा हाई स्कूल, मदापुर रोड पर स्थित ईदगाह, घाटा शमशाबाद गांव में पौधारोपण भी किया। पाठखोरी गांव के लोगों ने मोहम्मद सेनजिक एवं राजिंद्र सिंह को पगड़ी बांधकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर उनके साथ जल पुरुष राजिंद्र सिंह, जल बिरादरी के अध्यक्ष इब्राहिम खान, छोटेलाल, सरोज कुमारी, राहुल सिसोदिया, साहून एड़वोकेट, सरपंच चंद्रशेखर पाठखोरी एवं गावं के काफी ग्रामीण व्यक्ति मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम ने जारी किया 29 लोगों को मकान खाली करने नोटिस, लोग बोले, बैनामा करने वालों पर हो कार्रवाई

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की ! नगर निगम रुड़की द्वारा वार्ड नंबर 36 भारत नगर के वासियों को मकान, दुकान खाली करने का नोटिस जारी किया गया है ! नगर निगम द्वारा 29 लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं ! सभी को निर्धारित समय के भीतर मकान और दुकान खाली करने को कहा गया है जिसमें लगभग 21 मकान और आठ दुकान बताई जा रही हैं ! मामला माहिग्रान भारत नगर का है जहां पर नगर निगम द्वारा कल 29 लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं ! इसे लेकर लोगों का कहना है कि हम लोग 1997 से हाउस टैक्स और वाटर टैक्स नगर निगम को देते चले आ रहे हैं और 1997 के बेनामे हमारे पास में हैं नगर निगम द्वारा हमें किस बात की सजा दी जा रही है जबकि नगर निगम को कार्रवाई उन लोगों पर करनी चाहिए जिन लोगों ने यह बैनामे किए हैं ! हम लोगों को अगर यह जानकारी होती तो वह यह संपत्ति खरीदते ही क्यों ! वही रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा से भी इस सारे मामले को लेकर लोगों ने मुलाकात की है ! विधायक का कहना है कि वह नगर निगम अधिकारियों से बात कर पूरे मामले की जानकारी लेंगे !

पुण्यतिथि पर चमार वाल्मिकी महासंघ ने किया माता रमाबाई को नमन

मदरलैंड संवाददाता, हरिद्वार ! चमार वाल्मीकि महासंघ एवं बहुजन क्रांति मोर्चा के कार्यकताओं ने रविदास बस्ती कनखल में स्वच्छ पानी, शिक्षा, सम्मान, रोटी ,कपड़ा और मकान, दिलाने के लिए अपने चार –चार बच्चों का बलिदान करने वाली समर्पण, बलिदान की त्यागमूर्ति माता रमाबाई अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि समारोह के अवसर पर चमार वाल्मीकि महासंघ एवं राष्ट्रीय मूलनिवासी अत्यंत पिछड़ी अनुसूचित जाति जागृति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र श्रमिक ने मूलनिवासी बहुजन समाज के लिएअपने चार –चार बच्चों को दफन कर मूलभूत अधिकार दिलाए हैं अगर माता रमाबाई अंबेडकर अपने पति बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को सहयोग ना करती और उनका विरोध करती तो आज हम जानवर से भी बदतर जीवन जीने पर मजबूर होते। उन्होंने कहा कि हम हजार बार भी जन्म ले तब भी उनका यह ऋण उतार नहीं सकते हम उनके कर्जदार हैं उन्होंने कहा मूलनिवासी बहुजन समाज में पीढ़ी दर पीढ़ी पैदा होने वाले लोग भी उनके कर्जदार रहेंगे। चमार वाल्मीकि महासंघ के संस्थापक अध्यक्ष एवं बहुजन क्रांति मोर्चा के प्रदेश संयोजक भंवर सिंह ने श्रद्धांजलि सभा के अवसर पर कहा कि माता रमाबाई अंबेडकर ने बहुत ही विकट परिस्थिति में मुंबई महाराष्ट्र की सड़कों से गोबर इकट्ठा करके उसके ऊपले बनाकर उन्हें बेचकर पढ़ाई करने गए बाबा साहेब को पैसे भेजती थी।अगर माता रमाबाई अंबेडकर उनकी इस तरह मदद ना करती तो बाबा साहेब पढ़ाई नहीं कर पाते और पढ़ाई ना कर पाते तो संविधान बना पाते और बाबा साहब सविधान ना बनाते तो हमें किसी भी तरह के अधिकार ना होते ! इस अवसर पर डॉ वीके टम्टा ,आशीष राजौर ,सरोज पाल सिंह, ठेकेदार आनंद कुमार, सुनील कुमार परविंदर कुमार, जग रोशन देवी, रूबी ,रीना, वेदपाल, महेंद्र सिंह, अमित सिंह ,अंशुल सिंह, आयुषी, जग रोशनी, अद्विक सिंह आदि ने पुष्प अर्पित किए।

सड़क दुर्घटना में आठ महीने और 12 साल के दो बच्चों की हुई मौत

रूड़की,एजेंसी । रूडकी की सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र में ढढ़ेरी गाँव के पास आज सुबह एक तेज रफ्तार कार ने सब्जियों से भरी ट्रेक्टर ट्राली को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार में सवार परिवार के दक्ष नाम के एक आठ महीने के बच्चे की मौत हो गई और दीपक और पूजा गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। ट्रेक्टर ट्राली पर सवार सावन नाम के 12 साल के एक बच्चे की भी मौत हो गई है और अर्पित नाम के एक बच्चे सहित दो अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका उपचार सिविल अस्पताल में किया जा रहा है। आपको बता दे कि शांतरशाह गांव निवासी एक परिवार के आठ महीने के बच्चे की तबियत खराब थी जिसको लेकर वो रूडकी के किसी अस्पताल में आ रहे थे। ढंढेरी गांव से कुछ लोग ट्रैक्टर ट्राली में सब्जियां भरकर सब्जी मंडी के लिए निकले थे। ढंढेरी गांव के पास से ट्रेक्टर ट्राली को शांतरशाह निवासी परिवार की कार ने पीछे से टक्कर मार दी। ट

चोरी की पांच मोटरसाइकिल समेत दो चोर गिरफ्तार

जसपुर, एजेंसी । जसपुर कोतवाली पुलिस को उस वक्त बड़ी सफलता हाथ लगी जब जसपुर क्षेत्र से मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं सामने आ रही थी। पुलिस चोरों की तलाश में लगी थी, लेकिन कामयाबी से दूर रहे, लेकिन आज जसपुर कोतवाली पुलिस को वाहन चैकिंग अभियान के तहत गूलर गोजी मोड़ रितेश पुत्र तेजपाल मोहल्ला भूप सिंह निवासी साने आलम पुत्र शरीफ अहमद मोहल्ला पट्टी चैहान निवासी को रोका गया, जो चंडीगढ़ संदिग्ध हालात में देखे गए जिनसे मोटरसाइकिल के लिए कागजात मांगे गए दिखाने में असमर्थ रहे। जिस पर पुलिस को शक हुआ। मैं दोनों बहन कोतवाली में लाकर पूछताछ की तो दोनों बाइक की चोरी की निकली।

विश्व की खुशहाली को नगर निगम ने हुआ नौ कुंडीय यज्ञ

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। गायत्री परिवार महिला शाखा की ओर से नगर निगम स्थित प्रांगण में नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें शांतिकुंज हरिद्वार से आई ब्रह्मवादिनी बहनों की टोली द्वारा भजन तथा सुमधुर संगीत की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर तथा गायत्री यज्ञ से किया गया और वेद मंत्रों का उच्चारण करते हुए यज्ञ में आहुति दी गई। ब्रह्मवादिनी श्रीमती श्यामा राठौर ने बताया कि यज्ञ सामूहिकता का प्रतीक है, इसका प्रभाव परिवार, समाज व राष्ट्र में व्यापक स्तर पर होता है। प्रत्येक शुभ कार्य त्यौहार षोडश संस्कार यज्ञ के साथ किए जाते हैं। यज्ञ भारतीय संस्कृति के पिता है।यज्ञ एक भारत की मान्य एवं प्राचीनतम वैदिक उपासना है। उन्होंने बताया कि गायत्री शब्द का अर्थ है, प्राणों की रक्षा करने वाली प्राण शक्ति का अभिवर्धन ही गायत्री उपासना की मूल उपलब्धि है। मनुष्य के अंदर सूक्ष्म शक्तियां केंद्रीत होकर संकल्प शक्ति को परिपुष्ट करती है और आत्मबल को बढ़ाती है, जो मनुष्य जैसा विचार करता है वह वैसा ही बन जाता है, जिन-जिन वस्तुओं का विचार एवं चिंतन करता है,वही वस्तुएं उसके समीप आ जाती है। उन्होंने कहा कि हम जिसे प्राप्त करना चाहते हैं सदा उसी पर विचार करें। सद्भाव व सद्-विचार

हमारी संपत्ति है। कार्यक्रम में पहुंचे मेयर गौरव गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि लोगों को इस तरह के धार्मिक आयोजनों से प्रेरणा लेकर स्वयं को दोषमुक्त करते हुए निर्मल मन से कार्य करना चाहिए तथा बुराई के स्थान पर अच्छाई को स्वीकार कर संस्कारवार बनकर समाज में राष्ट्र की सेवा करनी चाहिए। मेयर गौरव गोयल को इस अवसर पर पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मीनाक्षी शास्त्री, अरुंधति शाह, लक्ष्मी शाह, भरत शाह, रामराज पांडे ने गायत्री मंत्रों माध्यम से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यज्ञ कार्यक्रम में सोहन वीर सिंह, गीता देवी, गायत्री,राजरानी, रामदास गांधी, नीरज प्रखर, सतीश त्यागी, प्रताप नेगी, नंदन सिंह सजवान, अर्चना शर्मा, अनिल त्यागी, अनीता सिंघल, मिथिलेश शर्मा आदि भक्तगण मौजूद रहे।

लोकल वाहनों से टोल वसूली के विरोध में गरजे कांग्रेसी

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की ! स्थानीय लोगों से हो रही टोल वसूली के विरोध में रविवार को कांग्रेसियों ने टोल प्लाजा पर डेरा डाल लिया ! भरी दुपहरी में कांग्रेसियो ने टोल प्लाजा पर धरना प्रदर्शन कर केंद्र सरकार और केंद्रीय परिवहन मंत्री के खिलाफ नारेबाजी की ! कांग्रेसियों ने इसे खुले तौर पर स्थानीय ट्रांसपोर्टर और लोगों का शोषण बताया ! किसान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सचिन गुप्ता के नेतृत्व में दोपहर के समय कांग्रेसी भगवानपुर स्थित टोल प्लाजा पर पहुंचे ! जहां कांग्रेसियों ने टोल के नाम पर लोकल वाहनों से हो रही वसूली का विरोध करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी ! कांग्रेस नेता सचिन गुप्ता ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी और राज्य की भाजपा नीत सरकार आम जनता की हितैषी होने का दिखावा कर रही है ! एक तरफ महंगाई डायन बनकर खाय जात है और दूसरी तरफ सरकार लोकल वाहनों से भी टोल की वसूली कराकर लोकल में ट्रांसपोर्टरो और आम लोगों की जेब पर डाका डालने में लगी है ! सचिन गुप्ता ने कहा कि महंगाई और टोल के नाम पर सरकार को लोगों की जेब पर डाका नहीं डालने दिया जाएगा ! कांग्रेसी इसका हर मोर्चे पर विरोध करेंगे ! इस अवसर पर ऋतु कंडियाल, मनोज जयंत, हेमेंद्र चौधरी, सुशील कश्यप, रइस अहमद, पंकज सोनकर, अमित सोनकर आदि मौजूद रहे ?

चम्पावत में प्रचार कर लौटे भाजपाई, एतिहासिक जीत का दावा

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की ! चम्पावत में उप चुनाव में भाजपाइयों ने अपने प्रत्याशी की जीत के लिए एड़ी चोटी के जोर लगाए रखें ! दस दिनों के प्रचार के बाद दूसरे जनपदों के भाजपाई रविवार को वापस लौट आए ! पूर्व राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त नेपाल सिंह कश्यप ने लगातार चुनाव कार्यक्रम प्रतिभाग किया चुनाव के दौरान उन्होंने टनकपुर बनबसा बनबसा के क्षेत्र में घूम कर वहां की जनता से पुष्कर सिंह धामी को अधिक से अधिक वोट देकर विजय बनाने की अपील की नेपाल सिंह ने अपने समाज के अलावा कुशवाह मेहरा मझुवा आदि समाज के लोगों से अधिक से अधिक चुनाव में प्रतिभाग करने का आग्रह किया और कमल के निशान वाले बटन को दबाकर पुष्कर सिंह धामी अधिक से अधिक वोटों से विजय बनाने की अपील की उनके साथ में पूर्व कैबिनेट मंत्री शिक्षा उत्तराखंड सरकार अरविंद पांडे, शिवम कुमार, सितारगंज से रामप्रसाद कश्यप सुभाष आदि दर्जनों साथियों के साथ टनकपुर बनबसा के क्षेत्रों में जनता से मीटिंग कर पुष्कर सिंह धामी के पक्ष में वोट मांगे।

सोमवती अमावस्या स्नान पर्व से पूर्व यातायात व्यवस्था लड़खड़ाई

- शहर के भीतर व हाईवे पर जाम ने खोली प्रशासन के दावों की पोल
- तीर्थनगरी में स्नान पर्व के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़
- होटल, लॉज व धर्मशालाए फुल, कमरों को भटकते यात्री

हरिद्वार, एजेंसी। सोमवती अमावस्या स्नान पर्व के लिए विभिन्न प्रांतों से श्रद्धालुओं की भीड़ तीर्थनगरी में उमड़ पड़ी है। प्रशासन की ओर से स्नान पर्व को सकुशल सम्पन्न के लिए सुरक्षा व यातायात व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गये है। लेकिन स्नान पर्व की एक दिन पूर्व ही यातायात व्यवस्था धाराशाही होती नजर आयी, शहर के भीतर व हाईवे पर जाम

कर स्थिति देखी गयी। सोमवती स्नान पर्व के पूर्व ही श्रद्धालुओं उमड़ी भीड़ ने सकेंत दे दिये हैं कि स्नान पर्व पर प्रशासन की उमीद से अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ स्नान के लिए हरिद्वार पहुंचेगी। पुलिस प्रशासन ने उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ को देखकर अपनी कमर कस ली है। बताया जा रहा हैं कि शहर की होटल, लॉज और धर्मशालाओं में यात्रियों के ठहरने के लिए कमरे तक उपलब्ध नहीं हो पा रहे है। तीर्थनगरी में सोमवती अमावस्या स्नान पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से मेला क्षेत्र को 05 सुपर जोन, 16 जोन और 39 सेक्टर में बांटा गया है। जिनमें जोन व सेक्टर मजिस्टेज्टों की तैनाती की गयी है। लेकिन सोमवती अमावस्या स्नान पर्व से एक दिन पूर्व ही गंगा में स्नान के लिए विभिन्न प्रांतों से उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने जहां व्यापारियों के चेहरे पर रौनक ला दी है। लेकिन वहीं उमड़ी भीड़ के चलते यात्रियों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। बताया जा रहा हैं कि शहर की होटल, लॉज और धर्मशालााए पूरी तरह से भर गये है। जहां पर यात्रियों को ठहरने के लिए कमरे उपलब्ध नहीं हो पा रहे है। हरिद्वार में स्नान पर्व से पूर्व उमड़ी भीड़ ने सकेंत दे दिये हैं कि पिछले कई सालों के रिकार्ड तोड़ते हुए इस बार सोमवाती अमावस्या स्नान पर्व पर श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंचेगें। वहीं प्रशासन ने भी तीर्थनगरी में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ कर देखते हुए अपनी कमर कस ली है। पुलिस प्रशासन की ओर से यातायात व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम करने के जो दावे किये गये हैं, वह नाकाफी देखे जा रहे है। पुलिस प्रशासन के दावों की पोल स्नान पर्व की पूर्व ही शहर के भीतर व हाईवे पर जाम ने खोल कर रख दी है।

परिजनों को बच्चे की मौत पर इंसाफ का इंतजार

हरिद्वार,एजेंसी। कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्र स्थित जुर्स कंट्री टाउनशिप में बने स्विमिंग पुल में एक माह पूर्व सात वर्षीय बच्चे की डूबकर मौत के मामले में पीड़ित परिवार की ओर से तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। वहीं घटना के सम्बंधा् में डीएम की ओर से भी 15 दिनों के भीतर जांच पूरी करने के आदेश दिये गये थे। लेकिन डीएम द्वारा दी गयी जांच समय सीमा बीत जाने के बाद भी पीडित परिजनों को बेटे की मौत पर इंसाफ नहीं मिल पाया है। मृतक के पिता अभिषेक व मां ज्योति ने रविवार के जुर्स कंट्री परिसर में पत्रकार वार्ता कर पुलिस की जांच पर अपनी नाराजगी जताते हुए आरोप लगाया हैं कि जुर्स कंट्री टाउनशिप में बने स्विमिंग पुल में एक माह पूर्व उनके सात वर्षीय बच्चे की डूबकर मौत के मामले में अभी तक कोई कार्यवाही पुलिस के द्वारा नहीं की गयी है। स्विमिंग पुल का रखरखाव बिल्डर द्वारा किया जाता है। जिसके एवज में मेंटेनेंस चार्जेस भी लिए जाते है। घटना वाले दिन स्विमिंग पुल पर कोई भी जीवन रक्षक, प्राथमिक चिकित्सा एवं जीवन रक्षक उपकरण मौजूद नहीं थे। अगर यह चीजें होती तो उसके बेटे की जान बचायी जा सकती थी। उन्होंने कहा कि घटना को एक माह बीत जाने के बाद भी मेरे बेटे की मौत के जिम्मेदार लोग किसी भी कानूनी कार्यवाही से बाहर है। बेटे की मौत के मामले में पुलिस की ओर से अब कोई भी जांच अधिकारी नियुक्त नहीं है। शुरूआत में मामले की जांच कर रहे उपनिरीक्षक का तबादला हो चुका है। इस गम्भीर मामले में पुलिस लापरवाही बरत रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा एक सप्ताह के भीतर उनके बेटे की मौत की जांच पूरी कर घटना का पटाक्षेप नहीं करता, तो मजबूर होकर उनको अपने बेटे की मौत पर इंसाफ के लिए सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इतना ही नहीं यदि उनको बेटे की मौत पर इंसाफ के लिए मुख्यमंत्री के दरबार जाना पडेगा तो वह उससे भी पीछे नहीं हटेगें। बताते चले कि 28 अप्रैल 2022 की शाम जुर्स कंट्री टाउनशिप में रहने वाले अभिषेक कुमार के इकलौते सात वर्षीय बेटे रुद्राक्ष स्विमिंग पूल में जिमनास्टिक की प्रैक्टिस के दौरान डूबने से मौत हो गई थी।

कल्पेश्वर महादेव मंदिर में होती है भगवान शिव की जटा की पूजा

चमोली, एजेंसी। कल्पेश्वर महादेव मंदिर गढ़वाल के चमोली में स्थित है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। कल्पेश्वर महादेव मंदिर पंच केदारों में से एक है व पंच केदारों में इसका पांचवां स्थान है। यह समुद्र तल से 2134 मीटर की ऊंचाई पर है। यह एक छोटा सा मंदिर है और कल्पगंगा घाटी में स्थित है। माना जाता है कि यहां भगवान शिव की जटा प्रकट हुई थी। इसलिए इस मंदिर में भगवान शिव की जटा की पूजा की जाती है। भगवान शिव को जटाधर या जटेश्वर भी कहा जाता है। कल्पेश्वर कल्पगंगा घाटी में स्थित है, कल्पगंगा को प्राचीन काल में हिरण्यवती नाम से पुकारा जाता था।

इसके दाहिने स्थान पर स्थित भूमि को दुबार्सा भूमि कहा जाता है इस जगह पर ध्यान बद्री का मंदिर है। कल्पेश्वर में एक प्राचीन गुफा है, जिसके भीतर स्वयंभू शिवलिंग विराजमान है। जो भगवान शिव को समर्पित है और यहां भगवान शंकर की जटा की आराधना की जाती है। यह मंदिर अनादिनाथ कल्पेश्वर महादेव के नाम से भी प्रसिद्ध है। इस मंदिर के समीप एक कलेवर कुंड है, इस कुंड का पानी सदैव स्वच्छ रहता है और यात्री लोग यहां का जल ग्रहण करते है।

इस पवित्र जल को पी कर अनेक बीमारियों से श्रद्धालु मुक्ति पाते हैं। यहां साधु लोग भगवान शिव को जल देने के लिए इस पवित्र जल का उपयोग करते है। कल्पेश्वर का रास्ता एक गुफा से होकर जाता है। मंदिर तक पहुंचने के लिए गुफा के अंदर लगभग एक किलोमीटर तक का रास्ता तय करना पड़ता है जहां पहुंचकर तीर्थयात्री भगवान शिव की जटाओं की पूजा करते है। भगवान शिव के इस मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु आकर नतमस्तक होते हैं।

माना जाता है कि यह मंदिर पांडवों द्वारा बनाया गया था। यह वह स्थान है, जहां महाभारत के युद्ध के पश्चात विजयी पांडवों ने युद्ध में अपने संबंधियों की हत्या करने की आत्मग्लानि से पीड़ित होकर इस पाप से मुक्ति पाने के लिए पांडव भगवान शिव के दर्शन करने यात्रा पर निकल पड़े। पांडव पहले काशी पहुंचे। शिव के आशीर्वाद की कामना की, परंतु भगवान शिव उन्हें अपने दर्शन देने इच्छुक नहीं थे। पांडवों को कुलहत्या का दोषी मानकर शिव पांडवों को दर्शन नहीं देना चाहते थे। पांडव केदार की ओर मुड़ गए। पांडवों को आते देख भगवान शंकर गुप्तकाशी में अंतर्ध्यान हो गए। उसके बाद कुछ दूर जाकर महादेव ने दर्शन न देने की इच्छा से बैल का रूप धारण किया व अन्य पशुओं के साथ जाकर मिल गए।

कुंती पुत्र भीम ने विशाल रूप धारण कर दो पहाड़ों पर पैर फैला दिए, जिसके नीचे से अन्य पशु तो निकल गए, पर शिव रूपी बैल पैर के नीचे से जाने को तैयार नही हुए। भीम बैल पर झपट पड़े, लेकिन शिव रूपी बैल दलदली भूमि में अंतर्ध्यान होने लगा। तब भीम ने बैल की पीठ को पकड़ लिया। भगवान शिव की बैल की पीठ की आकृति पिंड रूप में केदारनाथ में पूजी जाती है। ऐसा कहा जाता है कि जब भगवान शिव बैल के रूप में अंतर्ध्यान हुए तो उनके धड़ का ऊपरी भाग काठमांडू में प्रकट हुआ, जहां पर पशुपतिनाथ का मंदिर है। शिव की भुजाएं तुंगनाथ में, नाभि मदमहेश्वर में, मुख रुद्रनाथ में तथा जटा कल्पेश्वर में प्रकट हुई। यह पांच स्थल पंचकेदार के नाम से जाने जाते है।

कल्पेश्वर महादेव मंदिर में दो मार्गों से पहुंचा जा सकता है पहला मार्ग अनुसूया देवी से आगे रुद्रनाथ होकर जाता है तथा दूसरा मार्ग हेलंग से संकरे सामान्य ढलान वाले मार्ग से पैदल या सुविधाओं द्वारा तय करके उर्गम वन क्षेत्र के निकट से पहुंचा जा सकता है. इस रास्ते पर एक खूबसूरत जल प्रपात आता है, जो प्रकृति का मनोहर नजारा है। यहां का सबसे नजदीक रेलवे स्टेशन रामनगर है, जो 233 किलोमीटर की दूरी पर है। ऋषिकेश रेलवे स्टेशन 247 किलोमीटर की दूरी पर है। नजदीकी हवाई अड्डा देहरादून का जॉली ग्रांट है, जो लगभग 266 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। कल्पेश्वर तक पहुंचने के लिए ऋषिकेश, देहरादून और हरिद्वार से बस सेवा भी उपलब्ध है।

हिमालयन स्पोर्ट्स एकेडमी में हुई दौड़ प्रतियोगिता, विजेताओं को किया गया सम्मानित

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। नंदा कॉलोनी स्थित हिमालयन स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से रविवार को दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें हरिद्वार जिले के युवक, युवतियों ने प्रतिभाग किया ! दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विजेताओं को अतिथियों द्वारा मेडल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ! नंदा कॉलोनी स्थित हिमालयन स्पोर्ट्स एकेडमी की ओर से आयोजित दौड़ प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सदस्य उदय सिंह पुंडीर एवं विशिष्ट अतिथि राजेंद्र सिंह रावत रहे। मुख्य अतिथि उदय सिंह पुंडीर ने दौड़ प्रतियोगिता में भाग करने वाले विजेताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि खेल भावनाओं को आगे बढ़ाने के लिए हम सभी को इस तरह के आयोजन करने व कराने की बहुत ही आवश्यकता है। जिससे कि अलग-अलग खेल प्रतियोगिता में हुनर रखने वाले खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिल सके। उन्होंने कहा कि खेल के साधनों को बढ़ाने के लिए सरकार को भी इस ओर ध्यान देना चाहिए जिससे कि क्षेत्र के युवाओं का खेल के प्रति रुझान बढ़े ।उन्होंने प्रतियोगिता में विजय होने वाले प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह एवं मेडल पहनाकर उनके उज्जवल भविष्य कामना की। विशिष्ट अतिथि राजेंद्र सिंह रावत ने प्रतियोगिता का आयोजन कराने वाले एकेडमी के संचालकों को इस सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी साथ ही प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी युवा खिलाड़ियों एवं प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपने क्षेत्र एवं प्रदेश का नाम रोशन करने की बात कही। स्पोर्ट्स एकेडमी के संचालक बच्चन सिंह नेगी एवं हरीश पटवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि हरिद्वार जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आए युवकों एवं युवतियों ने प्रतिभाग किया ।उन्होंने कहा कि क्षेत्र के युवा सेना एवं सशस्त्र पुलिस बल में जाने के लिए तैयार हो इस उद्देश्य से उनके द्वारा एकेडमी में 100 मीटर 800 मीटर 1200 मीटर व 3000 मीटर अलग-अलग युवक व उपयोगी युवतियों की दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिसमें प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा मेडल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया है उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनकी हौसला अफजाई की गई। दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले युवक व युवतियों में अंशुल, तेजस, आरव, आयुषी, अपर्णा, मोरिया, कनिका त्यागी, खुशी, विकास, रोबिन, सुमित, खुशी, आयशा युवक व युवतिया विजेता रहे। इसके अलावा अन्य दौड़ खिलाड़ियों ने भी दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर हेमचंद्र, यूएस पुंडीर, हेमंत बड़थ्वाल, भारत भंडारी आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

डॉ विनोद शर्मा ने डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी के प्रधान पदमश्री पूनम सूरी को प्रदान किया काव्य संग्रह

विनोद कुमार, मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़/दिल्ली। साहित्यकार डॉ विनोद कुमार शर्मा ने विशेष मुलाकात के दौरान डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी नई दिल्ली के प्रधान पदमश्री पूनम सूरी को अपना काव्य संग्रह बढ़ते कदम भेंट किया। इस विशेष मुलाकात के दौरान डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी नई दिल्ली के उपप्रधान एचआर गंधार, आर्य समाज सेक्टर 7 बी चंडीगढ़ के मंत्री प्रकाशचंद्र शर्मा भी उपस्थित थे। प्रधान ने इस मौके पर साहित्यकार को शुभकामनाएं दी।

कांग्रेस नेता और पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की मनसा जिले में गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़ , एजेंसी। कांग्रेस नेता और पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की पंजाब के मनसा जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई। फायरिंग में तीन अन्य लोग घायल हो गए। यह हमला उस समय हुआ जब मूसेवाला और उनके दो दोस्त अपने गांव जा रहे थे। मूसेवाला की एसयूवी पर गोलियों की बौछार की गई। कार में उनका खून बहता हुआ दिखाई दिया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फायरिंग में घायल हुए तीन लोगों को मानसा अस्पताल में भर्ती किया गया है। शुभदीप सिंह सिद्धू पर अकाली नेता विक्कू मिददुखेड़ा की हत्या की साजिश का आरोप लगा था। मूसेवाला अगले सप्ताह गुड़गांव में अपना शो करने वाले थे। मूसेवाला पिछले साल नवंबर में कांग्रेस में शामिल हुए थे। मूसेवाला ने मानसा से कांग्रेस के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ा था। उन्हें आम आदमी पार्टी के डॉ विजय सिंगला ने हराया था। सिंगला मान सरकार में मंत्री थे जिन्हें हाल ही में भ्रष्टचार के आरोप में हटा दिया गया है। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने कल यानी शनिवार को ही 424 वीआईपी लोगों की सुरक्षा वापस ली है। जिनकी सुरक्षा वापस ली गई, उनमें कई सेवानिवृत्त अधिकारी और पूर्व विधायक भी शामिल हैं। इससे पहले अप्रैल में पंजाब सरकार ने पूर्व मंत्रियों और पूर्व विधायकों, अन्य नेताओं सहित 184 लोगों की सुरक्षा वापस लेने का आदेश दिया था। इनमें पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कैप्टन अमरिंदर सिंह के बेटे रणिंदर सिंह और कांग्रेस विधायक प्रताप सिंह बाजवा की पत्नी के परिवार के लोग शामिल हैं।

चंडीगढ़ जिला अदालत में 47 ,880 मामले लंबित

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-43 स्थित जिला अदालत में बहुत से मामले लंबित पड़े हैं। इस बात को देखते हुए जिला अदालत में गर्मियों की छुट्टियों को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। समर वैकेशंस में अदालत की कार्रवाई बाधित नहीं होगी। जिला अदालत में क्रिमिनल केस की सुनवाई के लिए एक से 15 जून तक सुनवाई होगी। इस दौरान सिविल कोर्ट में भी छोटे-बड़े सभी अपराधिक मामलों की सुनवाई जारी रहेगी। यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि जिला अदालत में सिविल केस से ज्यादा लंबित क्रिमिनल केस हैं। जिला अदालत में छोटे बड़े सभी तरह के क्रिमिनल केस मिलाकर 47,880 मामले पेंडिंग हैं। इन केसों का निपटारा करने के लिए जिला अदालत की कार्यवाही गर्मियों की छुट्टियों में भी जारी रहेगी। सेशन जज की ओर से डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन चंडीगढ़ को एक नोटिफिकेशन जारी करके इस बात की जानकारी दी गई है। वहीं दूसरी ओर इस फैसले को लेकर किसी भी प्रकार का कोई भी विरोध नहीं है। गर्मी की छुट्टियों के दौरान सिविल केस की सुनवाई नहीं होगी। डीबीए सचिव एडवोकेट मुकेश कुमार के बताया कि कोरोना के बाद से वकीलों की आर्थिक दशा काफी खराब हो गई है। पिछले कुछ समय से अदालत की कार्यवाही सुचारू रूप से शुरू हुई है। ऐसे में गर्मी की छुट्टियों में भी अदालत का काम जारी रखना सराहनीय फैसला है। उन्होंने कहा कि जिला अदालत का कोई भी वकील इस बात के विरोध में नहीं है कि अगर कोर्ट लग रही है तो उसे अदालत में आना होगा। अगर किसी एडवोकेट को लगता है कि उसका केस जरूरी है तो वह कोर्ट रूम में आ सकता है। उन्होंने बताया कि जिला अदालत में कई गैंगस्टर पर क्रिमिनल केस चल रहे हैं। इनमें दिलप्रीत सिंह बाबा से लेकर पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के हत्यारे जगतार सिंह तारा शामिल हैं।

हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग महासभा का संविधान आम सभा में हुआ अनुमोदन

» अशोक सैनी,मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। वंचित समाज की संस्थाओं की सामूहिक बैठक रविवार को हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग महासभा के तत्वावधान में महर्षि वाल्मीकि धर्मशाला में महासभा के प्रधान बिशन सैनी की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संचालन हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग महासभा के महासचिव बिरदी चंद गोठवाल ने किया। इस मौके पर उन्होंने बताया कि यह एक गैर राजनीतिक संगठन है और आग्रह किया कि महासभा में वहीं सदस्य पदाधिकारी बनकर अपनी भूमिका अदा करें जो अपना कीमती समय निकाल कर निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करने के इच्छुक हो। इसके बाद महासभा के संविधान का ड्राफ्ट उपस्थित लोगों के सम्मुख ड्राफ्ट कमेटी के सदस्य एडवोकेट नरेंद्र सिंह सैनी व एडवोकेट सुरेंद्र सैनी ने रखा। इस संविधान पर महासभा सदस्यों द्वारा अपने-अपने सुझाव देने के बाद महासभा के संविधान को सर्व सहमति से आए हुए सुझावों को समावेशित करते हुए अनुमोदित किया गया। वहीं आम सहमति से यह निर्णय लिया गया कि महासभा के पंजीकरण के लिए कार्यकारिणी यथाशीघ्र अग्रिम कार्रवाई करे। आगामी बैठक 26 जून को खटीक समाज की धर्मशाला नजदीक मोहल्ला फ्रांसखान में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में शिवनारायण मोरवाल, राजेश चांवरिया, जोगेंद्र जैदिया, इंद्रजीत प्रजापत, हजारीलाल खटावला, रामभरोस भीम, प्यारेलाल चवन, अशोक कुमार जैदिया, भीम सिंह, नरेश कुमार, राजेश कुमार, कुलदीप वाल्मीकि, अजय, राधेश्याम, दया डूलगच, आशुतोष, विकास, सोमदत्त, लालचंद, रामकुमार, करतार सिंह, गिरधारीलाल दायमा, रामचंद्र गोठवाल, प्रवीण कश्यप, दयानंद सांवरिया, राजेंद्र संगेलिया, देशराज यादव, गुगनराम सिरोहा व किशोरी लाल आदि मौजूद रहे।

पंजाब के गायक सिद्धू मुसेवाला की गोली मार कर हत्या

» हरप्रीत सिंह, मदरलैंड संवाददाता

लुधियाना। अपने गीतों के माध्यम से गन कल्चर को बढ़ावा देने वाले पंजाबी गायक और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला की हत्या से पंजाब में हड़कंप मच गया है। उन पर मानसा में अज्ञात लोगों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की है। पहले गंभीर रूप से घायल सिद्धू मूसेवाला को मानसा के अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गाय। उन पर हमले में दो अन्य लोग भी जख्मी हुए हैं। जानलेवा हमले के समय सिद्धू मूसेवाला खुद गाड़ी ड्राइव कर रहे थे। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

यह घटना मानसा में हुई है। यहां पर मूसेवाला पर अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग कर जानलेवा हमला किया। घटना के बाद सिंगर सिद्धू मूसेवाला को मानसा के अस्पताल में ले जाया गया, जहां उन्हें नहीं बचाया जा सका। उनके दो अन्य साथियों को भी अस्पताल में दाखिल करवाया गया है।

एक दिन पहले ही सरकार ने घटाई थी सुरक्षा

बता दें कि भगवंत मान की अगुवाई वाली आप सरकार ने शनिवार को ही सिद्धू मूसेवाला की सिक्योरिटी घटाई थी। मूसेवाला के पास पहले करीब 8 से 10 गनमैन थे। मान सरकार ने एक्शन लेते हुए उनके पास सिर्फ 2 ही गनमैन छोड़े थे।

पंजाब सिंगर और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला पर हमले के बाद मौके पर एकत्र भीड़। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

कांग्रेस की टिकट पर मानसा से लड़ा था विधानसभा चुनाव

सिद्धू मूसेवाला ने पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 में राजनीति में किस्मत आजमाने का फैसला किया था। उन्हें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू पार्टी में लेकर आए और मानसा से टिकट दी। हालांकि चुनाव में वह आम आदमी पार्टी के डा. विजय सिंगला के हाथों हार गए। बाद में डा. विजय सिंगला स्वास्थ्य मंत्री बने लेकिन भ्रष्टाचार के मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सिद्धू मूसेवाला हथियारों को बढ़ावा देने वाले गानों के कारण विवादों में रहे और केस भी दर्ज हुआ था। एक दिन पहले ही पंजाब सरकार ने उनकी सुरक्षा वापस ली थी।

सरकारी कामकाज में बड़े पैमाने पर 'डिजिटाइजेशन' को बढ़ावा दे अधिकारी : भगवंत मान

चंडीगढ़, एजेंसी। सरकारी कामकाज को गति देने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 526 सेवा केंद्रों के द्वारा समूचे सूबे में 122 ऑनलाइन सेवाओं की शुरूआत की और अधिकारियों को सरकारी कामकाज में बड़े पैमाने पर ह्यडिजिटाइजेशनह्ल को बढ़ावा देने का निर्देश दिया। आधिकारिक प्रवक्ता के मुताबिक, पंजाब सरकार सार्वजनिक सेवाओं को लोगों के घर तक पहुंचाने के लिए डिजिटाइजेशन को बढ़ावा देने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, ह्यह्ययह वास्तविक समय पर सेवाओं को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगा। इसके अलावा सरकारी कामकाज में और अधिक पारदर्शिता लाएगा। ह्लह्लउल्लेखनीय है कि शब्द, तस्वीर या ध्वनि को कंप्यटूर के जरिए डिजिटल रूप में तब्दील करने कोह्यडिजिटाइजेशनह्ल कहा जाता है। मुख्यमंत्री ने शासन सुधार विभाग को सेवा केंद्र के दायरे में कम से कम 100 से अधिक सेवाओं का लाया जाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन आईटीआई में प्रशिक्षण शिविर आयोजित

- मनुष्य का स्वास्थ्य एक ऐसा धन है जिसको किसी से खरीदा नहीं जा सकता : विपिन शर्मा

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। हरियाणा आयुष विभाग एवं हरियाणा योग आयोग के तत्वाधान में जिला आयुष विभाग की ओर से 8वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत चल रहे 28 से 30 मई तक तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के आज दूसरे दिन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (बाल) नारनौल में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ नैतिक मूल्यों की शिक्षा के राज्य नोडल अधिकारी एवं पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

शिविर में पतंजली योग समिति से आए बजरंग जांगिड ने शिक्षा विभाग के डीपीई/पीटीआई के अलावा आयुष विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया।

नैतिक मूल्यों की शिक्षा के राज्य नोडल अधिकारी एवं पूर्व जिला बाल कल्याण अधिकारी विपिन शर्मा ने योग से मानसिक स्वास्थ्य कैसे ठीक रखा जा सकता है इसके बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि ध्यान लगाने से मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है और मन को नियन्त्रित किया जा सकता है। मनुष्य का स्वास्थ्य एक ऐसा धन है जिसको किसी से खरीदा नहीं जा सकता। यह सिर्फ अपने आहार एवं जीवन शैली पर निर्भर रहता है।

इस मौके पर जिला आयुर्वेद अधिकारी डा. अजीत सिंह यादव ने बताया कि इस योग प्रशिक्षिण शिविर का आयोजन आयुष विभाग हरियाणा एवं हरियाणा योग आयोग की ओर से किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण सभी योग प्रतिभागियों को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर निर्धारित योग प्रोटोकाल के अनुसार योग करने के लिए दिया जा रहा है। योग के द्वारा हम स्वस्थ्य और निरोग रहते हैं। योग से हमें सभी बिमारियों का संपूर्ण ईलाज मिलता है। हमारी जीवन शैली बदलने से हम आलसी होते जा रहे हैं जिससे हमारे स्वास्थ्य में गिरावट आ रही है। योग को अपनाकर हम अपना जीवन स्वस्थ बना सकते हैं।

इस शिविर में आयुष विभाग से डा. सतीश कुमार, डा. भूपेन्द्र कुमार, शिक्षा विभाग से एओ रमेश कुमार, डा. हंसराज गुर्जर, मुकेश वर्मा व डीपीई पीटीआई के अलावा आयुष विभाग के अधिकारी व कर्मचारियों उपस्थित थे।

नांगल चौधरी में लगाया गया एकदिवसीय एनएसएस शिविर

सेवा उत्तरदायित्व है उपकार नही: विकास जयदीप

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी में एनएसएस का एकदिवसीय शिविर लगाया गया। इस एकदिवसीय शिविर की अध्यक्षता श्री विकास जयदीप, प्रधानाचार्य राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल चौधरी ने की। एनएसएस के इस एक दिवसीय शिविर में बच्चों ने पुरे स्कूल परिसर और आसपास के क्षेत्र की सफाई करने में योगदान दिया।

शिविर का संचालन डॉ राजकुमार प्रवक्ता मनोविज्ञान ने किया। शिविर के दौरान बच्चों ने सभी कमरों की, सफाई, पानी की टंकी की सफाई, स्कूल की छतों की सफाई और स्कूल प्रांगण की सफाई, स्कूल के आसपास मोहल्ले की सफाई में अहम योगदान दिया। साथ ही बच्चों ने मोहल्ले के लोगों को भी साफ सफाई के लिए जागरूक किया। जसवीर सिक्योरिटी अध्यापक ने बच्चों को पेड़ पौधे लगाने व देशहित में हमेशा तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया। पंकज पीटीआई ने बच्चों को राष्ट्र सेवा के लिए अच्छे शारीरिक स्वास्थ्य का महत्व बताया और कहा कि एकदम स्वस्थ नागरिक ही सच्चे मायनों में राष्ट्र की पूंजी होते हैं। शिविर में अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रधानाचार्य विकास जयदीप ने बच्चों को शिविर के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने पर शुभकामनायें दी। उन्होंने अपने सम्बोधन में बच्चों को राष्ट्रीय सेवा के लिए प्रेरित किया, साथ ही सभी बच्चों को देश के प्रति जिम्मेदारियों को सच्चे मन से निभाने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम छोटे छोटे कार्यों के द्वारा भी देश की सेवा कर सकते हैं। उन्होंने बच्चों को नशे, धूम्रपान, भ्ष्टाचार्र आदि से दूर रहने, जीवों के प्रति दयाभाव रखने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस शिविर के दौरान पंकज राठी पीटीआई, विजय सिंह कम्प्यूटर अध्यापक, जसवीर सिंह सिक्योरिटी अध्यापक भी उपस्थित रहे।

नारनौल महेंद्रगढ़ चारमार्गी सड़क के निर्माण का दोबारा टेंडर

विधायक ने जताया देरी के लिए खेद

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। पूर्व में हुए टेंडर को रद्द करते हुए हरियाणा सरकार ने नारनौल महेंद्रगढ़ रोड के चारमार्गी निर्माण के लिए नए सिरे से टेंडर जारी किए हैं। जिसकी अंतिम तिथि 24 जून है। नांगल चौधरी के विधायक डॉ अभय सिंह यादव ने इस रोड की वर्तमान में जर्जर हालत और इसके निर्माण में हो रही देरी के लिए खेद प्रकट करते हुए कहा कि पूर्व में हुए टेंडर कि कुछ शर्तों की वजह से यह टेंडर प्रक्रिया सिरे नहीं चढ़ पाई। अब उन शर्तों को हटाकर विभाग की सामान्य शर्तों पर इस सड़क के निर्माण के लिए नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। डॉ यादव ने कहा कि दुर्भाग्यवश यह सड़क पिछले कई सालों से इसकी दुर्दशा के कारण जिले के नागरिकों एवं अन्य राज्यों से आने वाले वाहनों के लिए समस्या बनी हुई है। मुख्यमंत्री द्वारा दिसंबर 2020 में की गई स्पष्ट घोषणा के बावजूद भी इस सड़क का निर्माण लटकता रहा है। अतः इस बात को स्वीकार करने में उन्हें कोई संकोच नहीं है कि किसी न किसी स्तर पर इसमें चूक हुई है।

इस सड़क का निर्माण माँदी गाँव के पास कृष्णावती नदी पर नेशनल हाईवे के फ्लाईओवर से लेकर दादरी जिले की सीमा तक होना है। इसमें नारनौल बाईपास पर दो अंडरपास का निर्माण, नांगल सिरोही गांव का बाईपास, महेंद्रगढ़ रेलवे फ्लाईओवर के साथ दूसरे फ्लाईओवर का निर्माण भी सम्मिलित है। यह चारमार्गी सड़क पूरी होने उपरांत न केवल नारनौल शहर का पुराना बाईपास चारमार्गी बन जाएगा, अपितु जिले में समस्त नेशनल हाईवे आपस में जुड़ जाएंगे तथा लॉजिस्टिक हब, मेडिकल कॉलेज एवं केंद्रीय विश्वविद्यालय समेत जिले के सभी महत्वपूर्ण संस्थान चारमार्गी सड़कों से जुड़ जाएंगे। इसके अतिरिक्त इस जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर 152डी के समानान्तर भिवानी, दादरी एवं हिसार जिलों को यह सड़क चारमार्गी व्यवस्था से जोड़ेगी जिसकी स्थानीय और क्षेत्रीय परिवहन व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी। डॉ यादव ने कहा अब इस कार्य को तेजी से पूरा करवाने का प्रयास किया जाएगा।

आम सभा में हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग महासभा संविधान का हुआ अनुमोदन

महासभा के पंजीकरण की कार्यवाही शुरू

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। वंचित समाज की सभी संस्थाओं की सामुहिक बैठक हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग महासभा के तत्वावधान में महर्षि वाल्मीकि धर्मशाला के सभागार में महासभा के प्रधान बिशन कुमार सैनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग महासभा के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल द्वारा किया गया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का अभिनंदन करते हुए उन्होंने बताया कि यह एक गैर राजनीतिक संगठन है और आग्रह किया कि महासभा में वही सदस्य पदाधिकारी बनकर अपनी भूमिका अदा करें जो अपना कीमती समय निकाल कर निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करने का इच्छुक हो। इसके बाद महासभा के संविधान का ड्राफ्ट उपस्थित जनसमूह के सम्मुख ड्राफ्ट कमेटी के सदस्य एडवोकेट नरेन्द्र सिंह सैनी व एडवोकेट सुरेंद्र सैनी द्वारा विस्तार से पढ़कर सुनाया गया और उपस्थित जनसमूह द्वारा गहन विचार किया गया। इस संविधान पर महासभा के कोषाध्यक्ष नरेंद्र सिंह सैनी एडवोकेट, सुरेश जांगड़ा, एडवोकेट सुरेंद्र सैनी, महासभा के प्रधान बिशनकुमार सैनी, संघर्ष समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान, गोकल चंद सैनी, प्रजापत सभा के प्रधान किशनलाल लुहानीवाल, तोता राम कोली, लक्ष्मीनारायण आर्य, नामदेव समाज ट्रस्ट के चेयरमैन बाबूलाल वर्मा, पतराम खिंची, नरसिंह दायमा व कमल कोकचा, अनिल फाण्डन आदि सदस्यों द्वारा अपने-अपने सुझाव देने के बाद महासभा के संविधान को सर्व सहमति से आए हुए सुझावों को समावेशित करते हुए अनुमोदित कर दिया गया और आम सहमति से यह भी निर्णय लिया गया कि महासभा के पंजीकरण के लिए कार्यकारिणी यथाशीघ्र अग्रिम कार्यवाही करे। आगामी बैठक 26 जून को प्रातः 11 बजे खटीक समाज की धर्मशाला, नजदीक मोहल्ला फ्रांसखान नारनौल में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक के अंत में महासभा के प्रधान बिशनकुमार सैनी ने सभी का धन्यवाद करते हुए बैठक समाप्ति की घोषणा की।

इस अवसर पर संघर्ष समिति के प्रमुख सलाहकार शिवनारायण मोरवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश चांवरिया, प्रधान जोगेंद्र जैदिया, इन्द्रजीत प्रजापत, हजारीलाल खटावला, रामभरोस भीम, प्यारेलाल चवन, अशोक कुमार जैदिया, भीम सिंह, नरेश कुमार, राजेश कुमार, कुलदीप वाल्मीकि, अजय, जोन्टी, राधेश्याम, दया डूलगच, आषुतोष, विकास, सोमदत्त, लालचंद, रामकुमार, करतार सिंह, गिरधारीलाल दायमा, रामचंद्र गोठवाल, प्रवीण कश्यप, दयानंद सांवरिया, राजेन्द्र संगेलिया, देशराज यादव, गुगनराम सिरोहा, किशोरी लाल रोहिल्ला, मोहन, अशोक सैनी व पंकज आदि गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

दम तोडती निष्पक्ष मिशनरी पत्रकारिता !

डॉ श्रीगोपालनारसन

सुबह का अखबार या फिर समाचार चैनल कैसा हो? समाचार पत्रों व समाचार चैनलों पर क्या परोसा जाए? क्या नकारात्मक समाचारों से परहेज कर सकारात्मक समाचारों की पत्रकारिता संभव है ?क्या धार्मिक समाचारों को समाचार पत्रों में स्थान देकर पाठको को धर्मावलम्बी बनाया जा सकता है ? ब्रहमाकुमारीज के मीडिया सम्मेलनों में प्रायः एक स्वर में निर्णय लिया गया है कि व्यक्तिगत एवं राष्ट्रीय उन्नति के लिए उज्जवल चरित्र व सांस्कृतिक निर्माण के सहारे सकारात्मक समाचारों को प्राथमिकता देकर मीडिया सामग्री में व्यापक बदलाव किया जाए।

विकास से सम्बन्धित समाचारों, साक्षता, संस्कृति, नैतिकता और आध्यात्मिक मूल्य जैसे मुददों का समावेश कर स्वस्थ पत्रकारिता का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। आज देशभर में हजारों समाचार पत्र व 700 से अधिक चैनल चल रहे है। जिनमें से कई समाचार पत्र व चैनल ऐसे है जो समाज के सुदृडीकरण के लिए खतरनाक है। इन समाचार पत्रों व चैनलों पर इतनी अश्लीलता पड़ोसी जाती है जिस कारण उसे पूरा परिवार एक साथ बैठकर पढ़ व देख नही सकता। ऐसे समाचार पत्रों व चैनलों पर कोई रोक भी नही है। इसलिए ऐसे समाचार पत्रों व चैनलों को ऐसी आपत्तिजनक सामग्री परोसने के बजाए समग्र परिवार हित की सामग्री परोसने पर विचार करना चाहिए। ऐसे समाचारों को परोसने से परहेज करना चाहिए जिसको चैनल पर देखकर या फिर अखबार में पढकर मन खराब होता हो या फिर दिमाग में तनाव उत्पन्न होता हो। आज के बदलते दौर में हिन्दी पत्रकारिता के भी मायने बदल गए है। दुनिया को मुठठी में करने के बजाए पत्रकारिता गली मोहल्लो तक सिकुडती जा रही है। अपने आप को राष्ट्रीय स्तर का बताने वाले समाचार पत्र क्षेत्रीयता के दायरे में और क्षेत्रीय स्तर का बताने वाले समाचार पत्र स्थानीयता के

दायरे में सिमटते जा रहे है। जो पत्रकारिता के लिए शुभ संकेत नही है। सही मायने में पत्रकारिता का अर्थ अपनी और दुसरों की बात को दूर तक पंहुचाना है।साथ ही यह भी जरूरी है कि किस घटना को खबर बनाया जाए और किसे नही? आज की पत्रकारिता बाजारवाद से ग्रसित होने के साथ साथ मूल्यों की दृष्टि से रसातल की तरफ जा रही है। बगैर कार्यक्रम हुए ही कपोल कल्पित कार्यक्रम की खबरे आज अखबारो की सुर्खिया बनने लगी है,सिर्फ नाम छपवाने के लिए जारी झूठी सच्ची विज्ञप्तियों के आधार पर एक एक खबर के साथ बीस बीस नाम प्रकाशित किये जाने लगे है जो पत्रकारिता की विश्वसनीयता को न सिर्फ प्रभावित कर रहे है बल्कि ऐसी पत्रकारिता पर सवाल उठने भी स्वाभाविक है। इसके पीछे अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि जितने ज्यादा नाम प्रकाशित होगे, उतना ही ज्यादा अखबार बिकेगा, लेकिन यह पत्रकारिता के स्वास्थ्य के लिए ठीक नही है ।ठीक यह भी नही है कि प्रसार संख्या बढाने की गरज से समाचार पत्र को इतना अधिक स्थानीय कर दिया जाए कि वह गली मोहल्ले का अखबार बन कर रह जाए। आज हालत यह है कि ज्यादातर अखबार जिले और तहसील तक सिमट कर रह गए है। यानि एक शहर की खबरे दूसरे शहर तक नही पंहुच पाती।उत्तराखण्ड के सीमावर्ती कस्बे गुरूकुल नारसन और मुजफफरनगर जिले के पुरकाजी कस्बे में मात्र 4 किमी का अन्तर है लेकिन जिला और प्रदेश बदल जाने के कारण एक कस्बे की खबरे दूसरे तक नही पंहुच पाती है।इससे पाठक स्वयं को ठगा सा महसूस करता है। ऐसा नही है कि स्थानीय खबरो की जरूरत न हो, लेकिन यदि एक अखबार में 4से 6 पेज स्थानीय खबरो के होगे तो पाठक को क्षेत्रीय,राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय खबरे कम पढने को मिलेगी जो उनके साथ

अन्याय है। वैसे भी खबर वही है, जो दूर तक जाए यानि दूरदराज के क्षेत्रो तक पढी जाए। दो दशक पहले तक स्थानीय खबरो पर आधारित समाचार पत्र बहुत कम थे। पाठक राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्रों पर निर्भर रहता था। वही लोगो की अखबार पढने में रूची भी कम थी।स्थानीय अखबारो ने पाठक संख्या तो बढाई है लेकिन पत्रकारिता के स्तर को कम भी किया है। आज पीत पत्रकारिता और खरीदी गई खबरो से मिशनरी पत्रकारिता को भारी क्षति हुई है। जिसे देखकर लगता है जैसे पत्रकारिता एक मिशन न होकर बाजार का हिस्सा बनकर गई हो।पत्रकारिता में परिपक्व लोगो की कमी,पत्रकारिता पर हावी होते विज्ञापन,पत्रकारो के बजाए मैनेजरो के हाथ में खेलती पत्रकारिता ने स्वयं को बहुत नुकसान पहुंचाया है। जरूरी है पत्रकारिता निष्पक्ष हो लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है ऐसी खबर जो सच होते हुए भी राष्ट्र और समाज के लिए हानिकारक हो, तो ऐसी खबरो से परहेज करना बेहतर होता है। पिछले दिनों देश में गोला बारूद की कमी को लेकर जो खबरे आई थी वह राष्ट्रहित में नही थी इसलिए ऐसी खबरो से बचा जाना चाहिए था।जस्टिस मार्कण्डेय काटजू का एक ब्यान कि पत्रकारिता को एक आचार संहिता की आवश्यता है,अपने आप में सही है बस जरूरत इस बात कि है कि यह आचार संहिता स्वयं पत्रकार तय करे कि उसे मिशनरी पत्रकारिता को बचाने के लिए क्या रास्ता अपनाना चाहिए जिससे स्वायतता और पत्रकारिता दोनो बची रह सके। इसके लिए जरूरी है कि पत्रकार प्रशिक्षित हो और उसे पत्रकारिता की अच्छी समझ हो,साथ ही उसे प्रयाप्त वेतन भी मिले।ताकि वह शान के साथ पत्रकारिता कर सके और उसका भरण पोषण भी ठीक ढंग से हो।तभी पत्रकारिता अपने मानदण्डो पर खरी उतर सकती है और अपने मिशनरी स्वरूप को प्राप्त कर सकती है।अन्यथा बाजारवाद का नाग पत्रकारिता को हमेशा हमेशा के लिए निगल लेगा।वही सोशल मीडिया के प्रभावी होने से भी पत्रकारिता में विश्वसनीयता व अस्तित्व का संकट आया है।जिससे पत्रकारिता को बचाने की आवश्यकता है।

संपादकीय

दुशांबे में पाक क्यों नहीं आया ?

अफगानिस्तान के आठ पड़ौसी देशों का एक चौथा सम्मेलन ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में इस हफ्ते हुआ। इस सम्मेलन में कजाकिस्तान, किरगीजिस्तान, उजबेकिस्तान और ताजिकिस्तान ने तो भाग लिया ही, उनके साथ रूस, चीन, ईरान और भारत के प्रतिनिधि भी उसमें गए थे। यह सम्मेलन इन देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों का था। भारत से हमारे प्रतिनिधि अजित दोभाल थे। उनके साथ विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव जे.पी. सिंह भी थे लेकिन पिछली बार जब यह सम्मेलन भारत में हुआ था तो चीनी प्रतिनिधि इसमें सम्मिलित नहीं हुए थे। उन्होंने कोई बहाना बना दिया था। पाकिस्तान न तो उस सम्मेलन में आया था और न ही इस सम्मेलन में आया। क्यों नहीं आया? क्योंकि एक तो इसमें भारत की उपस्थिति ऐसी है, जैसे किसी ड्राइंग रूम में हाथी की होती है। भारत इन देशों में चीन के बाद सबसे बड़ा देश है। भारत आतंकवाद का शिकार हुआ है। पाकिस्तान के लिए वह सिरदर्द बन सकता है लेकिन इस बार चीन दुशांबे में तो आया लेकिन दिल्ली में नहीं आया। क्यों नहीं आया, क्योंकि वह दिल्ली आता तो पाकिस्तान नाराज हो सकता था। पाकिस्तान और चीन की दोस्ती मामूली नहीं है। इस्पाती है। इसके बावजूद भारत और ताजिकिस्तान ने अफगानिस्तान में सक्रिय आतंकवादियों की भर्त्सना की और काबुल में सर्वसमावेशी सरकार की मांग की। ताजिकिस्तान वही देश है, जहां काबुल से भागकर राष्ट्रपति अशरफ गनी पहुंच गए थे। अफगानिस्तान के फारसीभाषी ताजिक लोग उसका सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समूह हैं जबकि तालिबान मुख्यतः गिलजई पठान हैं। ताजिकिस्तान में बैठकर ही अहमदशाह मसूद ने काबुल की रूसपरस्त सत्ता को हिला रखा था। अब भी तालिबान का काबुल पर कब्जा होते ही मसूद के बेटे और भाई दुशांबे में बैठकर तथाकथित प्रवासी सरकार चला रहे हैं। इस सम्मेलन से तालिबान इसलिए भी बाहर है कि एक तो उनकी सरकार को किसी ने भी मान्यता नहीं दी है और दूसरा वे ताजिक दखलंदाजी के खिलाफ हैं। चाहे जो हो, इस सम्म्मेलन में रूस और चीन की उपस्थिति बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूतिन का रूस अब ब्रेजनेव वाला रूस नहीं रहा और चीन को अपने शिन च्यांग में चल रहे उइगर मुसलमानों से बहुत परेशानी है। लाखों उइगर मुसलमानों को चीन ने यातना-शिविरों में बंद कर रखा है। इस दृष्टि से भारत और चीन की चिंताएं लगभग एक-जैसी हैं। जैसे हमारे कश्मीर और पंजाब में वैसे ही शिनच्यांग में आतंकवादी काफी सक्रिय हैं। पाकिस्तान को इस सम्मेलन में सबसे अधिक सक्रिय होना चाहिए, क्योंकि आतंकवाद सबसे ज्यादा उसी का नुकसान कर रहा है। इस सम्मेलन ने आतंकवाद-विरोध और सर्वसमावेशी सरकार की जमकर मांग की लेकिन मंहगाई, बेरोजगारी और अभाव से ग्रस्त जनता की मदद के लिए ये सभी राष्ट्र कोई बड़ी घोषणा करते तो बहुत अच्छा रहता।

जीवन में अमृत है पानी : जल है तो कल है

डॉ. सौरभ मालवीय

प्रयागराज में कुम्भ मेले का आयोजन किया जाता है, क्योंकि यहां गंगा, यमुना और सरस्वती का अद्भुत संगम होता है, जिसे अत्यंत पवित्र माना जाता है। भारत में महाकुम्भ धार्मिक स्तर पर अत्यंत पवित्र एवं महत्वपूर्ण आयोजन है। खगोल गणनाओं के अनुसार कुम्भ मेला मकर संक्रान्ति के दिन प्रारम्भ होता है। उस समय सूर्य और चन्द्रमा, वृश्चिक राशि में और वृहस्पति, मेष राशि में प्रवेश करते हैं। इस दिवस को अति शुभ एवं मंगलकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार खुलते हैं। इस दिन स्नान करने से आत्मा को उच्च लोकों की प्राप्ति होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान विष्णु अमृत से भरा कुम्भ लेकर जा रहे थे कि असुरों ने आक्रमण कर दिया। अमृत प्राप्ति के लिए देव एवं दानवों में परस्पर बारह दिन तक निरंतर युद्ध हुआ। देवताओं के बारह दिन मनुष्यों के बारह वर्ष के समान होते हैं। इसलिए कुम्भ भी बारह होते हैं।

मनुष्य का शरीर पंचभूत से निर्मित है। पंचभूत में पांच तत्त्व आकाश, वायु, अग्नि, जल एवं पृथ्वी सम्मिलित है। सभी प्राणियों के लिए जल अति आवश्यक है। प्रत्येक प्राणी को जीवित रहने के लिए जल चाहिए। निःसंदेह जल ही जीवन है। जल के बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है। जल के पश्चात मनुष्य को जीवित रहने के भोजन चाहिए। भोजन के लिए अन्न, फल एवं सब्जियां उगाने के लिए भी जल की ही आवश्यकता होती है। कृषकों को अपनी फसल की सिंचाई के लिए वर्षा पर निर्भर रहना पड़ता है। पर्याप्त वर्षा न होने पर उनकी फसल सूख जाती है। अधिकांश क्षेत्र ऐसे हैं, जहां पर वर्षा नाममात्र की ही होती है। जलवायु परिवर्तन एवं जल के अत्यधिक दोहन के कारण भू-जल स्तर लगातार गिरता जा रहा है। इस गिरते भू-जल स्तर के कारण सिंचाई जल संकट उत्पन्न हो गया है। इसके अतिरिक्त जिन क्षेत्रों में जल की आपूर्ति नहीं है अथवा जल की पर्याप्त आपूर्ति नहीं है, वहां के निवासी भी पेयजल के लिए संकट में रह रहे हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में जल संकट बना हुआ है।

वास्तव में इस जल संकट के लिए मनुष्य स्वयं उत्तरदायी है। प्राचीन काल में लोग प्राकृतिक वस्तुओं का उतना ही उपयोग करते थे, जितनी उनकी आवश्यकता होती है। भारतीय संस्कृति के अनुसार ईश्वर कण-कण में विद्यमान है। इसलिए प्रत्येक वस्तु में भगवान का वास माना जाता है। हमारी प्राचीन गौरवमयी संस्कृति में जल को जीवन माना गया है-

जलमेव जीवनम।

ऋग्वेद में भी जल के गुणों का वर्णन करते हुए कहा गया है-

अप्स्वन्तरमृतमप्सु भेषजम्।।

अर्थात जल में अमृत है, जल में औषधि है।

महाभारत में भी जल के महत्त्व का वर्णन करते हुए इसे सर्वोत्तम दान कहा गया है-

अद्भिः सर्वाणि भूतानि जीवन्ति प्रभवन्ति च।
तस्मात सर्वेषु दानेषु तयोदानं विशिष्यते।।

अर्थात संसार के समस्त प्राणियों की उत्पत्ति जल से हुई है तथा इसी से वे जीवित रहते हैं। अतः सभी प्रकार के दानों में जल-दान सर्वोत्तम माना गया है। महाभारत में यह भी कहा गया है-

पानीयं परमं लोके जीवानां जीवनं समृतम्।
पानीयस्य प्रदानेन तृप्तिर्भवति पाण्डव।
पानीयस्य गुणा दिव्याः परलोके गुणावहाः।।

अर्थात जल से ही संसार के समस्त प्राणियों को जीवन प्राप्त होता है। जल का दान करने से प्राणियों को तृप्ति प्राप्त होती है। जल में दिव्य गुण हैं, जो परलोक में भी लाभ प्रदान करते हैं।

विष्णु पुराण में जल-चक्र का वर्णन किया गया है कि किस प्रकार वह वाष्प बनता है तथा वर्षा के रूप में भूमि को तृप्त करता है। इसी जल से कृषि होती है अर्थात अन्न उत्पन्न होता है-

विवस्वानर्ष्टाभमासैरादायापां रसात्मिकाः।
वर्षत्युम्बु ततश्चान्नमन्नादप्यखिल जगत।

अर्थात सूर्य आठ मास तक अपनी किरणों से रस स्वरूप जल को ग्रहण करता है। तत्पश्चात चार मास में उसे वर्षा के माध्यम से बरसा देता है। इससे अन्न उत्पन्न होता है, जिससे संपूर्ण जगत का पोषण होता है।

वर्षा का जल अत्यंत उपयोगी है। अर्थवेद में भी इस विषय में कहा गया है-

शिवा नः सन्तु वार्षिकीः।

अर्थात वर्षा का जल कल्याणकारी है।

प्राचीन ग्रन्थों में जल संरक्षण पर विशेष बल दिया गया है। ऋग्वेद के अनुसार-

अप्स्वडन्तरमृतमप्सु भेषजमपामुत प्रशस्तये देवा भक्त वाजिनः।

अर्थात अमृत के समान एवं गुणकारी जल का उचित उपयोग करने वाले बनो। जल की प्रशंसा के लिए सदैव तत्पर रहो।

प्राचीन काल में जल संरक्षण पर विशेष बल दिया जाता था। तालाब बनाए जाते थे एवं कुएं खोदे जाते थे। वर्षा का जल तालाबों आदि में एकत्रित हो जाता था। इन तालाबों से मनुष्य ही नहीं, जीव-जंतु भी लाभान्वित होते थे।

किन्तु कालांतर में प्राकृतिक एवं मनुष्य निर्मित जल स्त्रोत समाप्त होते जा रहे हैं। ऋग्वेद में जल संरक्षण के विषय में यह भी कहा गया है-

आपो अस्मान्मातरः शुन्ध्यन्तु घृतेन ना घृत्प्वः पुनन्तु।

अर्थात जल हमारी माता के समान है। जल घृत के समान हमें शक्तिशाली एवं उत्तम बनाता है। इस प्रकार का जल जहां कहीं भी हो, उसका संरक्षण करना चाहिए।

जल संकट के लिए प्रदूषण भी उत्तरदायी है, क्योंकि प्रदूषण के कारण जल अनुपयोगी हो जाता है। वह पीने योग्य नहीं रहता। अतः हमें जल को प्रदूषित होने से बचाना चाहिए। यजुर्वेद में भी जल संरक्षण पर बल दिया गया है-

मा आपो हिंसी।

अर्थात जल को नष्ट मत करो।

देश में नदियों की का अभाव नहीं है, परन्तु प्रदूषण के कारण उनका जल पीने योग्य नहीं है।स्थिति इतनी गंभीर है कि कारखानों से निकलने वाले घातक रसायनों एवं सीवर की गंदगी के कारण नदियों का पानी विषैला हो गया है।

भारतीय संस्कति में गंगा को पवित्र नदी माना जाता है।इसे मोक्षदायिनी भी कहा जाता है।किन्तु दुख की बात यह है कि सबके पाप धोने वाली यह पवित्र नदी दिन-प्रतिदिन प्रदूषित होती जा रही है। नदियों में शव बहाने से भी यह प्रदूषित हो रही है। इस नदी को साफ करने के लिए सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर प्रयास होते रहते है। समय-समय पर कई कार्यक्रम और योजनाएं भी चलाई गईं ऐसे कार्यक्रमों में समाज जीवन से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को लोकमंगल के कार्य मे सहयोगी होने की आवश्यकता है।

भारतीय संस्कृति में जल को देवता माना गया है। अतः विभिन्न मांगलिक अवसरों पर जल की पूजा की जाती है अर्थात कुआं पूजन किया जाता है। महिलाएं गीत गाती हुई कुआं पूजने जाती हैं। महानगरों में अब कुएं नहीं हैं। अतः महानगरों से यह परम्परा भी समाप्त हो रही है। गांवों में अभी कुआं पूजन की परम्परा जीवित है। भारतीय संस्कृति में नदियों को देवी स्वरूप माना गया है। नदियों के तट पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

प्रयागराज में कुम्भ मेले का आयोजन किया जाता है, क्योंकि यहां गंगा, यमुना और सरस्वती का अद्भुत संगम होता है, जिसे अत्यंत पवित्र माना जाता है। भारत में महाकुम्भ धार्मिक स्तर पर अत्यंत पवित्र एवं महत्वपूर्ण आयोजन है। खगोल गणनाओं के अनुसार कुम्भ मेला मकर संक्रान्ति के दिन प्रारम्भ होता है। उस समय सूर्य और चन्द्रमा, वृश्चिक राशि में और वृहस्पति, मेष राशि में प्रवेश करते हैं। इस दिवस को अति शुभ एवं मंगलकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार खुलते हैं। इस दिन स्नान करने से आत्मा को उच्च लोकों की प्राप्ति होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान विष्णु अमृत से भरा कुम्भ लेकर जा रहे थे कि असुरों ने आक्रमण कर दिया। अमृत प्राप्ति के लिए देव एवं दानवों में परस्पर बारह दिन तक निरंतर युद्ध हुआ। देवताओं के बारह दिन मनुष्यों के बारह वर्ष के समान होते हैं। इसलिए कुम्भ भी बारह होते हैं। इनमें से चार कुम्भ पृथ्वी पर होते हैं तथा शेष आठ कुम्भ देवलोक में होते हैं। देव एवं दानवों के इस संघर्ष के दौरान अमृत की चार बूंदें गिर गईं। ये बूंदें प्रयाग, हरिद्वार, नासिक तथा उज्जैन में गिरीं, जहां पर तीर्थस्थान बना दिए गए। तीर्थ उस स्थान को कहा जाता है जहां मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस प्रकार जहां अमृत की बूंदें गिरीं, उन स्थानों पर तीन-तीन वर्ष के अंतराल पर बारी-बारी से कुम्भ मेले का आयोजन किया जाता है। इन तीर्थों में प्रयाग को तीर्थराज के नाम से जाना जाता है, क्योंकि यहां तीन पवित्र नदियों का संगम होता है। इसके अतिरिक कालिंदी, कावेरी, रामगंगा, कोसी, गगास, कृष्णा, गोदावरी, गंडक, घाघरा, चम्बल, चेनाब, झेलम, दामोदर, नर्मदा, ताप्ती, बेतवा, पद्मा, फल्गू, बागमती, ब्रह्मपुत्र, भागीरथी, महानदी, महानंदा, रावी, व्यास, सतलुज, सरयू, सिन्धु नदी, सुवर्णरेखा, हुगली, गोमती, माही आदि नदियों में भी श्रद्धालु स्नान करते हैं। छठ के अवसर पर नदियों के तटों पर श्रधालुओं का जमावड़ा लगा रहता है।

नदी, तालाब एवं कुएं आदि अथाह जल के स्त्रोत हैं। ये अमूल्य हैं। हमें इनका संरक्षण करना चाहिए। यदि वर्षा के जल को तालाबों आदि में एकत्रित किया जाए, तो जल संकट से उबरा जा सकता है। इसके साथ ही हमें जल को व्यर्थ न बहाकर इसका सदुपयोग करना चाहिए।

ड्रोन की जरूरत

सिद्धार्थ शंकर

दिल्ली के प्रगति मैदान में दो दिवसीय ड्रोन महोत्सव 2022 का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शनी का भी निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं ड्रोन प्रदर्शनी से प्रभावित हूं। 2030 तक भारत ड्रोन हब बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, यह उत्सव सिर्फ ड्रोन का नहीं, यह नए भारत-नई गवर्नेंस का उत्सव है। ड्रोन टेक्नोलॉजी को लेकर भारत में जो उत्साह देखने को मिल रहा है, वो अद्भुत है। ये जो ऊर्जा नजर आ रही है, वो भारत में ड्रोन सर्विस और ड्रोन आधारित इंडस्ट्री की लंबी छलांग का प्रतिबिंब है। पीएम ने कहा, यह ऊर्जा भारत में रोजगार सृजन के एक उभरते हुए बड़े सेक्टर की संभावनाएं दिखाती है। उन्होंने कहा, आठ वर्ष पहले यही वो समय था, जब भारत में हमने सुशासन के नए मंत्रों को लागू करने की शुरूआत की थी। आज ड्रोन का प्रयोग हर सेक्टर में किया जा रहा है। आज किसान भी ड्रोन का प्रयोग खेती में कर रहे हैं। इसकी मदद से देश भर में विकास कार्यों का निरीक्षण करा जा रहा है। ड्रोन तकनीक को लेकर भारत आक्रामक प्रयास कर रहा है। भारत ने अपनी नई ड्रोन नीति तैयार की है, जिसके तहत ड्रोन जैसे तकनीकी उपकरणों के निर्माण और संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए आक्रामक रुख अख्तियार किया जाएगा। इस साल गणतंत्र दिवस के जश्न में इसकी एक झलक देखने को मिली, जब भारत में निर्मित करीब एक हजार ड्रोन रायसीना पहाडियों के ऊपर एक साथ उड़ाए गए और लयबद्ध उड़ते ड्रोन से आकाश में भारत का नक्शा और महात्मा गांधी की तस्वीर जैसी कई जटिल आकृतियां तैयार की गईं। इस आयोजन के महज 11 दिन बाद ही भारत सरकार ने विदेश निर्मित ड्रोन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया। हाल में किसान ड्रोन योजना की घोषणा की गई, जिसके तहत

कृषि कार्यों में ड्रोन के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाएगा।

हाल तक भारत सरकार का रुख ड्रोन को लेकर ऐसा नहीं था। सामान्य ड्रोन रखना भी नियमों के लिहाज से जटिल कवायद थी। हाल के दिनों में सरकार ने न सिर्फ इसके रखने के नियम आसान बनाए हैं, बल्कि अलग-अलग तरीके के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया है। कृषि संबंधी कामों में ड्रोन के इस्तेमाल की छूट और पीएम स्वामित्व योजना के तहत गांवों में लोगों की संपत्तियों के सर्वे के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। एक लाख से भी ज्यादा गांवों (17 फीसद गांव) में इस तकनीक से भूमि सर्वे किया जा चुका है। ड्रोन निमार्ता नव उद्यम (स्टार्टअप) कंपनी ह्यबाटलैब डायनामिक्सज्की संस्थापक सरिता अहलावत के मुताबिक, समूची कवायद के बावजूद ड्रोन को आम दोपहिया जैसा इस्तेमाल करने लायक दौर आने में अभी देरी है। बाटलैब डायनामिक्स ने ही गणतंत्र दिवस पर करतब दिखाने वाले ड्रोन तैयार किए थे। उनका स्टार्टअप दिल्ली आईआईटी के संरक्षण में काम करता है। उनके मुताबिक, भारत का ड्रोन उद्योग अभी ही घरेलू या रक्षा जरूरतें पूरा करने में सक्षम है, लेकिन भारतीय ड्रोन अब भी आयातित चीनी ड्रोन के मुकाबले बेहद महंगे हैं। यही कारण है कि भारत सरकार ने ड्रोन पर प्रतिबंध लगाया है, पुर्जों के आयात पर नहीं। ड्रोन बनाने के लिए जरूरी मोल्डिंग, माइक्रो कंट्रोलर, डायोड और रजिस्टर जैसी चीजों का निर्माण भारत में ना के बराबर होता है। अच्छे ड्रोन के लिए गुणवत्ता वाली मोटर और लीथियम आयन बैटरी का निर्माण भी भारत में नहीं होता।

विदेशी ड्रोन पर प्रतिबंध के फैसले की एक वजह सुरक्षा भी है। भारतीय वायुक्षेत्र से चीनी ड्रोन को बाहर रखने की कोशिश है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, भारत दुनियाभर में नामी चीन की ड्रोन निमार्ता कंपनी-एसजेड डीजेआइ टेक्नोलाजी को सुरक्षा लिहाज से भी रोकना चाहता है। खुफिया एजंसियों की रिपोर्ट है कि इस कंपनी ने हाल में भारत की कुछ रणनीतिक जानकारियों जैसे पुलों और बांधों की स्थिति का ब्यौरा चीनी खुफिया एजंसियों के साथ साझा किए हैं। भारत में ड्रोन निर्माण के लिए जरूरी ढांचा तैयार करने और माहौल बनाने में अभी पांच से दस साल और लगेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाऐगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

संक्षिप्त समाचार

महिला ने खाया जहर

मदरलैंड संवाददाता, लातेहार। लातेहार जिला के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत गाडी ग्राम में रविवार को आपसी विवाद में आकर महिला ने जहर खाकर जान दे देने का प्रयास किया।बता दें कि थाना क्षेत्र के गाडी ग्राम के सुरांगी टोला की एक महिला संध्या देवी 26 वर्ष पति सुदेश्वर उरांव ने आपसी विवाद में आकर जहर खाकर जान देने का प्रयास किया। जिसे परिजनों ने स समय बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले आया।जहां चिकित्सक सुरेश कुमार द्वारा प्राथमिक उपचार की गई। प्राथमिक उपचार कर महिला का उचित इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया।

देशी कट्टा और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

मदरलैंड संवाददाता, पटना। फतुहा थाना क्षेत्र के सोनारू मध्य विधालय के पास से फतुहा पुलिस एक युवक को संदिगध अवस्था में गिरफ्तार किया है।इसकी जानकारी फतुहा एसडीपीओं राजेश कुमार मांझी ने फतुहा थाने में प्रेसवार्ता कर दी और बताया की गिरफ्तार युवक के पास से देशी कट्टा एवं एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।गिरफ्तार युवक फतुहा थाना क्षेत्र के हाजीपुर निवासी परमानंद सिंह के पुत्र सुनील कुमार है जो किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में था। मौके पर फतुहा थानाध्यक्ष मुकेश कुमार मुकेश मौजूद थे।

सत्संग ओवरब्रिज पे यातायात नियमो का पालन करें

मदरलैंड संवाददाता, देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के निदेर्शानुसार सत्संग चौक स्थित नए आरङ्गओङ्गबीङ्ग के दोनों तरफ यातायात व्यवस्था और भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से उचित सड़क सुरक्षा संबंधित कार्य किया जा रहा हैं। इसके अलावे आरङ्गओङ्गबीङ्ग के दोनों तरफ यातायात व्यवस्था और भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं के रोकथाम और जागरूकता को लेकर रोड साइनेज, स्पीड ब्रेकर, कॉन्वेक्स मिरर, आवश्यक सड़क सुरक्षा बोर्ड आदि का अधिष्ठापन किया गया, ताकि लोगों को जागरूक करते हुए भविष्य के सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। आगे उपायुक्त ने जिलावासियों से अपील करते हुए कहा है कि यातायात व सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करके अपनी तथा दूसरों की जीवन की रक्षा करें। सड़क सुरक्षा सम्बन्धी नियमों का स्वयं भी पालन करें और दूसरों को नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें।

आपसी विवाद में जमकर मारपीट, पिता-पुत्र सहित पांच घायल

मदरलैंड संवाददाता, छपरा। तरैया थाना क्षेत्र के दो अलग–अलग गांव में आपसी विवाद को लेकर जमकर हुई मारपीट की घटना में पिता–पुत्र सहित पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है। बगही गांव में नंदकिशोर साह तथा उनके पुत्र राजन कुमार को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया है। वहीं गलीमापुर गांव निवासी श्यामलाल कुमार, मदन राय और मोहन राय को आपसी विवाद में मारपीट कर घायल कर दिया गया है। घायल सभी व्यक्तियों का प्राथमिक उपचार रेफरल अस्पताल तरैया में किया गया है। वही इस संबंध में पीड़ित पक्षों द्वारा स्थानीय थाने में अलग–अलग शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

महुआ शराब के साथ एक धंधेबाज गिरफ्तार, भेजा गया जेल

मदरलैंड संवाददाता, बेगूसराय। मध निषेध विभाग की टीम ने खोदावन्दपुर गांव में छापामारी कर तीन लीटर महुआ शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार धंधेबाज खोदावन्दपुर गांव निवासी बालेश्वर राय है, जिसे पुलिस ने न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है. मिली जानकारी के अनुसार मंझौल अनुमंडल मध निषेध छापामार दल के प्रभारी भोला कुमार शर्मा ने दलबल के साथ शनिवार की देर संध्या गुप्त सूचना के आधार पर खोदावन्दपुर गांव में छापेमारी कर चाय नाश्ता की एक दूकान से तीन लीटर महुआ शराब बरामद किया.इस घटना में दुकानदार व धंधेबाज खोदावन्दपुर निवासी बालेश्वर राय को गिरफ्तार कर लिया गया.धंधेबाज के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर खोदावन्दपुर पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है.इसकी जानकारी थानाध्यक्ष सुदीन राम ने दी है. बताते चले कि खोदावन्दपुर थाना क्षेत्र में शराब का अवैध धंधा जारी है. स्थानीय पुलिस मुक दर्शक बनी हुई है, पिछले दिनों भी मध निषेध विभाग की टीम ने बरियारपुर पश्चिमी गांव में छापेमारी कर एक युवक को तीन बोतल विदेशी एवं दो लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया था.इस कारोबारी को भी जेल भेज दिया गया था.

30 मई को कोरोना में अनाथ हुए बच्चों से बात करेंगे पीएम मोदी

इन योजनाओं का मिलेगा लाभ

» मदरलैंड संवाददाता

पटना। कोरोना में अनाथ हुए बच्चों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बातचीत करेंगे। 30 मई को प्रधानमंत्री देश के सभी डीएम ऑफिस से जुड़कर कोरोना में माता-पिता को खो चुके बच्चों की परवरिश से संबंधित बातें कहेंगे। इस मौके पर स्थानीय विधायक और सांसद भी मौजूद रहेंगे। इन बच्चों को यह एहसास दिलाने की कोशिश करेंगे कि वह अनाथ नहीं हैं। बल्कि उनके साथ पूरा देश है। उनकी पढ़ाई-लिखाई के साथ पालन-पोषण की पूरी जिम्मेवारी माता-पता की तरह निभाने की कोशिश की जाएगी।

प्रधानमंत्री यह भी बताएंगे कि उनके लिए कौन-कौन सी योजनाएं चलायी जा रही है। उनकी पढ़ाई के बाद कॅरियर के लिए भी प्रयास किया जाएगा। प्रत्येक जिलों के डीएम को नाबालिग बच्चों का अभिभावक बनाया गया है। 18 साल तक इन बच्चों की परवरिश डीएम की निगरानी में होगी। पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन के तहत डाकघरों में खाता खोला गया है। अठारह साल तक इन बच्चों के खाते में 10 लाख रुपये जमा किये जाएंगे। राज्य में कोरोना से 73 बच्चे अनाथ हुए हैं। इसमें पटना जिले के 9 बच्चे हैं।

इन जगहों के हैं बच्चें

पटना जिले में कोरोना से अनाथ हुए बच्चों में 2 महेन्द्रू, 2 अनिसाबाद, 2 विद्युत कॉलोनी, 1 कंकड़बाग, 1 बुद्धा कॉलोनी और 1 बेऊर का है।

इन योजनाओं के तहत बच्चों को मिलेगा लाभ

समाज कल्याण निदेशक प्रशांत कुमार ने बताया कि कोरोना में जो बच्चे अनाथ हो गए हैं उनकी परवरिश के लिए उन्हें स्पांसरशिप योजना से जोड़ा जाएगा। इसके तहत दो हजार रुपये दिये जा रहे हैं। बिहार सरकार की ओर से एक कोरोना में अनाथ बच्चों हुए बच्चों को 1500 रुपये प्रतिमाह दिये जाने हैं। इन नाबालिग बच्चों को आयुष्मान कार्ड दिया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की एक योजना से जोड़ा जा रहा है। इसमें हर साल 20 हजार और प्रत्येक महीने एक हजार रुपये दिये जाएंगे। एकेडमिक वर्ष शुरू होने पर आठ हजार रुपये दिये जाएंगे।

जातीय जनगणना पर संसदीय मंत्री ने विपक्षी दलों को भेजा बुलाया

एक जून को होनी है सर्वदलीय बैठक

» मदरलैंड संवाददाता

पटना। संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में जाति आधारित जनगणना कराने के विषय पर आयोजित बैठक के लिए विभिन्न दलों के नेताओं को आमंत्रण पत्र भेजा है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में एक जून को सर्वदलीय बैठक होनी है. इस बैठक में राज्य स्तर पर जातीय जनगणना कराने के तौर-तरीकों पर चर्चा होगी.

सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित

इस संबंध में मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि बिहार में जातीय जनगणना की मांग काफी समय से हो रही है. बिहार विधान सभा ने भी दो बार इस संदर्भ में सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में बिहार के विभिन्न दलों के नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री से मिलकर जातीय जनगणना कराने की मांग कर चुका है.

केन्द्र सरकार को भेजी थी सिफारिश

राज्य सरकार ने भी जनगणना 2021 को जातिगत आधार पर कराने की सिफारिश केन्द्र सरकार को भेजी थी, परन्तु केन्द्र सरकार द्वारा असमर्थता जतायी गयी. लोकसभा में इस मसले पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य चाहें तो अपने स्तर पर यह करबा सकती हैं. इसके बाद मुख्यमंत्री ने बिहार में इसे राज्य सरकार के द्वारा ही कराने हेतु विभिन्न दलों के नेताओं की बैठक बुलाने की घोषणा की थी.

बैठक में भाग लेने का कष्ट करें

सभी से विमर्श उपरान्त यह बैठक 1 जून 2022 (बुधवार) को 4 बजे अपराहन में 'सवाद' मुख्यमंत्री सचिवालय, 4 देशरत्न मार्ग में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित की गयी है. विजय चौधरी ने अपने पत्र में तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं से अनुरोध किया है कि ससमय इस बैठक में भाग लेने का कष्ट करें.

जातीय जनगणना को लेकर स्थिति होगी साफ

बिहार में जातीय जनगणना कराने की मांग के लेकर विपक्ष लगातार हमलावर बना हुआ है. विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव लगातार सर्वदलीय बैठक कराने की मांग कर रहे थे. अब सरकार ने सभी दलों से बात करने के बाद बैठक की तारीख तय कर ली है. 1 जून को इस बैठक के बाद बिहार में जातीय जनगणना को लेकर स्थिति साफ हो जाएगी.

शेखपुरा के समीप लछहा नदी से अवैध खनन धड़ल्ले से जारी,खनन विभाग उदासीन

» मदरलैंड संवाददाता

अररिया। जिले के भरगामा थाना क्षेत्र अंतर्गत रघुनाथपुर उत्तर पंचायत के वार्ड 01 के समीप लछहा नदी में धड़ल्ले से अवैध खनन जारी है। सूत्रों की माने तो अहले सुबह से ही अवैध खनन का सिलसिला शुरू हो जाता है। दिन के उजाले में भी खनन विभाग के नियमों को ताक पर रखते हुए अवैध खनन धड़ल्ले से जारी रहता है, लेकिन इसकी कोई भी सुध लेने वाला नहीं है। लगातार पिछले कई वर्षों से नदी कटाव की चपेट में है इसके बावजूद भी नदी के दोनों छोर पर अवैध खनन होता है जिस छोड़ से सटे हुए शेखपुरा गांव है। बरसात आते ही अवैध खनन के कारण नदी कटाव भी प्रभावशाली हो जाता है। अवैध तरीके से बालू खनन करने का एक नया तरीका भी प्रकाश में आया है शेखपुरा गांव के समीप बहने वाली लछहा नदी से जेसीबी मशीन से बालू निकाला जा रहा है जिससे कि नदी की गहराई ज्यादा हो जाती है। मशीन लगाकर बालू खनन करने का कार्य धड़ल्ले से जारी है और अवैध खनन रुकने का नाम ही नहीं लेता। विभागीय अधिकारी के उदासीनता के कारण अवैध खनन करने वाले माफिया पूरी तरीके से फायदा उठा रहे हैं। अवैध खनन के कारण लगातार सरकार को लाखों रुपए की राजस्व क्षति हो रही है।

इस संबंध में फारबिसगंज एसडीओ सुरेन्द्र कुमार अलबेला ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है मामले की जल्द जांच की जायेगी जांचोपरांत दोषी बालू माफिया पर कठोर कार्रवाई की जायेगी।

बिजली के खंभे से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत, दूसरा जख्मी

» मदरलैंड संवाददाता

छपरा। तरैया थाना क्षेत्र के खराटी महादलित बस्ती के समीप शनिवार की मध्यरात्रि में अनियंत्रित बाइक सवार दो युवक बिजली के खंभे से टकराकर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मी एक युवक को इलाज के लिए छपरा ले जाने के क्रम में रास्ते में ही मौत हो गई। जबकि एक युवक का पटना में इलाज चल रहा है। मृतक तरैया गांव निवासी सनोज सहनी का 20 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार सहनी बताया जाता है। जबकि जख्मी युवक बाबू लाल सहनी का 18 वर्षीय पुत्र विशाल कुमार है। जिसका पटना में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार मृत युवक के बहन संध्या कुमारी की शादी 30 मई को होने वाली थी।जिसका शनिवार को कथा मटकोर वह हल्दी की रस्म करने के बाद युवक कुछ आवश्यक कार्य से खराटी गांव में गया हुआ था। इसी दौरान लौटने के क्रम में उसकी बाइक अनियंत्रित होकर एक बिजली के खंभे से टकरा गई और वे लोग दुर्घटना के शिकार हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के इंजन में लगे मेटल के चिथड़े-चिथड़े उड़ गए। वहीं इस घटना में बाइक पर सवार दोनों युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों द्वारा घायल दोनों युवकों को आनन-फानन में इलाज के लिए रेफरल अस्पताल तरैया में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों को गंभीरावस्था में छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। छपरा ले जाने के क्रम में दीपक की रास्ते में ही मौत हो गई।जबकि जख्मी विशाल को छपरा से उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के घर कोहराम मच गया। शादी में मंगल गीत के बीच चारों तरफ चितत्कार गूंजने लगी। शादी के जोड़े में बैठी मृतक की बहन संध्या कुमारी, पिता सनोज सहनी, उसकी मां व परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।मृतक पांच बहनों के बीच इकलौता भाई था। काफी बेहद गरीब परिवार से आने वाले दीपक की मौत की खबर के बाद उसके दरवाजे पर सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इधर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। शादी के माहौल के बीच दीपक का शव घर पर पहुंचते ही गांव का माहौल गमगीन हो गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से मृत युवक का अंतिम संस्कार किया गया। वहीं घटना के बाद खुशी का माहौल गम में बदला हुआ है।

बरियारपुर पश्चिमी पंचायत में साफ सफाई योजना की हुई शुरूआत

» मदरलैंड संवाददाता

बेगूसराय। सरकार स्वच्छता अभियान पर जोर दे रही है. पंचायत को कचरा मुक्त बनाने की कवायद शुरू हो गयी है. खोदावन्दपुर प्रखंड क्षेत्र के बरियारपुर पश्चिमी पंचायत में शुक्रवार को इस योजना का शुभारंभ पंचायत के मुखिया बाबू प्रसाद वर्मा, सरपंच नवीन प्रसाद यादव, उपमुखिया राकेश रामचंद महतो, वार्ड सदस्य संजीत कुमार एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजेश कुमार के द्वारा किया गया. इस मौके पर मुखिया श्री वर्मा ने वार्ड नौ स्थित गोगल टोल भगवती स्थान के समीप कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि गंदगी बीमारी की जड़ है. उससे बीमारियाँ फैलती है. साफ सफाई से वातावरण शुद्ध रहता है. पंचायत प्रतिनिधियों ने लोगों से कहा कि वे ग्रामीण सड़कों को अतिक्रमण से मुक्त कर दें. अपने अपने दरवाजे के सामने साफ सुथरा रखें. उन्होंने बताया कि जल्द ही कचरा

प्रबंधन की व्यवस्था की जायेगी. लोग जगह जगह रखें डब्बों में कचरा डाल देगें, इस कचरे को गांव से बाहर कचरा भवन में रखवाया जायेगा.बताते चले कि बरियारपुर पश्चिमी पंचायत के सभी वार्डों में एक- एक सफाई कर्मी एवं पंचायत स्तर पर एक सुपरवाइजर नियुक्त किया गया है, जो पर्यवेक्षक की देखरेख में साफ सफाई का कार्य करेगें. मौके पर ग्रामीण अशर्फी महतो, श्याम शर्मा, दिलीप शर्मा, गणेश शर्मा के अलावे पर्यवेक्षक दीप नारायण वर्मा, सफाई कर्मी राजो महतो समेत अन्य मौजूद थे.

बिजली के खंभे से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत, दूसरा जख्मी

» मदरलैंड संवाददाता

छपरा। तरैया थाना क्षेत्र के खराटी महादलित बस्ती के समीप शनिवार की मध्यरात्रि में अनियंत्रित बाइक सवार दो युवक बिजली के खंभे से टकराकर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मी एक युवक को इलाज के लिए छपरा ले जाने के क्रम में रास्ते में ही मौत हो गई। जबकि एक युवक का पटना में इलाज चल रहा है। मृतक तरैया गांव निवासी सनोज सहनी का 20 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार सहनी बताया जाता है। जबकि जख्मी युवक बाबू लाल सहनी का 18 वर्षीय पुत्र विशाल कुमार है। जिसका पटना में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार मृत युवक के बहन संध्या कुमारी की शादी 30 मई को होने वाली थी। जिसका शनिवार को कथा मटकोर वह हल्दी की रस्म करने के बाद युवक कुछ आवश्यक कार्य से खराटी गांव में गया हुआ था। इसी दौरान लौटने के क्रम में उसकी बाइक अनियंत्रित होकर एक बिजली के खंभे से टकरा गई और वे लोग दुर्घटना के शिकार हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के इंजन में लगे मेटल के चिथड़े-चिथड़े उड़ गए। वहीं इस घटना में बाइक पर सवार दोनों युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों द्वारा घायल दोनों युवकों को आनन-फानन में इलाज के लिए रेफरल अस्पताल तरैया में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों को गंभीरावस्था में छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। छपरा ले जाने के क्रम में दीपक की रास्ते में ही मौत हो गई। जबकि जख्मी विशाल को छपरा से उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के घर कोहराम मच गया। शादी में मंगल गीत के बीच चारों तरफ चितत्कार गूंजने लगी। शादी के जोड़े में बैठी मृतक की बहन संध्या कुमारी, पिता सनोज सहनी, उसकी मां व परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक पांच बहनों के बीच इकलौता भाई था। काफी बेहद गरीब परिवार से आने वाले दीपक की मौत की खबर के बाद उसके दरवाजे पर सैकड़ों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इधर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। शादी के माहौल के बीच दीपक का शव घर पर पहुंचते ही गांव का माहौल गमगीन हो गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से मृत युवक का अंतिम संस्कार किया गया। वहीं घटना के बाद खुशी का माहौल गम में बदला हुआ है।

झारखंड के राज्यपाल ने किया बेतला नेशनल पार्क का दौरा

» मदरलैंड संवाददाता

लातेहार। झारखंड के राज्यपाल महामहिम रमेश बैस बीते रविवार को बेतला नेशनल पार्क जाने के क्रम में लातेहार परिसदन भवन पहुंचे। परिसदन भवन में पलामू आयुक्त जटाशंकर चौधरी ने राज्यपाल का स्वागत गुलदस्ता भेंट कर किया। वहीं पुलिस के जवानों के द्वारा राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार राज्यपाल अपने निजी भ्रमण कार्यक्रम के तहत प्रसिद्ध बेतला नेशनल पार्क का दीदार करने रविवार को बेतला जा रहे हैं। इसी क्रम में वे लातेहार परिसदन भवन में रूके थे। इससे पहले राज्यपाल के आगमन पर लातेहार जिले के बॉर्डर एरिया लुकुइया मोड़ के पास लातेहार उपायुक्त अबु

इमरान व एसपी अंजनी अंजन पहुंच कर महामहिम की आगवानी की। इधर लातेहार सर्किट हाउस में पलामू आयुक्त जटाशंकर चौधरी, डीआईजी राजकुमार लकड़ा, उपायुक्त अबु इमरान ,एसपी अंजनी अंजन, उप विकास आयुक्त सुरेंद्र कुमार वर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी शेखर कुमार, अपर समाहर्ता आलोक शिकारी कच्छप, डीएफओ रोशन कुमार, खेल पदाधिकारी शिवेंद कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारियों ने राज्यपाल का स्वागत किया।

घर से राशन दुकान गयी नाबालिग लड़की गायब

परिजनों ने युवक पर लगाया भगा ले जाने का आरोप

» मदरलैंड संवाददाता

बेगूसराय। सागी पंचायत के एक गांव से जनवितरण प्रणाली की दुकान पर राशन लेने गयी नाबालिग लड़की गायब हो गयी है. परिजनों ने समस्तीपुर जिला के रोसड़ा थाना क्षेत्र के थतिया गांव निवासी कमलू साह के पुत्र सोनू कुमार साह पर बहला फुसलाकर उसे भगा ले जाने का आरोप लगाया है. गायब लड़की के पिता ने खोदावन्दपुर पुलिस को आवेदन देकर बताया है कि उसकी 16 वषीर्या पुत्री अपने घर से बगल के सरकारी राशन दुकान पर पिछले बीस मई को गयी थी. जब वह घर नहीं लौटी तो उसकी खोज सगे संबंधियों और इष्ट मित्रों के यहां की गयी. खोजबीन के क्रम में 24 मई को पता चला कि सीमावर्ती समस्तीपुर जिला के रोसड़ा थाना क्षेत्र के थतिया गांव निवासी कमलू साह के पुत्र सोनू साह उसकी पुत्री को रास्ते में बहला फुसलाकर भगा ले गया. पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

संक्षिप्त समाचार

डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। राज्य पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर एसपी कटिहार जितेंद्र कुमार ने जिले के दर्जन भर से ज्यादा थानों की पुलिस को सालमारी में कैंप करा दिया है।साथ हीं कटिहार मुख्यालय डीएसपी ओम प्रकाश बारसोई डीएसपी प्रेमनाथ राम सहित मुख्यालय के कई वरीय अधिकारी सालमारी ओपी पहुँच मॉनिटरिंग करते दिखे जो हर गतिविधि पर नजर रख रहे थे।इस पूरे प्रकरण की मॉनिटरिंग सालमारी ओपी से की जा रही थी।इस दौरान विभिन्न चौक-चौराहों पर पुलिस की टुकड़ी और पारा फोर्स की मुस्तैदी दिखी।वहीं दूसरी ओर रविवार की देर शाम सालमारी बाजार में बारसोई डीएसपी प्रेमनाथ राम के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया।इस दौरान सालमारी ओपी अध्यक्ष विजय कुमार,फलका थाना अध्यक्ष उमेश पासवान, बलरामपुर प्रेम भारती,बारसोई अरविंद कुमार बलिया बेलौन संजय पांडेय,सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रही।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी का हुआ तबादला,

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर केडी पंडित का तबादला बलरामपुर हो गया। वहीं आजमनगर के डॉक्टर श्री प्रकाश का तबादला सामुदायिक स्वास्थ्य मनसाही में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के पद पर हो गया हैं।वहीं प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी निरंजन कुमार चौधरी प्रभार में मनसाही में थे, वे अब सिर्फ बरारी प्रखंड के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बने रहेंगे ,वहीं सुधीर कुमार मनसाही प्रखंड के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बने।आज दोनों पदाधिकारी अपने कार्यालय में करेंगे योगदान। इस आशय की जानकारी शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,कटिहार ने दिया हैं। वहीं कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी कटिहार के द्वारा आदेश निकाल कर इसकी जानकारी दी गई हैं।

पढ़े बिहार, बढ़े बिहार के तहत प्राथमिक विद्यालय आयोजन

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार।प्राथमिक विद्यालय साहबनगर में निपुण बिहार अभियान के तहत पढ़े बिहार,बढ़े बिहार कार्यक्रम के तहत विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष सह वार्ड सदस्य मोहम्मद खुशबूर की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक मोहम्मद मसूद आलम ने बताया कि पढ़े बिहार, बढ़े बिहार के तहत विद्यालय में 100 दिन बच्चों की विशेष पढ़ाई होगी, इस पर चर्चा की गई।इस अवसर पर विद्यालय शिक्षा समिति के वार्ड सदस्य सह अध्यक्ष मोहम्मद खुसबुर सचिव तजकेरा खातून, प्रधानाध्यापक मोहम्मद मसूद आलम, अलीयारा खातून, राकेश कुमार दास, अंजुम आरा, शगुफ्ता प्रवीण,टोला सेवक रंजन कुमार रजक, अनीता चंद्र पीयूष, अशोक ऋषि आदि मौजूद थे।

रेलवे पुलिस ने शराब और गांजा किया जब्त

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। रेल मंडल अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल के सीपीडीएस टीम और रेल पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान के तहत गुप्त सूचना के आधार पर रेल में तस्करी कर ले जाते भारी मात्रा में शराब और गांजा को बरामद करने में सफलता हासिल किया है। मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन नंबर 12423 राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन से लगभग 5 लाख का 50 किलो गांजा और महानंदा एक्सप्रेस ट्रेन के जर्नल बोगी के शौचालय से लगभग 34 लीटर विदेशी शराब को बरामद किया गया है। जिसके तहत रेल थाना कटिहार में अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है। वही रेल छेत्र में गठित विषेस टीम लगातार संयुक्त अभियान के तहत आय दिन शराब आदि नारकोटिक्स सामानों को जब्त किया जा रहा है। वही इस दौरान किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। इस अभियान में आरपीएफ सी पी डी एस टीम के प्रभारी सैयद एहसान अली , रेल एसएचओ ज्योति प्रकाश सहित कई सुरक्षा अधिकारीगण व जवान शामिल थे।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। अधिवक्ता परिषद कटिहार इकाई द्वारा सकरेली पंचायत स्थित श मन्ना लाल साह उच्च विद्यालय सकरेली में रविवार को एक विधिक जागरूकता शिविर आयोजित हुई। जिसका उद्घाटन प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह सहित कटिहार इकाई के अन्य पधाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर अधिवक्ता संघ कटिहार के सचिव रमेश प्रसाद जयसवाल सहित कई अन्य अधिवक्ता ने सभा को संबोधित करते हुए लोगो को जागरूक किया। इस अवसर पर दर्जनों अधिवक्तागण के साथ सैकड़ो स्थानीय लोग मौजूद थे।

मदरलैण्ड वॉइस के खबर का असर

क्षतिग्रस्त पुल पर भारी वाहनों का आवागमन बंद, पुल के दोनों तरफ गाड़े गए लोहे के खंबे

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। बस्तौल चौक से सोनैली जाने वाली सड़क पर बिजैली और बौरा चौक के बीच क्षतिग्रस्त लोहे का पुल पर भारी वाहनों का आवागमन का खबर मदरलैंड वॉइस ने प्रमुखता से उठाया था। जिसका असर अगले ही दिन धरातल पर देखा गया जहां बीते रविवार को बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के द्वारा क्षतिग्रस्त लोहे के पुल के दोनों तरफ लोहे के बड़े-बड़े पोल को गाड़ कर पुल पर आवागमन को रोका गया। हालांकि इससे पहले कई बार पुल के दोनों तरफ बैरिकेडिंग कर दिया गया था लेकिन असामाजिक तत्वों के द्वारा बैरिकेडिंग को तोड़कर हटा दिया जाता था,जिससे भारी वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से चल रहा था वहीं बीते शनिवार को मदरलैंड वॉइस ने इस खबर को उठाया जिसके बाद बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के द्वारा पुल के दोनों तरफ बैरिकेडिंग लगाकर भारी वाहनों का आना जाना बंद किया गया, पुल अधिक क्षतिग्रस्त होने के कारण इस पर सिर्फ दो पहिया वाहन का ही चलना अनिवार्य किया गया है। वही पुल के दोनों तरफ परिवहन विभाग के द्वारा भारी वाहन प्रवेश निषेध का बोर्ड लगाने के बावजूद भी लोग उसे नजरअंदाज कर अपने जान को जोखिम में डालकर पुल को पार करते थे ,वही मदरलैंड वॉइस के द्वारा उठाए गए इस मुद्दे को पुल निर्माण विभाग ने तत्परता दिखाते हुए इस पर एक्शन लिया एवं सड़क के दोनों तरफ लोहे के बड़े-बड़े पोल को गाड़ कर भारी वाहनों का आवागमन रोका गया। वही बिहार राज्य पुल निर्माण विभाग लिमिटेड के के जेई जवाहर प्रसाद ने बताया कि परिवहन विभाग के द्वारा कई बार बैरिकेडिंग करने के बाद भी लोग इस पुल पर भारी वाहन धड़ल्ले से चलाते थे जिस पर नकेल कसते हुए सड़क के दोनों तरफ बड़े-बड़े खंबे गाड़ कर भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है। वही जेई जवाहर प्रसाद ने बताया कि उक्त क्षतिग्रस्त पुल का स्टीमिट बनकर तैयार हो गया है जिसका कार्य शीघ्र ही किसी कंस्ट्रक्शन कंपनी के द्वारा शुरू कर दिया जाएगा।

भाजयुमो की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। भारतीय जनता युवा मोर्चा के आगामी कार्यक्रम सेवा सुशासन एवं गरीब कल्याण को लेकर विधान पार्षद अशोक कुमार अग्रवाल के आवास पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सौरभ कुमार मालाकार की अध्यक्षता में जिला कार्यसमिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह ,प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार ,जिला प्रभारी अर्जुन शर्मा ,निवर्तमान जिला अध्यक्ष मनोज राय , प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी भास्कर सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य महेंद्र झा, उपस्थित हुए। जिला अध्यक्ष सौरभ मालाकार ने मंच संचालन करते हुए उपस्थित सभी अतिथियों का अंग वस्त्र अभिनंदन व स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा उपस्थित पदाधिकारियों कार्यकताओं के बीच साझा किया। तथा पार्टी के विकास योजनाओं को हर घर तक पहुंचाने की भी कार्य योजना पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों तक जानकारी पहुंचाएं साथ ही साथ गरीबों असहाय के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में भी जानकारी दिया।जिससे कि योजनाओं का लाभ हर तबके के लोगों तक पहुंच सके। उन्होंने युवा मोर्चा के कार्यकताओं को आगामी कार्यक्रम अमृत महोत्सव बाइक रथ यात्रा की तैयारी निमित्त पूरी योजनाओं को अभी से तैयार करने के लिए जिला अध्यक्ष सौरभ मालाकार को दिशा निर्देश दिया। उपस्थित मंचासीन सभी वक्ताओं ने अपने अपने संबोधन में युवा मोर्चा के कार्यकताओं को भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति बैठक में युवा मोर्चा पूरी ताकत के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी ताकत लगाये। इस अवसर पर भाजयुमो जिला महामंत्री जयप्रकाश यादव ,उपाध्यक्ष रिंकू यादव ,अभिषेक सिंह, आदित्य सिंह, मंत्री अश्वनी मोदी, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र शाह, नवीन यादव, राकेश रोशन, विशाल गुप्ता, मंडल अध्यक्ष सनी कुमार, सुनील शर्मा, बंटी चौधरी, प्रेम कुमार, पिंटू चौधरी ,चंदन कुमार, श्याम कौशिक, निलंबर दास ,राजेश कुमार आदि ने भाग लिया।

छात्रा हत्या कांड के बाद विधि व्यवस्था बनाये रखने को दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। आजमनगर थाना क्षेत्र के पथरिया में छात्रा हत्याकांड के बाद विधि व्यवस्था संधारण हेतु वरीय अधिकारियों के द्वारा थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर दंड अधिकारियों सहित लाठी धारी व सशस्त्र बलों की मुस्तैदी की गई थी हर गतिविधि पर नजर रखे हुए थे।जानकारी के मुताबिक आजमनगर सुरक्षित बीडीओ सुनील कुमार10लाठी धारियों संग संजय कुमार सीओ10लाठी धारी,मकनुतोष10वहीं

पस्तिया में अनिल कुमार सांख्यिकी पदाधिकारी5 एएसआई विनोद कुमार शर्मा5अनिल कुमार बीपीएमयू5

मीणा विश्वास एएसआई5वहीं आजमनगर बाजार में जय शंकर प्रसाद5इंद्रजीत यादव5गौतम कुमार5वहीं सालमारी ओपी में श्रीमती पामेला टुड्डू10विजय कुमार राम10विजय कुमार ओपी अध्यक्ष10आरडीएस कॉलेज सालमारी सत्येंद्र नारायण पीओ5राधा कृष्णन5कमला नंद सिंह5वहीं छठ घाट पोखर के पास जेई शांति प्रकाश5सालमारी चंदन कुमार5विजेंद्र दास5वहीं पैदल गश्ती पस्तिया गांव धनेश्वर कुमार5देव नारायण राम5लाठी धारी व सशस्त्र बलों के साथ विधि व्यवस्था संधारण हेतु मुस्तैद दिखी।राज्य पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर एसपी कटिहार जितेंद्र कुमार ने जिले के दर्जन भर से ज्यादा थानों की पुलिस को सालमारी में कैंप करा दिया है।साथ हीं कटिहार मुख्यालय डीएसपी ओम प्रकाश बारसोई डीएसपी प्रेमनाथ राम सहित मुख्यालय के कई वरीय अधिकारी सालमारी ओपी पहुँच मॉनिटरिंग करते दिखे जो हर गतिविधि पर नजर रख रहे थे।इस पूरे प्रकरण की मॉनिटरिंग सालमारी ओपी से की जा रही थी।इस दौरान विभिन्न चौक-चौराहों पर पुलिस की टुकड़ी और पारा फोर्स की मुस्तैदी दिखी।

छात्रा के शव को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच किया गया सुपुर्द-ए-खाक

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। आजमनगर प्रखंड के बघौरा पंचायत अंतर्गत पस्तिया गांव में बीते25मई को एक छात्रा की हत्या का मामला दर्ज आजमनगर थानें में हुआ था।जिसके बाद कार्रवाई की मांग को लेकर आक्रोश की आवाज तूल धर लिए जाने के बाद छात्रा को न्याय दिलाने की आवाज दिल्ली यूनिवर्सिटी कैंपस तक पहुँच गया वहां भी छात्रों ने नम आंखों से कैंडल मार्च निकाला वहीं शनिवार की देर रात भागलपुर से री-पोस्टमार्टम के बाद छात्रा का शव उसके गांव पस्तिया पहुँचा जहां रविवार की सुबह लगभग10:30बजे भवानीपुर कब्रिस्तान में कुरान के आयातश्मिन्हा खलक नकुम फिहा नोई दोकुम व मिन्हा न खलक नकुम तरा तन उखड़ाश्के साथ छात्रा के पार्थिव शरीर को जनाजे में शामिल हुए हजारों लोगों ने नम आंखों से सुपुर्द-ए-खाक किया गया।इस दौरान जनाजे की नमाज में बारसोई अनुमंडल के विभिन्न हिस्सों से हजारों की संख्या में लोग जनाजे में शरीक हुए थे।इस दौरान प्रशासनिक सुरक्षा व्यवस्था भी काफी चाक चौबकन्द नजर आया भारी सुरक्षा व्यवस्था और दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति में छात्रा के शव को सुपुर्द-ए-खाक किया गया।दौरान कुछ लोग प्रशासन और मीडिया पर भी तंज करने से बाज नहीं आ रहे थे।जहां लोगों ने संयम का परिचय दिया है।घटना के बाद बढ़ रहे तनाव को देखते हुए जहां गांव पुलिस मुस्तैदी की गई वहीं छात्रा की सुपुर्द-ए-खाक के बाद और गांव में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गयी।राज्य पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर एसपी कटिहार जितेंद्र कुमार ने जिले के दर्जन भर से ज्यादा थानों की पुलिस को सालमारी में कैंप करा दिया है।साथ हीं कटिहार मुख्यालय डीएसपी ओम प्रकाश बारसोई डीएसपी प्रेमनाथ राम सहित मुख्यालय के कई वरीय अधिकारी सालमारी ओपी पहुँच मॉनिटरिंग करते दिखे जो

हर गतिविधि पर नजर रख रहे थे।इस पूरे प्रकरण की मॉनिटरिंग सालमारी ओपी से की जा रही थी।इस दौरान विभिन्न चौक-चौराहों पर पुलिस की टुकड़ी और पारा फोर्स की मुस्तैदी दिखी।जिसमें 5 थानेदारों की प्रतिनियुक्ति की गई है।जो मामले के अनुसंधान में जुटे हुए हैं।और लोगों से शांति और सहयोग की अपील कर रहे हैं।जनाजे की नमाज में हजारों लोगों की नम दिखी।

पहली बारिश ने खोली नगर पंचायत की पोल

सड़कों पर जगह-जगह हुआ जल भराव

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। अमदाबाद प्रखंड के नवरतनपुर गांव का यू आलम है कि आपको बया नहीं कर सकते विकास की राह देखता नगर पंचायत बारिश में बाढ़ जैसे हालात बदहाली को क्या कहेंगे देखिए यह हालत है आमदाबाद प्रखंड की जो कहने के लिए नगर पंचायत है लेकिन विकास की एक बूंद भी यहां नहीं पहुंची यहां अगर विकास कार्य हुए तो सिर्फ कागजों में मुख्य बाजार से नवरतनपुर गांव का आलम यू है की बारिश मैं हालात बद से बदतर हो जाते हैं जीना मोहाल हो जाता है यहां के स्थानीय समाजसेवी सहाबुद्दीन के मुताबिक यहां के समस्या को लेकर कई बार नगर पंचायत के अधिकारियों को जानकारी दी गई लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई नेता आए तो सिर्फ अश्वाशन से ज्यादा कुछ नही दे पाए जगह-जगह हुए जलभराव से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि बारिश की फुहारों से गर्मी से राहत मिली है। झमाझमा पहली बारिश से जहां एक तरफ लोगों को राहत मिली वहीं नगर पंचायत की पोल भी खुल गई। नगर के अंदर नालों और नालियों का पानी उफनकर सड़क पर आ गया। जिसके चलते नगर की सड़के ताल तलैया में तब्दील हो गई। इससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी।आमदाबाद के नगर पंचायत की सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे होने स बरसात में पानी भर जाने की समस्या बनी हुई है। कामों बरती लापरवाही से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। सड़क पर काफी जल भराव से दो पहिया वाहनों व एवं पैदल चलने वाले राहगीर फिसलकर गिरते दिखाई दिए। नगर के मुख्य चौराहे पर नगर पंचायत के बाजार में दो फुट तक पानी जमा हो गया। अधिकतर गलियां और सड़कें भी चलने लायक नहीं रह गईं। सड़कों पर इतना कीचड़ हो गया कि लोगों को घर से बाहर निकलने में काफी परेशानी हुई। नाली, नालों का पानी सड़कों के ऊपर से बहने लगा।

उर्स के मौके पर कव्वाली का आयोजन

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। मनिहारी पीर मजार पर सालाना उर्स के पाक व मुक्दस मौके पर महफिल-ए-कव्वाली का भी आयोजन किया गया।जिसका उद्घाटन मजार शरीफ के खादिम मोहम्मद मंजर सफी ने किया।विभिन्न सूबे से आये मशहूर कव्वालों एक से बढ़कर एक कव्वाली पेश कर महफिल की रौनक बढ़ायी।उतर दिनाजपुर की महिला कव्वाल शबनम चिश्ती, एहसान रजा,ने महफिल मे अपने फन की जलवा बिखेरी।आयोजन को सफल बनाने मे स्थानीय प्रशासन सहित मो० नौसाद अली।शुभम पोद्दार, अंगद ठाकुर,शम्स तबरेज, शादाब , करणमानस वार्ड पार्षद गुलाब चौधरी, मो० शेरू, हारुण रसीद, रज्जी ईमाम, समीर रजा,चुन्नू खान, आलमगीर, मन्नान, अंसार, मो मुस्ताक की सराहनीय भूमिका रही।

मनिहारी से इम्तियाज आलमउर्स के मौके पर कव्वाली का आयोजन

मनिहारी पीर मजार पर सालाना उर्स के पाक व मुक्दस मौके पर महफिल-ए- कव्वाली का भी आयोजन किया गया।जिसका उद्घाटन मजार शरीफ के खादिम मोहम्मद मंजर सफी ने किया।विभिन्न सूबे से आये मशहूर कव्वालों एक से बढ़कर एक कव्वाली पेश कर महफिल की रौनक बढ़ायी।उतर दिनाजपुर की महिला कव्वाल शबनम चिश्ती, एहसान रजा,ने महफिल मे अपने फन की जलवा बिखेरी।आयोजन को सफल बनाने मे स्थानीय प्रशासन सहित मोहम्मद तोहिद, मो० नौसाद अली।शुभम पोद्दार, अंगद ठाकुर,शम्स तबरेज, शादाब , करणमानस वार्ड पार्षद गुलाब चौधरी, मो० शेरू, हारुण रसीद, रज्जी ईमाम, समीर रजा,चुन्नू खान, आलमगीर, मन्नान, अंसार, मो मुस्ताक की सराहनीय भूमिका रही।

राष्ट्रीय स्तर कुश्ती प्रतियोगिता में कटिहार के तीन पहलवान शामिल

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। अंडर फिफ्टीन राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता रांची में आयोजित हो रही है। संघ के अध्यक्ष मनोज सिंह, सचिव सतीश कुमार सिंह ने बताया कि कटिहार जिले के तीन खिलाड़ियों का चयन कैमूर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आधार पर किया गया है। जिसमें कृष्णा कुमार, विकास कुमार और मनीष कुमार है। अलग-अलग वेट कैटेगरी में कटिहार के तीनों पहलवानों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में होना कटिहार जिले के लिए गौरव की बात है। संघ के अध्यक्ष मनोज सिंह, सचिव सतीश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष चांदनी कुमारी, विपिन चौधरी ने खिलाड़ियों को बधाई दी है। और कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर पदक लाने की उम्मीद जताई है। इससे पहले भी कटिहार के

दो खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीत कर चुके हैं। कोई पदक नहीं ला पाए सब जूनियर स्तर पर लेकिन इस बार उम्मीद की जा सकती है। यह तीनों पहलवान कटिहार जिला के बरारी प्रखंड के निवासी है। कटिहार जिला में कुश्ती के क्षेत्र में बरारी एवं फलका प्रखंड में पहलवानो का दबदबा है। खिलाड़ियों अभय कुमार मिश्रा, संजय कुमार यादव ने उम्मीद जताई है कि इस बार राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन रहेगा। कटिहार जिले में पहलवानों की कमी नहीं है।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस | 09
नई दिल्ली, सोमवार, 30 मई 2022

संक्षिप्त समाचार

परवलिया बाजार मे बीजेपी कार्यकर्ताओ ने विरोध रैली निकाला

मदरलैंड संवाददाता, आसनसोल। नीतूरिया अंतर्गत के परवलिया बाजार मे बीजेपी कार्यकर्ताओ ने विरोध रैली निकाला ।यह आठ नंबर विवेकानंद स्मारक के पास से होता हुआ पंजाब नेशनल बैंक के पास आकर संपन्न हुआ। 2021 के विधानसभा वोट के बाद हो रहे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं के ऊपर अत्याचार के विरोध यह रैली का आयोजन किया गया ।कार्यकताओं का कहना है कि जब तक टीएमसी के द्वारा अत्याचार बंद ना हो जाए आंदोलन तब तक जारी रहेगा। मल्लेश्वरी सिंह ने बताया कि एसएससी परीक्षा में व्यापक धांधली हुआ है बिना परीक्षा दिए तथा बिना परीक्षा में बैठे लोगों को भी रिजल्ट दिया गया तथा जो परीक्षा देकर पास हुए उन्हें नौकरी से वंचित कर दिया गया इस स्थिति में राज्य के शिक्षा मंत्री पार्थो चटर्जी घेरे में आते हैं उन्हें अविलंब गिरफ्तार कर उत्तीर्ण हुए युवाओं को नौकरी दिया जाए इस तरह की दुर्नीति को अभिलंब रोका जाए. मौके पर संजीत बावरी प्रेसिडेंट डब्लू मुकेश सिंह संजय साव कालिदास राजूराम अजय बावरी इंद्रमोहन सिंह शुभम साहू आदि उपस्थित थे।

कुल्टी क्लब में नवगठित कब्बडी एसोसिएसन के सदस्य

मदरलैंड संवाददाता, कुल्टी। पश्चिम बर्दवान जिला कबड्डी एसोसियसन की बैठक रविवार को कुल्टी क्लब में आयोजित कर जिला कब्बडी एसोसिएसन की नई कमेटी की घोषणा की गई । बैठक का शुभारंभ कोलकाता से आये ऑब्जर्वर अमित कुमार सरकार को पश्चिम बर्दवान जिला कब्बडी एसोसिएस के पदाधिकारियो द्वारा अंगवस्त्र एवम फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया ।बैठक के दौरान कमेटी द्वारा वार्षिक रिपोर्ट पेश प्रस्तुत कर सर्वसम्मति से नई कमेटी गठित की गई । पश्चिम बर्दवान जिला कब्बडी एसोसिएसन की गठित नई कमेटी में चेयरमैन प्रणब चटर्जी , संरक्षक के रूप में प्रवीर कुमार मंडल, उत्पल सेन एवम दीपक दुधानी , अध्यक्ष अरविंद मुखर्जी, कार्यकारी अध्यक्ष आशीष कुमार सेन, उपाध्यक्ष रवि शंकर चौबे, महासचिव पार्थो बनर्जी, सांगठनिक सचिव संदीप घोष , कोशाध्यक्ष कोहिलिका बनर्जी, कानूनी सलाहकार अभिजीत मुखर्जी नई कमेटी में शामिल किया गया है । पश्चिम बर्दवान जिला कब्बडी एसोसिएसन की नई कमेटी के गठन के बाद जिला स्तर पर कब्बडी खेल एवम टूनार्मेंट आयोजन का निर्णय लिया गया ।साथ ही कब्बडी के बिकाश के लिए युवक एवम युवतियों को कब्बडी खेल से जोड़ने का निर्णय लिया गया ताकि बच्चो का मानशिक एवम शारीरिक बिकाश होने के साथ युवा खिलाड़ियो को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाया जा सके । पश्चिम बर्दवान जिला कबड्डी एसोसिएसन की नई कमेटी बनाये जाने के बाद सभी पदाधिकारियो को सम्मानित कर उन्हें शुभकामनाए दी गई ।

नहीं हुई है एक किलो गेहूं की भी खरीद, गेहूं खरीद की समय सीमा समाप्ति पर

मदरलैंड संवाददाता, बेगूसराय। खोदावंदपुर में किसानों से अबतक एक किलो गेहूँ नहीं खरीदा गया है. जबकि गेहूँ खरीद करने की अंतिम तिथि 31 मई तक निर्धारित है. प्रखंड में कुल 870 क्विंटल गेहूँ खरीद का लक्ष्य है. बीसीओ अजीत कुमार शर्मा ने बताया कि खोदावन्दपुर प्रखंड में 870 क्विंटल गेहूँ खरीद करने का लक्ष्य है. इसे खरीदने की जिम्मेवारी सागी, बाड़ा और खोदावन्दपुर पैक्सों को दिया गया है. प्रत्येक पैक्स को 290 क्विंटल गेहूं खरीदना है. प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों किसानों ने बताया कि सरकार ने गेहूँ का समर्थन मूल्य 2015 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है, जबकि गेहूं का बाजार भाव लगभग इतना ही है. इसलिए किसान पैक्सों को अपना गेहूं नहीं देना चाहते हैं.

गिरफ्तार विजय गंझू और प्रताप गंझू को पुलिस 24 घंटे के अंदर न्यायालय में पेश करें : टीएसपीसी*

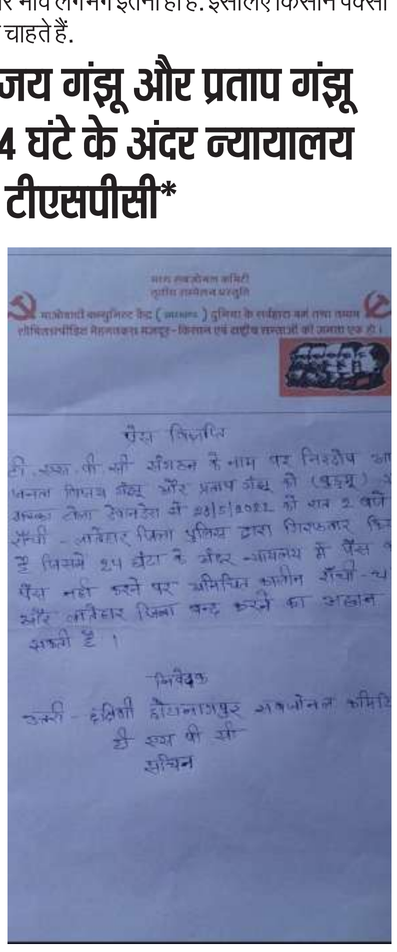
प्रेस विज्ञप्ति
निवेदक
उत्तरी - दक्षिणी छोटानागपुर सबजोनल कमिटि
टी एस पी सी
सचिव

मदरलैंड संवाददाता, लातेहार। नक्सली संगठन टीएसपीसी के उत्तरी दक्षिणी छोटा नागपुर सबजोनल कमिटी सचिव ने एक प्रेस विज्ञप्ती जारी कर कहां है कि रांची बालूमाथ पुलिस द्वारा नक्सली संगठन टीएसपी के नाम पर निर्दोष ग्रामीण जनता विजय गंझू और प्रताप गंझू (बुढ़मु) ग्राम मक्का टोला डेवानडेरा को 28 मई की रात 2 बजे गिरफ्तार किया गया है ।पुलिस 24 घंटे के अंदर में उक्त दोनो को न्यायालय मे पेश करे ।नही तो बाध्य हो कर टीएसपीसी के उत्तरी दक्षिणी छोटा नागपुर सबजोनल कमिटी द्वारा रांची, चतरा और लातेहार जिला को अनिश्चितकाल तक के लिए बंद करने का आह्वान कर सकती है ।

नारायणी प्रेस क्लब की मासिक बैठक संपन्न

» मदरलैंड संवाददाता

बेतिया। बगहा एक प्रखण्ड के लगुनहा चौतरवा पँचायत के शरणार्थी कालोनी स्थित कॉमन प्लॉट में रविवार को नारायणी प्रेस क्लब की मासिक बैठक सम्पन्न किया गया ।बैठक की अध्यक्षता नारायणी प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुशील कुमार मिश्रा ने किया ।वही बैठक के दौरान प्रेस क्लब के दर्जनों सदस्य उपस्थित हुए ।बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई ।अध्यक्ष सुशील कुमार मिश्रा ने बताया कि नारायणी प्रेस क्लब एक रजिस्टर्ड संस्था होने के साथ एक परिवार है ।इससे जुड़े हुए सभी सदस्यों की चट्टानी एकता ही इसका बल है इसे हमेशा बरकरार रखने का काम करें ।उन्होंने प्रेस क्लब से जुड़े पत्रकारों को कई अहम विषयों पर जानकारी देते हुए बताया कि आये दिन पत्रकारों पर जानलेवा हमले हो रहे हैं और प्रसाशन कोई ठोस कदम नही उठा रही है जो काफी चिंता का विषय बना हुआ है ।इस गम्भीर समस्या पर ध्यान रखते हुए क्षेत्र में पूरी सतर्कता बरतने के साथ ही पत्रकारिता करें ।वही प्रेस क्लब के संस्थापक ठाकुर संजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि नारायणी प्रेस क्लब के जो भी सदस्य लगातार तीन बैठकों में भाग नही लेगा उसे संस्थान असक्रियता की सूची में डाल देगी,साथ ही उस सदस्य को संस्थान द्वारा कोई सहयोग अथवा लाभ प्राप्त नही होगा ।प्रेस क्लब के संरक्षक प्रो0 अरविंदनाथ तिवारी ने बताया कि जिस प्रकार रामनगर थाने में एक पत्रकार पर जानलेवा हमला हुआ है उस संदर्भ में नारायणी प्रेस क्लब ने अपनी चट्टानी एकता का परिचय देते हुए बड़ी कार्यवही किया है जिसमें हमले में शामिल मुख्य आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही कराने का काम किया गया है ।उन्होंने कहा कि जहां तक सम्भव हो विवादित खबरों से परहेज करें ।मंचासीन प्रेस क्लब के महासचिव इजरायल अंसारी ने कहा कि पत्रकारिता को चौथा स्तंभ माना गया है, किन्तु पत्रकार की सुरक्षा व्यवस्था की कोई जिम्मेदारी सरकार नही निभा रही है, जिसका उदाहरण आये दिन पत्रकारों पर हो रहे जानलेवा हमले से पता चल रहा है ।उन्होंने कहा कि नारायणी प्रेस क्लब की एकता और अखंडता को बरकरार रखने की जरूरत है,तभी एक पत्रकार साथी की विपरीत परिस्थितियों में प्रेस क्लब अपना योगदान सुनिश्चित करेगी ।मौके पर चंद्रभान दुबे,संजय कुमार पाल, मंजर आलम, सुभान अंसारी, राजेश बैठा, तबरेज आलम, रत्नेश्वर राव, अजय कुमार चंदेल, सुधीर सिंह, दरवेश खां, हरिंदर यादव, उपेंद्र शुक्ला, जहरुद्दीन अली, दुर्गेश कुमार गुप्ता , प्रमोद साह, सफरुद्दीन अंसारी, राजीव पांडेय, शम्भू कुमार, शक्ति सिंह, जयप्रकाश ओबरॉय,विकास कुमार उपाध्या,करण कुमार, समेत दर्जनों सदस्य उपस्थित रहे।

बीघोर हाट बचाओ अभियान जारी

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। बिघोर हाट के सभी दुकानदारों को प्रशासन द्वारा दुकान हटाने का नोटिस जारी किया गया है जिसके विरोध में बडी. तादाद में दुकानदार और ग्रामीण पिछले पाँच दिनो से लगातार बिघोर हाट बचाने के लिए धरने पर बैठे हैं। इस संबंध में बिघोर पंचायत के मुखिया शहादत नाज ने बताया कि बिघोर हाट इलाके लोगों का दिल हैं ।इसको धड़कने से कोई नहीं रोक सकता। क्यों की लोगो को इस हाट से रोजगार मिलता है। अगर यह हाट उजाड़ दिया जाता है, तो लाखो लोग बेरोजगार हो जाएंगे। इस लिए बिहार सरकार एवं बारसोई अनुमण्डल प्रशासन से विनम्र निवेदन है कि बिघोर हाट को बचाया जाए वहीं धरने में शामिल शिकारपुर पंचायत के मुखिया अब्बन अंसारी ने लोगों को संबोधन करते हुए कहा की बारसोई प्रशासन साजिश के तहत ऐतिहासिक हाट उजाड़ कर थाना बनाने जा रही है। हम गरीबों के पेट पर सीधे लात मारने के बराबर है। थाना बनाने का निर्णय, हम गरीबों का जनाधार ही बिघोर हाट है। उसे हमसे ना छीना जाए वहीं बलरामपुर विधायक महबूब आलम भी दुकानदारों और ग्रमीणों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर सरकार एवं प्रशासन के फैसले के खिलाफ बीघोर हाट बचाओ अभियान में शामिल हैं।

हज जानेवाले को दिया गया प्रशिक्षण

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। बारसोई के प्रसिद्ध जामा मस्जिद में हज पर जाने वाले हज यात्रियों को अनुमंडल स्तरीय ट्रेनिंग दी गई। जिसमें तेलावते कुरान, उमड़ा, जियारत आदि के बारे में बताया गया ।प्रशिक्षण देने वालों में पटना के हाजी फैजुद्दीन आजम, कटिहार के मास्टर ट्रेनर हाजी अनवर गुलाब, मोहम्मद शमसुजजोहा सहित स्थानीय आलिम शामिल रहे। जिन्होंने हज के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। हाजी मरगूब ने तिलावते कुरान से आयोजन की शुरूआत की हाजी आजाद उमरा के बारे में विस्तार से बताया। डॉक्टर गुलाब ने हज के दिनों के बारे में तफसिली बयान दिए जिसमें 8, 9, 10, 11, 12 और 13 जिलहिज्जा के अलग-अलग रुकने की जानकारी दी। प्रैक्टिकल करके भी दिखाया। बाद नमाजे जोहर मोहम्मद शमसूजजोहा ने जियारत ए मदीना शरीफ की जानकारी दी। वहां के मुबारक जगहों की जानकारी भी दी ।कार्यक्रम सुबह 9:30 बजे से अपराहन 3:00 बजे तक चली। जिसमें दर्जनों महिला एवं पुरुषों हज यात्रियों ने भाग लिया। इस दौरान मस्जिद कमेटी की ओर से चाय और खाने का भी इंतजाम किया गया था। ट्रेनिंग को सफल बनाने में मोहम्मद हसमुद्दीन, हाजी मुजाहिद, मोहम्मद रेहान, मोहम्मद एजाज, मोहम्मद फैयाज आलम, मोहम्मद मसीउज्जमा, मोहम्मद पमीर आदि का अहम योगदान रहा।

विद्यालय में भवन निर्माण हेतु जगह चिन्हित करने को हुई बैठक

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। लकोढा. प्रखंड के उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय रौतारा में विद्यालय शिक्षा समिति व जनप्रतिनिधि सहित गणमान्य लोगों की बैठक आहूत की गई. आयोजित बैठक में बताया कि रौतारा एनएच 31 में फोरलेन निर्माण कार्य दौरान उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय रौतारा की भवन बिच में आ रही है, जिसके कारण निर्माण कार्य बाधित है, निर्माण कार्य को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए विद्यालय की भवन को तोड़ा जाना है. बताया विद्यालय का 10 शौचालय एवं चार कमरे को तोड़कर सड़क निर्माण हेतु जगह बनाया जाना है, जिसको लेकर विभागीय स्तर पर विद्यालय शिक्षा समिति व प्रबंधन समिति को विद्यालय में अन्य जगह भूमि चिन्हित कर भूमि उपलब्ध कराने हेतु पत्र निर्गत किया गया है, जिसको लेकर आज विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्य और जनप्रतिनिधि सहित गणमान्य लोग पहुंचकर भवन निर्माण हेतु भूमि की पैमाइश कर जगह चिन्हित करने का कार्य कर रहे हैं. मौके पर विद्यालय में जो भूमि चिन्हित कर रहे हैं उसमें भी पूर्व से पुराना भवन बना हुआ है, जिसे तोड़ना पड़ेगा इसलिए हम सभी लोगों ने निर्णय लिया है कि संबंधित शिक्षा पदाधिकारी व प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ मिलकर भवन निर्माण हेतु जगह चिन्हित करने का कार्य किया जाएगा. साथ ही जगह चिन्हित करने के दौरान जो अन्य भवन टूटेंगे उसका निर्माण कौन कराएगा आदि बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी. इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि मोहम्मद नाजिम वार्ड सदस्य प्रतिनिधि विकास कुमार, समाजसेवी में आशिष कुमार मिश्रा, बैजनाथ पासवान, उपमुखिया गौतम कुमार, मोहम्मद खुबैब आलम अमीन के रूप में मोहम्मद हसन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

50 हजार का इनामी यूपी का मोस्ट वांटेड राहुल सिंह बिहार से गिरफ्तार

गोपालगंज, एजेंसी। यूपी के मऊ जिले के इनामी मोस्ट वांडेट राहुल सिंह को गोपालगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। नगर थाना क्षेत्र के जादोपुर मोड़ के पास एनएच-27 पर उसकी गिरफ्तारी हुई। राहुल सिंह मऊ जिला के चिरैयाकोट थाना क्षेत्र के असलपुर गांव निवासी मृगेंद्र सिंह का पुत्र है। यूपी में किसी अपराधिक घटना को अंजाम देकर गोपालगंज से होकर वह कहीं सुरक्षित ठिकाने पर जा रहा था, इस दौरान वाहन चेकिंग कर रही नगर थाने की पुलिस टीम ने जादोपुर मोड़ के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार राहुल सिंह के पास से एक देसी पिस्टल और चार जिंदा कारतूस व बाइक बरामद की गयी है। सदर एसडीपीओ संजीव कुमार ने गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए बताया कि राहुल सिंह पर यूपी पुलिस ने 50 हजार रुपये का इनाम रखा था। मोस्ट वांटेड पर मऊ जिला के असलपुर ग्राम के प्रधान मुन्ना राय की 2019 में गोलियों से भूनकर हत्या करने, ग्राम प्रधान के करीबी रहे अरविंद कुमार की 12 जनवरी 2021 को गोलियों से भूनकर हत्या करने समेत दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं।

एक्शन में लालू प्रसाद यादव, राजद विधायक दल की बैठक बुलाई

पटना, एजेंसी। बिहार में इस समय सियासी सरगर्मी काफी बढ़ी है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष दोनों ही खेमों में हलचल तेज है। इस बीच राजद ने अपने विधायकों की बैठक बुलाई है। बैठक 31 मई को आहूत की गई है। दस सर्कुलर रोड स्थित पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास पर यह बैठक होगी। इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, तेजप्रताप यादव, ललित यादव, भाई वीरेंद्र, डॉ मुकेश रौशन, विजय सम्राट समेत तमाम विधायकों को शामिल होने को कहा गया है। राजद की इस बैठक को बेहद अहम बताया जा रहा है। राजद सूत्रों के अनुसार यह बैठक 31 मई को शाम छह बजे शुरू होगी। बैठक की अध्यक्षता लालू प्रसाद यादव करेंगे। राजद सूत्रों के अनुसार इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं, खासकर 10 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव और उसके बाद होने वाले विधान परिषद चुनाव के मुद्दे पर अहम चर्चा हो सकती है। 1 जून को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से जातीय जनगणना पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक से जुड़े विषयों पर भी राजद के विधायक दल की बैठक में विशेष चर्चा होने की उम्मीद है।

बिहार में इन दिनों सत्ता परिवर्तन, राज्यसभा चुनाव, विधान परिषद चुनाव, राष्ट्रपति चुनाव सहित कई मुद्दों पर चर्चा गर्म है। हाल ही में नीतीश कुमार और लालू परिवार के बीच भी इफ्तार पर हुई मुलाकत को लेकर कई प्रकार की अटकलें लगाई जा रही है, ऐसे में राजद विधायक दल की बैठक के कई अटकलों पर विराम और कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने की दिशा में अहम होने की संभावना है।

लोडेड देसी कट्टा के साथ एक बदमाश गिरफ्तार, चार बदमाश फरार

» मदरलैंड संवाददाता

बेगूसराय। शनिवार की देर रात बेगूसराय- रोसड़ा मुख्य पथ एस एच 55 पर तारा चौक के समीप बाइक सवार बदमाशों ने हथियार का भय दिखाकर ट्रक चालकों से रंगदारी मांगने के आरोप में स्थानीय पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया, जबकि पुलिस गाड़ी को आते देख चार बदमाश अपनी बाइक लेकर मौके से फरार हो गया. गिरफ्तार बदमाश की पहचान समस्तीपुर जिला के विभूतिपुर थाना अंतर्गत पतेलिया गांव निवासी शंभू महतो के पुत्र आलोक कुमार के रूप में की गयी है. गिरफ्तार बदमाश के पास से स्थानीय पुलिस ने एक लोडेड देशी कट्टा भी बरामद किया है. इसकी जानकारी मंझौल एसडीपीओ सत्येंद्र कुमार सिंह ने दी है. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाश के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उससे पूछताछ की जा रही है. वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि शनिवार की रात लगभग 11 बजे बाइक से आये पांच की संख्या में सशस्त्र बदमाशों ने मुख्य पथ पर तारा चौक के निकट आने जाने वाले ट्रक चालकों को जबरन रोककर उससे पिस्तौल का भय दिखाकर रंगदारी मांग रहा था.किसी ने इस घटना की सूचना खोदावंदपुर पुलिस को दी. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने एक बदमाश को पकड़ लिया. जबकि पुलिस गाड़ी की रोशनी देख मौके से चार बदमाश भागने में सफल रहा. स्थानीय लोगों ने बताया कि अपराधियों की योजना किसी बड़े लूटकांड को अंजाम देने की थी, परंतु स्थानीय लोगों की तत्परता से अपराधियों के मंसूबे पर पानी फिर गया. इस घटना को लेकर क्षेत्र के चौक चौराहों पर तरह तरह की चचाएं हो रही है.

सुखमय वैवाहिक जीवन व अखंड सुहाग की कामना को बटसावित्री पूजन का विधान

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। सनातन धर्म मे महिलाएं अपने पति की लम्बी उम्र ,सुखी दाम्पत्य जीवन सहित अपनी अखंड सुहाग की कामना को लेकर अनेक तरह की व्रत का पालन करती हैं। बट सावित्री का व्रत भी सौभाग्य व अखंड सुहाग प्राप्ति का व्रत माना जाता है। ज्येष्ठ मास की कृष्णपक्ष अमावस को बट सावित्री का व्रत सुहागिन महिलाएं अपने सुहाग की रक्षार्थ मनाती हैं।इस व्रत के साथ सावित्री -सत्यवान की कथा जुड़ी हुई हैं। सावित्री- सत्यवान व्रत कथा के अनुसार बट बृक्ष के नीचे ही उनके सास -ससुर को दिव्य ज्योति, छिना हुआ राज्य तथा उनके मृत पति के शरीर मे प्राण वापस आये थे ।पुराणों के अनुसार बटबृक्ष मे ब्रह्मा, विष्णु, महेश तीनों देवों का वास माना जाता है।इसे देव बृक्ष माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि बट बृक्ष मे माता लक्ष्मी हरवक्त वास करतीं हैं ।अत एव बरगद(बटबृक्ष) की पूजा करने से मनोवांक्षित फल प्राप्त होता है। मान्यता है की मार्कडेय ऋषि को भगवान कृष्ण ने बरगद के पत्ते पर ही दर्शन दिया था। बरगद बृक्ष का पर्यावरण संरक्षण मे भी बड़ा योगदान माना गया है ।इसे उत्सर्जन का केन्द्र भी माना गया है। एक जानकारी के अनुसार आम पेड़ों की अपेक्षा बरगद का पेड़ बीस घंटे तक आक्सीजन का उत्सर्जन करता है। इसलिए सुहागिन महिलाएं बट सावित्री व्रत के दिन गरगद बृक्ष को सींचती हैं ।पूजा-अर्चना करती हैं ।भगवान बुध्द को भी बरगद पेड़ के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था। अत एव धार्मिक व लोक मंगल की कामना को लेकर बटबृक्ष की पूजा -अर्चना सुहागिन महिलाएं सोलह ऋंगार से सजधजकर नियम-निष्ठा व संकल्प के साथ बटसावित्री की उपासना करती हैं।

सनातन धर्म मे महिलाएं अपने पति की लम्बी उम्र ,सुखी दाम्पत्य जीवन सहित अपनी अखंड सुहाग की कामना को लेकर अनेक तरह की व्रत का पालन करती हैं। बट सावित्री का व्रत भी सौभाग्य व अखंड सुहाग प्राप्ति का व्रत माना जाता है। ज्येष्ठ मास की कृष्णपक्ष अमावस को बट सावित्री का व्रत सुहागिन महिलाएं अपने सुहाग की रक्षार्थ मनाती हैं।इस व्रत के साथ सावित्री -सत्यवान की कथा जुड़ी हुई हैं। सावित्री- सत्यवान व्रत कथा के अनुसार बट बृक्ष के नीचे ही उनके सास -ससुर को दिव्य ज्योति, छिना हुआ राज्य तथा उनके मृत पति के शरीर मे प्राण वापस आये थे ।पुराणों के अनुसार बटबृक्ष मे ब्रह्मा, विष्णु, महेश तीनों देवों का वास माना जाता है। इसे देव बृक्ष माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि बट बृक्ष मे माता लक्ष्मी हरवक्त वास करतीं हैं ।अत एव बरगद(बटबृक्ष) की पूजा करने से मनोवांक्षित फल प्राप्त होता है। मान्यता है की मार्कडेय ऋषि को भगवान कृष्ण ने बरगद के पत्ते पर ही दर्शन दिया था। बरगद बृक्ष का पर्यावरण संरक्षण मे भी बड़ा योगदान माना गया है ।इसे उत्सर्जन का केन्द्र भी माना गया है। एक जानकारी के अनुसार आम पेड़ों की अपेक्षा बरगद का पेड़ बीस घंटे तक आक्सीजन का उत्सर्जन करता है। इसलिए सुहागिन महिलाएं बट सावित्री व्रत के दिन गरगद बृक्ष को सींचती हैं ।पूजा-अर्चना करती हैं ।भगवान बुध्द को भी बरगद पेड़ के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था। अत एव धार्मिक व लोक मंगल की कामना को लेकर बटबृक्ष की पूजा -अर्चना सुहागिन महिलाएं सोलह ऋंगार से सजधजकर नियम-निष्ठा व संकल्प के साथ बटसावित्री की उपासना करती हैं।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

नेशनल टेक्सटाइल्स कॉरपोरेशन के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया शुरू करने एनसीएलटी की हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की कपड़ा कंपनी नेशनल टेक्सटाइल कॉरपोरेशन (एनटीसी) के खिलाफ दिवाला प्रक्रिया शुरू करने की हरी झंड़ी राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने ने दे दी है। एनसीएलटी ने एक परिचालन कर्जदाता की याचिका को मंजूर करने के बाद ने का आदेश दिया है। एनसीएलटी की दिल्ली पीठ ने एनटीसी के बोर्ड को निलंबित करने के साथ ही अमित तलवार को अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) नियुक्त किया है। पीठ ने ऋणशोधन अक्षमता एवं दिवाला संहिता (आईबीसी) के प्रावधानों के अनुसार एनटीसी के खिलाफ स्थगन की भी घोषणा की है। एनसीएलटी की दो-सदस्यीय पीठ ने एनटीसी के दावों को भी खारिज करते हुए कहा कि इसके परिचालन लेनदार द्वारा दावा की गई देय राशि पर खड़ा किया गया विवाद सिर्फ एक ह्यजबरन खड़ा किया गया विवादह्व है और करीब 14 लाख रुपये के भुगतान में चूक हुई है।

शायद ऐसा पहली बार हुआ है कि आईबीसी कानून लागू होने के बाद सार्वजनिक क्षेत्र की किसी कंपनी के खिलाफ इसका क्रियान्वयन किया गया है। एनटीसी भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय के तहत आती है। यह पूरे देश में स्थित अपनी 23 मिलों के माध्यम से धागे एवं कपड़े के उत्पादन में लगी हुई है। एनसीएलटी ने एनटीसी के खिलाफ दिवाला कार्यवाही शुरू करने का निर्देश हीरो सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एचएसईपीएल) की तरफ से दायर याचिका पर दिया है। एचएसईपीएल ने अपनी याचिका में एनटीसी के लिए सोलर रूफटॉप परियोजना लगाने के दो अनुबंधों के लिए 13।84 लाख रुपये के भुगतान में चूक का दावा किया था।

यह मामला करीब छह साल पुराने अनुबंध से जुड़ा हुआ है। एनटीसी ने मई, 2016 में तमिलनाडु में कुल 780 किलोवॉट क्षमता की रूफटॉप सौर परियोजनाएं लगाने का ठेका दिया था। इन दोनों परियोजनाओं के अनुबंध के अनुसार, पहली परियोजना के लिए 2।21 करोड़ रुपये और दूसरी परियोजना के लिए 1।86 करोड़ रुपये की राशि क्रमशः दिसंबर, 2016 और अप्रैल, 2017 को काम पूरा होने पर दी जानी थी। लेकिन एनटीसी एचएसईपीएल को इस अनुबंध राशि का पूरा भुगतान करने में विफल रहा और समझौते की शर्तों के खिलाफ 13।84 लाख रुपये की राशि बकाया रही। इस बकाया राशि को आधार बनाते हुए एचएसईपीएल ने दिवाला कार्यवाही शुरू करने का निर्देश देने की अपनी अपनी याचिका में की थी।

असंगठित क्षेत्र में ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड 94 फीसदी श्रमिकों की कमाई 10 हजार रुपये से भी कम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की न्यूमतम मासिक कमाई सरकारी निर्धारण से भी कम है। ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत 27.69 करोड़ असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों में से 94 प्रतिशत की हर महीने की कमाई 10,000 रुपये से भी कम है। ई-श्रम पोर्टल के ताजा आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पोर्टल पर पंजीकृत 74 प्रतिशत श्रमिक अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आते हैं। नवंबर, 2021 में मासिक 10,000 रुपये से कम की कमाई वाले असंगठित क्षेत्र के कामगारों की संख्या 92.37 प्रतिशत थी। उस समय पोर्टल पर आठ करोड़ से कुछ अधिक श्रमिक पंजीकृत थे। उस समय पोर्टल पर पंजीकृत एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के श्रमिकों की संख्या 72.58 प्रतिशत थी। विशेषज्ञों का मानना है कि ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण बढ़ने के साथ पता चलता है कि समाज में काफी असमानता है। इस पोर्टल पर असंगठित क्षेत्र के सभी श्रमिकों के पंजीकरण का लक्ष्य है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की संख्या करीब 38 करोड़ है। ई-श्रम पोर्टल का उद्देश्य देश में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का एक व्यापक डेटाबेस (एनडीयूडब्ल्यू) तैयार करना है। इस पोर्टल को 26 अगस्त, 2021 को शुरू किया गया था। सरकार का इरादा इस पोर्टल के जरिये देश के असंगठित क्षेत्र के सभी श्रमिकों को कल्याण योजनाओं का लाभ प्रदान करना है। विशेषज्ञों का कहना है कि असंगठित क्षेत्र के सभी श्रमिकों का पंजीकरण चालू कैलेंडर साल में पूरा हो जाएगा। इससे राजनीतिक नेतृत्व को समाज के वंचित तबके के लिए एक प्रमाण आधारित नीति बनाने में मदद मिलेगी।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, ई-श्रम पोर्टल पर कुल 27.69 करोड़ असंगठित क्षेत्र के श्रमिक पंजीकृत हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिक काफी गरीबी में जीवनयापन कर रहे हैं और इनमें से ज्यादातर समाज के पिछड़े समुदाय से आते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि पोर्टल पर पंजीकृत 94.11 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की मासिक कमाई 10,000 रुपये से भी कम है। वहीं 4.36 प्रतिशत की कमाई 10,001 से 15,000 रुपये के बीच है। पोर्टल पर पंजीकृत 74.44 प्रतिशत श्रमिक समाज के पिछड़े वर्ग से आते हैं। इनमें से 45.32 प्रतिशत ओबीसी, 20।95 प्रतिशत एससी और 8.17 प्रतिशत एसटी वर्ग के हैं। सामान्य श्रेणी के श्रमिकों की संख्या 25.56 प्रतिशत है।

संक्षिप्त समाचार

विदेशी निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार कमजोर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शेयर मार्केट के उबरने की उम्मीदों को विदेशी निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली से बढ़ा झटका लगा है। एफपीआई के धन निकलने का क्रम अभी रुका नहीं है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अपनी बिक्री की होड़ जारी रखते हुए इस महीने में अब तक भारतीय इक्विटी मार्केट से 39,000 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। विदेशी निवेशक अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, डॉलर की मजबूती और फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में अधिक आक्रामक बढ़ोतरी की संभावनाओं के बीच ये कदम उठा रहे हैं। इसके साथ ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से शेयरों से शुद्ध रकम निकासी इस वर्ष अब तक 1.66 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च (रिटेल) प्रमुख श्रीकांत चौहान के मुताबिक, भारत में एफपीआई प्रवाह निकट भविष्य में अस्थिर रहने की संभावना है। उन्होंने इसके लिए कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, महंगाई और सेंट्रल बैंकों की सख्त मौद्रिक नीति को जिम्मेदार ठहराया है। श्रीकांत चौहान इसके साथ ही स्पष्ट करते हैं, हाल ही में एफपीआई की ओर से बिकवाली में सुस्ती के संकेत मिले हैं। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशक (डीएलएलएस) और रिटेल खरीद एफपीआई की बिक्री के खिलाफ मजबूत काउंटर के रूप में उभर रहे हैं। वहीं, जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजिस्ट वीके विजयकुमार ने भी चौहान की बातों का समर्थन करते हुए कहा, एफपीआई ऊपरी स्तर पर बिक्री जारी रख सकते हैं। अगर वैश्विक बाजार स्थिर रहा, तो एफपीआई जो बेचेंगे डीआईआई और रिटेल निवेशक उन्हें खरीद लेंगे। विदेशी निवेशक इक्विटी मार्केट से अक्टूबर से अप्रैल तक यानी 7 महीनों में कुल 1.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक की रकम की निकासी कर चुके हैं। इसका मतलब यह हुआ कि इस अवधि में वे शुद्ध बिकवाल रहे। हालांकि, अप्रैल के पहले सप्ताह में एफपीआई निवेशक की भूमिका में आ गए और बाजारों में गिरावट आने के कारण शेयरों में 7,707 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

जापानी राजनयिक बोले- उनके देश का भारत में निवेश यहां के माहौल पर निर्भर करेगा

गुवाहाटी, एजेंसी। भारत में जापान दूतावास के राजनयिक उप-प्रमुख कावाजु कुनिहिको ने कहा कि अगले पांच वर्षों में उनके देश से 5,000 अरब येन का निवेश लक्ष्य भारत में ह्यनिवेश के माहौलह्व पर निर्भर करेगा। हालांकि, कुनिहिको ने कहा कि जापान और भारत के संबंध हर एक क्षेत्र में प्रगाढ़ हो रहे हैं। यहां एक कार्यक्रम से इतर कुनिहिको ने कहा, ह्यहम भारत में अगले पांच साल में 5,000 अरब येन के निवेश लक्ष्य की घोषणा कर चुके हैं। यह सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों से होगा और विभिन्न परियोजनाओं के लिए भारत को कर्ज देना भी इसमें शामिल है।ह्व उन्होंने कहा कि जिन प्रमुख क्षेत्रों में मुख्य रूप से निवेश होगा वे हैं विनिर्माण, जलवायु परिवर्तन और अवसंरचना। कुनिहिको ने कहा, ह्यहमें उम्मीद है कि हम इस लक्ष्य को पा लेंगे। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत में निवेश का माहौल कितना बेहतर है। भारतीय पक्ष की ओर से प्रयास और सहयोग के बगैर निवेश लक्ष्य को पाना मुश्किल होगा।ह्व निवेश माहौल से उनका क्या मतलब है? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति, अवसंरचना विकास पर जोर और नीतिगत स्थिरता भारत में पूंजी आकर्षित करने के लिए अहम हैं। उन्होंने कहा कि भारत और जापान के बीच संबंध 21वीं सदी में लगातार ऊंचाई पर जा रहे हैं। मार्च में जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने घोषणा की थी जापान अगले पांच साल में भारत में 5,000 अरब येन (3,20,000 करोड़ रुपये) का निवेश करेगा।

फूड बाजार में प्रवेश करेगी अमूल, जून से मिलेगा ऑर्गेनिक आटा

मुंबई, एजेंसी। अमूल ब्रांड के उत्पाद बनाने वाली डेयरी कंपनी गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) ने ऑर्गेनिक फूड के बाजार में उतरने की घोषणा की। जीसीएमएमएफ ने कहा कि इस कारोबार के तहत उतारा गया पहला उत्पाद अमूल ऑर्गेनिक होल व्हीट आटा है। कंपनी आगे चलकर मूंग दाल, तुअर दाल, चना दाल और बासमती चावल जैसे उत्पाद भी बाजार में उतारेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों को एक साथ लाया जाएगा और दूध एकत्र करने के मॉडल को ही इस कारोबार में भी अपनाया जाएगा। इससे ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों की आय बढ़ेगी और ऑर्गेनिक खाद्य उद्योग को अधिक लोकतांत्रिक बनाया जा सकेगा। किसानों का बाजार से जुड़ाव एक बड़ी चुनौती है, वहीं ऑर्गेनिक जांच सुविधाएं भी महंगी हैं। इसलिए अमूल ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों को बाजार से जोड़ने के अलावा देशभर में पांच स्थानों पर ऑर्गेनिक जांच प्रयोगशालाएं भी स्थापित करेगी। इस तरह की पहली प्रयोगशाला अहमदाबाद में अमूल फेड डेयरी में बनाई जा रही है। ऑर्गेनिक आटा जून के पहले हफ्ते से गुजरात में सभी अमूल पार्लरों और खुदरा दुकानों पर मिलने लगेगा। जून के बाद से गुजरात, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और पुणे में भी ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकेगा।

रिलायंस ने 2021-22 में सीएसआर गतिविधियों पर 1,185 करोड़ खर्च किए

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बीते वित्त वर्ष 2021-22 में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों पर रिकॉर्ड 1,184.93 करोड़ रुपए की राशि खर्च की है। कंपनी की ताजा सीएसआर रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी ने बीते वित्त वर्ष में महामारी की दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की आपूर्ति, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में यह राशि खर्च की है। रिपोर्ट कहती है कि वित्त वर्ष 2021-22 में सामाजिक जिम्मेदारी की पहल, स्वास्थ्य और समुदायों की बेहतरी कंपनी के एजेंडा में शीर्ष पर रही। कंपनी ने कहा कि वित्त वर्ष के दौरान उसने न केवल अपने कर्मचारियों और उनके परिजनों, बल्कि आपात स्थिति के दौरान देशभर में लोगों की बेहतरी के लिए यह राशि खर्च की है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021-22 में रिलायंस ने जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए सीएसआर गतिविधियों पर कुल 1,184.93 करोड़ रुपए की राशि खर्च की है। कंपनी अपनी सीएसआर गतिविधियां का संचालन परमार्थ इकाई रिलायंस फाउंडेशन के जरिये करती है। रिलायंस फाउंडेशन की प्रमुख नीता एम अंबानी हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बीते दो साल सेवा के थे। 2021 की शुरूआत काफी उम्मीदों के साथ हुई थी, लेकिन इस दौरान महामारी की दूसरी लहर के रूप में सबसे बड़ा संकट भी सामने आया, जिसने देश-दुनिया को बुरी तरह प्रभावित किया। रिपोर्ट कहती है कि महामारी के दौरान रिलायंस ने राष्ट्र के समक्ष आ रही जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया। साथ ही समुदायों को महामारी से उबरने और सशक्त करने में भी मदद की। कंपनी ने कहा कि यह सिर्फ सीएसआर के लिए नहीं था। बल्कि यह लोगों के जीवन, सपनों और भविष्य को बचाने के लिए था।

इस सप्ताह वृहद आर्थिक आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजारों की चाल

वैश्विक रुख भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। इस सप्ताह वृहद आर्थिक आंकड़े भारतीय शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। सप्ताह के दौरान घरेलू मोर्चे पर कई बड़े आंकड़े आने वाले हैं, जो बाजार की चाल तय करेंगे। विश्लेषकों का कहना है कि वृहद आर्थिक आंकड़ों के अलावा मुद्रास्फीति की चिंता के बीच वैश्विक रुख भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण होगा। इसके साथ ही बाजार भागीदारों की निगाह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख पर भी रहेगी। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर कई आंकड़े आने हैं, जिसके चलते बाजार काफी व्यस्त रहेगा। सप्ताह के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अलावा वाहन बिक्री और पीएमआई के आंकड़े भी आने वाले हैं। वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों के पीएमआई आंकड़े और अमेरिका के बेरोजगारी के आंकड़े भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगे। इन सब चीजों के बीच डॉलर इंडेक्स का उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल के दाम भी बाजार को प्रभावित करेंगे। एफपीआई अब भी बिकवाली कर रहे हैं। यह देखना काफी रोचक होगा कि धारणा में सुधार के बाद उनके रुख में बदलाव आता है या नहीं।

सप्ताह के दौरान अरविंदो फार्मा, जिंदल स्टील और सनफार्मा जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे भी आने वाले हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस सप्ताह नए माह की शुरूआत होगी। बाजार भागीदारों की नजर वाहन बिक्री, विनिर्माण और सेवा पीएमआई के आंकड़ों पर रहेगी। इससे पहले सभी को जीडीपी आंकड़ों का इंतजार रहेगा, जो 31 मई को आने हैं। बाजार भागीदार मानसून की प्रगति के बारे में भी जानना चाहेंगे। उनका कहना है कि बीते सप्ताह के अंतिम दिनों में बाजार अपने नुकसान की भरपाई कर पाया। अमेरिका के अनुकूल खुदरा बिक्री के आंकड़ों और एफपीआई की बिकवाली घटने से बाजार का रुख सुधरा। फेडरल रिजर्व और रिजर्व बैंक द्वारा जून में क्या कदम उठाया जाता है, आगे बाजार की रुख काफी हद तक इस पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बाजार भागीदारों की नजरें कच्चे तेल के दाम और रुपए की चाल पर भी रहेगी। वैश्विक स्तर पर मंदी की चिंता के बीच भारत में जीडीपी के आंकड़ों का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। सप्ताह के दौरान कई आंकड़े आने हैं। ऐसे में यह निश्चित रूप से घटनाक्रमों से भरा हफ्ता रहेगा।

बीते सप्ताह तेल-तिलहनों के थोक भाव में आई नरमी, मूंगफली में सुधार

गर्मियों की वजह से स्थानीय मांग कमजोर होने से तेल-तिलहनों की थोक कीमतों में गिरावट दर्ज हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक बाजारों की निर्यात मांग के कारण देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में कुछ सुधार देखा गया। वहीं गर्मियों की वजह से स्थानीय मांग कमजोर होने से बाकी सभी तेल-तिलहनों की थोक कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। बाजार के जानकारों ने कहा कि मूंगफली तेल की निर्यात मांग होने से बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में मूंगफली तेल-तिलहन के भाव में सुधार आया। विदेशों में मूंगफली तेल की मांग होने की वजह से निर्यातक गुजरात में मूंगफली तेल 160 रुपए प्रति किलो के भाव खरीद कर रहे हैं। इस निर्यात मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के भाव मजबूत हुए। लेकिन स्थानीय मांग कमजोर होने से बाकी खाद्य तेल-तिलहन कीमतों में नरमी दर्ज हुई। सूत्रों का कहना है कि यह दावा किया गया है कि खाद्य तेल-तिलहनों के थोक भाव में गिरावट आई है। यह पूछे जाने पर अगर गिरावट आई है तो आम उपभोक्ताओं को 190-210 रुपए लीटर या उससे अधिक कीमत पर सरसों तेल क्यों मिल रहा है। थोक विक्रेता आगे आपूर्ति करने के लिए खुदरा कंपनियों को 152 रुपए लीटर (अधिभार सहित) के हिसाब से आपूर्ति कर रहे हैं।

खाद्य तेल के एक प्रमुख ब्रांड ने शनिवार को 152 रुपए लीटर के भाव बिक्री की है लेकिन खुदरा कंपनियां यदि इस कीमत में मनमानी वृद्धि कर रही हैं, तो सरकार को उसपर अंकुश लगाने के बारे में सोचना चाहिए। छापेमारी से कुछ हासिल नहीं होगा उल्टा इससे तेल कारोबार की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होगी। जानकारी के मुताबिक पिछले साल के आयातित तेलों के दाम से देशी तेल (बिनौला, सरसों, मूंगफली आदि) लगभग 10-25 रुपए लीटर नीचे हैं और इसलिए इन तेलों का भंडारण किए जाने का कोई औचित्य नहीं है। जो तेल मिलें खुदरा कारोबार के लिए टैंकरों में तेल, सस्ते दाम पर बगैर मार्जिन के भरती हैं, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के साथ अन्य शुल्कों का समय पर भुगतान कर रही हों, उनके उपर छापेमारी से कोई नतीजा नहीं निकलेगा। थोक भाव के मुकाबले खुदरा भाव की निगरानी किये जाने की आवश्यकता है।

दुनिया की सबसे बड़ी कोयला कंपनी कोल इंडिया सात साल बाद कोयला आयात करेगी

मुंबई, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी कोयला कंपनी कोल इंडिया सात साल बाद कोयले का आयात करने जा रही है। कोल इंडिया ने कहा है कि देश में बिजली संकट और कोयले की कमी को देखते हुए उसने यह फैसला लिया है। इस संबंध में बिजली मंत्रालय ने एक पत्र जारी किया है। 2015 के बाद यह पहली बार होगा कि कोल इंडिया कोयला आयात करने जा रहा है। केंद्रीय बिजली मंत्रालय ने 28 मई को लिखे पत्र में कहा था कि कोल इंडिया गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट (जी2जी)बेसिस पर कोयले का आयात करेगी और राज्य के बिजली उत्पादकों और स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आईपीपी) के ताप बिजली संयंत्रों को सप्लाय किया जा सके। यह पत्र सभी उपयोगिताओं, संघीय कोयला सचिव और कोल इंडिया के अध्यक्ष समेत शीर्ष संघीय और राज्य ऊर्जा अधिकारियों को भेजा गया था। बिजली मंत्रालय ने पत्र में कहा कि लगभग सभी राज्यों ने सुझाव दिया था कि राज्यों द्वारा कई कोयला टेंडर से गड़बड़ी की आशंका हो सकती है। इस लिए कोल इंडिया के जरिए केंद्रीकृत खरीद का फैसला लेने की मांग की गई थी। इस महीने की शुरूआत में भारत सरकार ने राज्यों और कोयले से ऑपरेट होने वाली कंपनियों को जरूरत का कम से कम 10 प्रतिशत कोयला आयात करने के लिए कहा था। सरकार ने ऐसा नहीं करने पर घरेलू खनन कोयले की आपूर्ति में कटौती की चेतावनी दी थी। भारत के ऊर्जा क्षेत्र में कोयले के भंडार में कमी और उसके चलते बिजली की कटौती की खबरें हाल में सुर्खियों में रहीं थीं। आशंका जताई जा रही है कि मार्च 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष में कोयले की मांग 784.6 मिलियन टन होगी, जो पहले के अनुमान से 3.3 फीसदी ज्यादा है।

भारतीय तेल कंपनियों के 1,000 करोड़ रूस में फंसे

नई दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन पर हमले के बाद रूस से डॉलर में होने वाले विदेशी भुगतान पर रोक लगने से भारतीय तेल कंपनियों की आठ अरब रूबल (करीब 1,000 करोड़ रुपए) की लाभांश आय रूस में फंस गई है। सार्वजनिक तेल कंपनियों के अधिकारियों ने कहा कि भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने रूस में चार विभिन्न परिसंपत्तियों में हिस्सेदारी खरीद में करीब 5.46 अरब डॉलर का निवेश किया हुआ है। इन परिसंपत्तियों से निकलने वाले तेल एवं गैस की बिक्री से भारतीय कंपनियों को लाभांश आय होती है। हालांकि यूक्रेन संकट के बाद रूस की सरकार ने अमेरिकी डॉलर में भुगतान करने पर रोक लगा दी है। इस पाबंदी से भारतीय तेल कंपनियां रूस से अपनी आय नहीं निकाल पा रही है। वैंकोरनेफ्ट तेल एवं गैस क्षेत्र में भारतीय कंपनियों के पास 49.9 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि तास-युरिआख नेफ्तगेजोदोबाइचा क्षेत्र में उनकी हिस्सेदारी 29.9 फीसदी है। ऑयल इंडिया के लिमिटेड के निदेशक (वित्त) हरीश माधव ने कहा कि हमें अपनी परियोजनाओं से नियमित तौर पर अपनी लाभांश आय मिलती रही है लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद विदेशी मुद्रा दरों में अस्थिरता होने से रूसी सरकार ने डॉलर की निकासी पर पाबंदी लगाई हुई है। तास क्षेत्र से भारतीय कंपनियों को तिमाही आधार पर लाभांश मिलता था जबकि वैंकोरनेफ्ट की आय का भुगतान छमाही आधार पर किया जाता है। माधव ने कहा कि रूस के इन तेल-गैस क्षेत्रों में भागीदार भारतीय कंपनियों की करीब आठ अरब रूबल की लाभांश आय फंसी हुई है।

अमेरिका बना भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका बीते वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है। इससे दोनों देशों के बीच मजबूत होते आर्थिक रिश्तों का पता चलता है। इस तरह भारत के साथ व्यापार के मामले में अमेरिका ने चीन को पीछे. छोड़ दिया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 में अमेरिका और भारत का द्वपिक्षीय व्यापार बढ़कर 119.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। 2020-21 में यह आंकड़ा 80.51 अरब डॉलर का था। आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 में भारत का अमेरिका को निर्यात बढ़कर 76.11 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 51.62 अरब डॉलर रहा था। वहीं इस दौरान अमेरिका से भारत का आयात बढ़कर 43.31 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 29 अरब डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 में भारत-चीन द्विपक्षीय व्यापार 115.42 अरब डॉलर रहा, जो 2020-21 में 86.4 अरब डॉलर था। वित्त वर्ष के दौरान चीन को भारत का निर्यात मामूली बढ़कर 21.25 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो 2020-21 में 21.18 अरब डॉलर रहा था। वहीं इस दौरान चीन से भारत का आयात बढ़कर 94.16 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो 2020-21 में 65.21 अरब डॉलर पर था। वित्त वर्ष के दौरान भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 72.91 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो 2020-21 में 44 अरब डॉलर रहा था। व्यापार क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी वर्षों में भारत का अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार और बढ़ेगा, जिससे दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को और मजबूती मिलेगी।

खाद्य तेल सरसों, सोयाबीन सहित कई के दाम गिरे

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रहणियों के के लिए खुशखबरी है खाद्य तोलों पर मंहगाई की मार कम हो गई है। दरअसल, विदेशी बाजारों की निर्यात मांग के कारण देशभर के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार आया। वहीं, गर्मियों की वजह से स्थानीय मांग कमजोर होने से बाकी सभी तेल-तिलहनों की थोक कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि मूंगफली तेल की निर्यात मांग होने से बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में मूंगफली तेल-तिलहन के भाव में पर्याप्त सुधार आया। सूत्रों ने बताया कि विदेशों में मूंगफली तेल की मांग होने की वजह से निर्यातक गुजरात में मूंगफली तेल 160 रुपये प्रति किलो के भाव खरीद कर रहे हैं। इस निर्यात मांग के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के भाव मजबूत हुए। लेकिन स्थानीय मांग कमजोर होने से बाकी खाद्य तेल-तिलहन कीमतों में नरमी दर्ज हुई।

सूत्रों ने दावा किया कि खाद्य तेल-तिलहनों के थोक भाव में गिरावट आई है। यह पूछे जाने पर अगर गिरावट आई है, तो आम उपभोक्ताओं को 190-210 रुपये लीटर या उससे अधिक कीमत पर सरसों तेल क्यों मिल रहा है, सूत्रों ने कहा कि यह वास्तविकता है कि थोक भाव कम हुए हैं। थोक विक्रेता आगे आपूर्ति करने के लिए खुदरा कंपनियों को 152 रुपये लीटर (अधिभार सहित) के हिसाब से आपूर्ति कर रहे हैं। खाद्य तेल के एक प्रमुख ब्रांड ने शनिवार को 152 रुपये लीटर के भाव बिक्री की है, लेकिन खुदरा कंपनियां यदि इस कीमत में मनमानी वृद्धि कर रही हैं, तो सरकार को उसपर अंकुश लगाने के बारे में सोचना चाहिए। छापेमारी से कुछ हासिल नहीं होगा, उल्टा इससे तेल कारोबार की आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि छापेमारी के बजाय केवल बाजार में घूम-घूम कर खुदरा विक्रेता कंपनियों के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) की जांच की जाए, तो समस्या की जड़ में पहुंचा जा सकेगा। लेकिन अगर खुदरा बिक्री कंपनियां एक सीमा से अधिक जाकर मनमाना पैसा वसूलने पर उतारू हो जायें, तो बढ़ती मुद्रास्फीति को संभालना मुश्किल होगा।

सूत्रों ने कहा कि थोक बिक्री मूल्य के हिसाब से खुदरा में सरसों तेल अधिकतम 158-165 रुपये लीटर तथा सोयाबीन तेल अधिकतम 170 से 172 रुपये लीटर मिलना चाहिए। इस कीमत पर उपभोक्ताओं को खाद्य तेल आपूर्ति के लिए सरकार को यथासंभव प्रयास करना होगा। सूत्रों ने कहा कि जिस मात्रा में सरसों का रिफाइंड बनाकर आयातित तेलों की कमी को पूरा किया जा रहा है, उससे आगे जाकर सरसों की भारी दिक्कत आयेगी, क्योंकि इसका कोई विकल्प नहीं है। कम से कम खुद का तेल मिल संचालन करने वाली सहकारी संस्था हाफेड को पर्याप्त मात्रा में सरसों का स्टॉक बनाने को लेकर गंभीर होना पड़ेगा। सूत्रों ने कहा कि पिछले साल के आयातित तेलों के दाम से देशी तेल (बिनौला, सरसों, मूंगफली आदि) लगभग 10-25 रुपये लीटर नीचे हैं और इसलिए इन तेलों का भंडारण किये जाने का कोई औचित्य नहीं है। जो तेल मिलें खुदरा कारोबार के लिए टैंकरों में तेल, सस्ते दाम पर बगैर मार्जिन के भरती हैं, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के साथ अन्य शुल्कों का समय पर भुगतान कर रही हों, उनके उपर छापेमारी से कोई नतीजा नहीं निकलेगा। थोक भाव के मुकाबले खुदरा भाव की निगरानी किये जाने की आवश्यकता है।

सूत्रों ने बताया कि पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 100 रुपये टूटकर 7,415-7,465 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल 200 रुपये टूटकर समीक्षाधीन सप्ताहांत में 14,850 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमशः 30-30 रुपये की हानि के साथ क्रमशः 2,335-2,415 रुपये और 2,375-2,485 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। सूत्रों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 225-225 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,800-6,900 रुपये और 6,500-6,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने का दबाव नहीं : नीरज

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा है कि वह जुलाई में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने के इरादे से उतरेंगे पर इसके लिए अधिक दबाव नहीं लेंगे। नीरज ने कहा कि उनकी नीति विश्व चैम्पियनशिप में वही रहेगी जो ओलंपिक में थी। इसलिए वह इस प्रतियोगिता में पदक जीतने के बारे में अधिक सोच विचार कर अपने पर गैर जरुरी दबाव नहीं बनाना चाहते हैं। इस खिलाड़ी ने कहा कि अगर वह इस प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने में सफल रहे तो अवश्य ही जीतेंगे।

नीरज अभी अभ्यास के लिए फिनलैंड में हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल ओलंपिक में मैंने कोई दबाव नहीं लिया था, मैं यह नहीं सोच रहा था कि मुझे स्वर्ण पदक जीतना ही है। इसलिए मैंने अच्छा किया और स्वर्ण पदक जीता। मेरा प्रयास हमेशा हालातों के अनुसार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना रहा है। अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ करता हूं और भविष्य के लिए और सुधार करता और सीखता हूं तो मुझे संतोष मिलता है। चोपड़ा ने कहा , मैं विश्व चैम्पियनशिप के दौरान भी ऐसा ही करूंगा। अब देखते हैं कि परिणाम कैसा रहता है, मैं पदक जीतने में सफल रहता हूं या नहीं। यह जरुरी नहीं ओलिम्पिक में स्वर्ण पदक जीता है तो विश्व चैम्पियनशिप में भी पदक जीत ही जाउं। मैं देखूंगा कि भविष्य को देखते हुए किस प्रकार के सुधार हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि थोड़ा दबाव तो है, यह स्वभाविक है पर मैं हमेशा ही तनावरहित रहने का प्रयास करता हूं। इसके अलावा परिणाम के बारे में ज्यादा नहीं सोचता।

फ्रेंच ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे बोपन्ना, मिडलकूप

पेरिस, एजेंसी। भारत के रोहन बोपन्ना और नीदरलैंड के माटवे मिडलकूप की जोड़ी ने फ्रेंच ओपन टेनिस के क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी है। इस पुरुष युगल जोड़ी ने यहां माटे पाविच और निकोल मेकटिच की जोड़ी को हराया।

बोपन्ना-मिडलकूप की जोड़ी ने करीब ढ़ाई घंटे तक चले मुकाबले में पाविच और मेकटिच की जोड़ी को 6-7, 7-6, 7-6 से हराया।

पाविच-मेकटिच ने पहला सेट जीत जीता। इसके बाद बोपन्ना-मिडलकूप की जोड़ी के दूसरे सेट में जीत हासिल करने से दोनों जोड़ियां बराबरी पर आ गयीं। तीसरे सेट के शुरूआती गेम में ही पाविच-मेकटिच की जोड़ी को ब्रेक का अवसर मिला जब मिडलकूप का फोरहैंड लंबा गया। मिडलकूप ने पहली सर्विस शानदार की थी पर मेकटिच ने मजबूत रिटर्न किया और 2-0 से बढ़त बना ली। वहीं बोपन्ना ने अपनी सर्विस बरकरार रखी।

पाविच ने भी अपनी सर्विस बचायी जिससे दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी अब 3-1 से आगे हो गयी। मिडलकूप की सर्विस पर बोपन्ना ने नेट के करीब बैकहैंड में गलती कर दी और ब्रेकप्वाइंट तक पहुंचे, पर इसे और अगले को भी बचाने में सफल रहे। दसवें गेम में मेकटिच सर्विस करते हुए दबाव में नजर आये। एक मैच अंक से पिछड़ रहे मिडलकूप ने विनर और फिर बोपन्ना ने फारहैंड पर शानदार विनर लगाकर 5-5 से बराबरी हासिल की। इसके बाद मैच की लय बदल गई।

संक्षिप्त समाचार

जीता

रुद्रांक्ष निशानेबाजी विश्व कप के अंतिम आठ में पहुंचे

बाकू , एजेंसी। भारत के रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल ने अजरबैजान में जारी आईएसएसएफ विश्व कप राइफल , पिस्टल और शॉटगन प्रतियोगिता के पहले दिन 10 मीटर एयर राइफल के अंतिम आठ में जगह बनायी है। भारत ने इस विश्व कप में केवल 12 सदस्यीय राइफल टीम ही मैदान में उतारी है। हाल ही में हुए जूनियर विश्व कप में जीते रुद्रांक्ष ने 78 मजबूत क्वालीफिकेशन क्षेत्र में 628.8 अंक के साथ ही चौथा स्थान हासिल किया था। वहीं सर्बिया के लजार कोवेसेविक ने 60-क्वालीफाइंग शॉट्स के बाद 630.6 के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसके अलावा भारत के ही दीपक कुमार ने 626.8 अंक के साथ 15वां, पार्थ मखीजा ने 624.7 अंक के साथ 26वां स्थान हासिल किया है।

आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल के 15 वें सत्र में इस बार एक हजार से ज्यादा छक्के लगे हैं। यह पहली बार है जबकि आईपीएल में पहली बार किसी एक सत्र में हजार से भी ज्यादा छक्के हों। इस सत्र में सबसे ज्यादा छक्के के मामले में राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर नंबर एक पर हैं। बटलर ने 16 मैचों में 151.47 की स्ट्राइक रेट से 824 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 16 मैचों में 45 छक्के लगाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर पंजाब किंग्स के लियाम लिविंगस्टोन हैं। लिविंगस्टोन के नाम 34 छक्के हैं। वहीं 32 छक्कों के साथ आंद्रे रसेल तीसरे नंबर पर हैं। चौथे नंबर पर 30 छक्कों के साथ लखनऊ सुपरजायंटस के कप्तान लोकेश राहुल हैं। वहीं पांचवें नबर पर राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन हैं। संजू ने 16 मैचों में 26 छक्के लगाये हैं।

आईपीएल के बाद अब टी20 ब्लास्ट में छक्के बरसा रहे लिविंगस्टोन

लंदन, एजेंसी। आईपीएल के 15वें सीजन में सबसे ज्यादा छक्के मारने के मामले में दूसरे स्थान पर रहे पंजाब किंग्स के लियाम लिविंगस्टोन अब इंग्लैंड में भी छक्के बरसा रहे हैं। लिविंगस्टोन ने इंग्लैंड में टी20 ब्लास्ट टूर्नामेंट में लैंकशर की तरफ से खेलते हुए जमकर शॉट खेले हैं। लिविंगस्टोन ने इस दौरान एक छक्का इतना लंबा लगाया कि गेंद सीधे स्टेडियम के बाहर पहुंच गई। इसका एक वीडियो भी वाइटैलिटी ब्लास्ट ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से साझा किया है। लिविंगस्टोन के इस लंबे छक्के को देखकर सभी हैरान हो गये। लिविंगस्टोन ने 16 गेंद में 23 रन बनाये। अपनी इस पारी में लिविंगस्टोन ने 2 चौके और एक छक्का लगाया। इस मैच में लैंकशर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 183 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए यॉर्कशर की टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 183 रन बनाकर मैच को बराबरी पर ला दिया।

अगले सत्र में अच्छी वापसी करेंगे सिराज

अहमदाबाद, एजेंसी। रायल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) के माइक हेसन ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अगले सत्र में अच्छी वापसी करेंगे। हेसन ने माना है कि राजस्थान के खिलाफ मुकाबले में सिराज प्रभावी नहीं रहे थे क्योंकि बल्लेबाज ने उन्हें निशाना बनाया था। हेसन ने कहा कि इससे सिराज के आत्मविश्वास पर भी प्रभाव पड़ा है। सिराज ने इस साल का आईपीएल 15 मैचों में 10.08 की इकॉनमी से केवल नौ विकेट लिए हैं। माइक ने कहा, मोहम्मद हेसन ने कहा कि सिराज एक अच्छा गेंदबाज है, उसके पास अपना सर्वश्रेष्ठ टूनार्मेंट नहीं था पर हम जानते हैं कि वह अच्छी वापसी करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि राजस्थान के खिलाफ मैच में वह हमें नई बॉल पर विकेट नहीं दिला पाया।

महिला को धमकी देने के मामले में फंसे स्लेटर

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई के पूर्व क्रिकेटर माइकल स्लेटर पर एक महिला को धमकी देने का आरोप लगा है। इस महिला ने स्लेटर पर मारपीट के साथ ही पीछा करने का भी आरोप लगाया है। स्लेटर को इस मामले में हालांकि जमानत मिल गई है।

पुलिस के अनुसार, ह्य उत्तरी समुद्र तट पुलिस एरिया कमांड से जुड़े अधिकारियों को वेस्ट प्रोमेनेड, मैनली में बुलाया गया था। वहां आने पर पुलिस को पता चला कि 52 साल के एक व्यक्ति ने 35 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर मारपीट की थी। इन आरोपों के आधार पर पुलिस स्लेटर को गिरफ्तार करना चाह रही थी।ह्ल

स्लेटर को मजिस्ट्रेट के सामने इस शर्त के साथ जमानत दी गई है कि उसने पीड़िता से संपर्क नहीं किया था। साथ ही शराब या अवैध ड्रग्स का भी इस्तेमाल नहीं किया। इससे पहले स्लेटर पर अपने पूर्व पार्टनर को पीछा करने एवं धमकाने का भी आरोप लगा था।

पेरिस में चैम्पियंस लीग फुटबॉल फाइनल में जीत के बाद उत्साहित रियल मैड्रिड के खिलाड़ी।

बीच के ओवरों में साझेदारी नहीं बनने के कारण हारे : दीप्ति

करीबी मुकाबले के लिए तैयार थे : हरमनप्रीत

पुणे, एजेंसी। वेलोसिटी टीम की कप्तान दीप्ति शर्मा महिला टी20 चैलेंज क्रिकेट टूनार्मेंट के खिताबी मुकाबले में सुपरनोवाज के हाथों 4 रनों से मिली हार से निराश हैं। वेलोसिटी को अंतिम ओवर में जीत के लिए 17 रनों की जरूरत थी पर टीम 12 रन ही बना पायी। दीप्ति ने कहा है कि बीच के ओवरों में साझेदारी नहीं बनने के कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा। दीप्ति ने कहा, ह्यबीच के ओवरों में अगर हम साझेदारी बनाते तो जीत अवश्य मिलती।ह्ल दीप्ति ने फाइनल मुकाबले में 4 ओवर में 20 रन देकर 2 विकेट लिए। दीप्ति के अलावा केट क्रॉस और सिमरन बहादुर ने भी 2-2 विकेट लिए।

उन्होंने कहा, ह्यपिछले मैचों में हमने जैसी बल्लेबाजी की थी, उससे लगा था कि लक्ष्य हासिल कर लेंगे पर ऐसा हुआ नहीं। मैच में लौरा वॉलवार्ट और सिमरन बहादुर ने अच्छी बल्लेबाजी की। कुल मिला कर प्रदर्शन अच्छा रहा पर हम लक्ष्य से दूर रह गए।ह्ल

वहीं जीत से उत्साहित सुपरनोवाज की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि वह इस तरह के करीबी मुकाबले के लिए तैयार थी। मैच के बाद पुरस्कार समारोह में हरमनप्रीत ने कहा, ह्यमेरी धड़कनें सामान्य थीं। मैं मैच के आखिरी ओवर तक जाने के लिए तैयार थी।ह्ल

उन्होंने साथ ही कहा, ह्यदूसरी पारी में शुरूआत हमारे पक्ष में नहीं थी लेकिन हम जानते थे कि यह 2 विकेट का मामला है। हमें वह मिला क्योंकि हम अपनी योजनाओं पर बने रहे। इसके अलावा सोफी एक्लेस्टोन ने शानदार गेंदबाजी की।ह्ल हरमनप्रीत ने इस मैच में 43 रन जबकिक डिएंड्रा डॉटिन ने सबसे ज्यादा 62 रन बनाए।

एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप मैच नये स्टेडिमय में खेले जाएंगे

राउरकेला, एजेंसी। उड़ीसा के सुंदरगढ़ जिले में देश का सबसे हॉकी स्टेडियम बनाया जा रहा है। इस नये स्टेडियम का नाम बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम रखा गया है और यह अक्टूबर तक बनकर तैयार हो जाएगा। अगले साल जनवरी में एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के मैच इसी स्टेडियम में होंगे। भुवनेश्वर में कलिंग स्टेडियम की क्षमता 15000 दर्शकों की है पर विश्व कप के दौरान बिरसा मुंडा स्टेडियम में 20000 दर्शक मैदान में रहेंगे।

राउरकेला शहर में बाहरी क्षेत्र में स्टेडियम के निर्माण का कार्य पिछले साल जून में शुरू किया गया था। इस स्टेडियम के निर्माण की लागत तकरीबन 200 करोड़ रुपये है। उड़ीसा के खेल विभाग के सलाहकार स्वागत सिंह ने कहा, ह्यह्ययह भारत का सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम होगा। हमें लग रहा है कि यह विश्व में सबसे बड़ा हॉकी स्टेडियम होगा हालांकि अभी अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने इसकी पुष्टि नहीं की है।ह्लह्ल उन्होंने इसके साथ ही कहा कि अक्टूबर में इस स्टेडियम में प्रो लीग के मैच आयोजित करने की भी योजना है। इनसे इस स्टेडियम का परीक्षण भी हो जाएगा। विश्व कप के बाद सरकार इस पूरे परिसर को हॉकी अकादमी के रूप में बदलेगी।

प्राची ने पैराकैनो विश्व कप में कांस्य जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। पैरा कैनो एथलीट प्राची यादव ने पोलैंड में जारी पैराकैनो विश्व कप में कांस्य पदक जीता है। प्राची इस प्रकार 200 मीटर महिला वीएल2 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं। प्राची ने 1:04.71 सेकेंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। रजत पदक कनाडा की ब्रियाना हेनेसी को मिला। हेनेसी (1:01.58२) का समय निकाला जबकि स्वर्ण पदक ऑस्ट्रेलिया की सुजान सेपेल ने (1:01.54२) का समय निकालकर हासिल किया। दूसरी ओर पुरुष वर्ग में पहली बार भारत के ही मनीष कौरव ने केएल पुरूष 200 मीटर और मंजीत सिंह ने वीएल2 पुरूष 200 मीटर स्पधाओं के फाइनल्स में जगह बनायी है। इसके अलावा भारत के ही जयदीप ने वीएल3 पुरूष 200 मीटर स्पर्धा के सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई किया।

रियल मैड्रिड ने 14वीं बार चैम्पियंस लीग खिताब जीता

भीड़ को नियंत्रित करने पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे

पेरिस, एजेंसी। स्पेन के क्लब रियल मैड्रिड ने 14वीं बार चैम्पियंस लीग फुटबॉल खिताब जीत लिया है। रियल ने शनिवार देर रात खेले गए फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के क्लब लिवरपुल को 1-0 से हराया। रियल की ओर से 59वें मिनट में एकमात्र विजयी गोल विनिसियस जूनियर ने किया।

चैम्पियंस लीग फाइनल को देखने के लिए तकरीबन 80 हजार दर्शक स्टेडियम में उपस्थित थे। इसी कारण मैच भी 30 मिनट देर से शुरू हुआ।

स्टेडियम में प्रवेश के दौरान बेकाबू भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखा है कि लिवरपुल के बेकाबू प्रशंसकों पर सबसे ज्यादा आंसू गैस स्प्रे और गोले का इस्तेमाल हुआ।

इस मैच को भारतीय समयानुसार देर रात 12.30 बजे शुरू होना था पर यह 30 मिनट देर से शुरू हुआ। यूईएफए ने अपने एक बयान में कहा,सुरक्षा कारणों से मैच देर से शुरू हुआ। वहीं स्टेडियम के बाहर प्रशंसक अपने टिकट दिखाकर प्रवेश करते नजर आये। मैच में दोनो ही टीमों ने शुरूआत से ही एक दूसरे पर हमले बोल दिये। पहला हाफ गोलरहित रहा। वहीं इसके बाद दूसरा हाफ शुरू होते ही रियल ने हमले शुरू कर दिये। इस मैच में रियल के क्लब मैनेजर कार्लो एंसेलोटी ने भी इतिहास बनाया है। अब वह चार बार यह खिताब जीतने वाले पहले मैनेजर बने हैं।

सुपरनोवाज ने तीसरी बार महिला टी20 चैलेंज का खिताब जीता

पुणे, एजेंसी। सुपरनोवाज ने वेलोसिटी को रोमांचक फाइनल मुकाबले में 4 रनों से हराकर तीसरी बार महिला टी20 चैलेंज खिताब जीता है। इससे पहले सुपरनोवाज ने साल 2018 और 2019 में भी यह खिताब जीता था। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में उतरी सुपरनोवाज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 165 रन बनाए। इस दौरान उसकी ओर से डिएंड्रा डॉटिन ने अर्धशतक लगाया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए वेलोसिटी की टीम 8 विकेट पर 161 रन ही बना पायी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वेलोसिटी की शुरूआत अच्छी रही। उसने तेजी से खेलते हुए 2 ओवर में ही टीम का स्कोर बिना विकेट के 28 रन था। तीसरे ओवर में शेफाली वर्मा 15 रन बनाकर पेवेलियन लौट गयीं। अगले ओवर में ही यास्तिका भाटिया भी आउट हो गयीं। उन्होंने 9 गेंद पर 13 रन बनाए। किरण नवगीरे खाता भी नहीं खोल पायीं जबकि एन चैंथम 6 रन बनाकर आउट हुईं। इस प्रकार टीम का स्कोर 4 विकेट पर 58 रन पहुंच गया। कप्तान दीप्ति शर्मा भी केवल 2 रन बना पायीं। लौरा वोल्वार्ट और स्नेह राणा ने टीम को संभालने का प्रयास किया पर वह नाकाम रहीं। राणा 15 रन बनाकर लेग स्पिनर अलाना किंग का शिकार हुईं जबकि केट क्रॉस ने 7 गेंद पर 13 रन बनाए, वहीं राधा यादव खाता नहीं खोल पायीं। वोल्वार्ट ने 34 गेंद पर अर्धशतक लगाया। टीम को जीत के लिए अंतिम 12 गेंद पर 34 रन बनाने थे पर टीम विफल रही। सुपरनोवाज की ओर से एक्लेस्टोन ने 2 विकेट लिए। इससे पहले डिएंड्रा डॉटिन 62 और कप्तान हरमनप्रीत कौर 43 की आक्रामक बल्लेबाजी से सुपरनोवाज ने 7 विकेट पर 165 रन बनाए थे। वेलोसिटी के लिए केट क्रॉस, दीप्ति शर्मा और सिमरन बहादुर ने 2-2 विकेट लिए।

आईपीएल के इस सत्र में आरसीबी के युवा रहे सफल , स्टार रहे फ्लाप

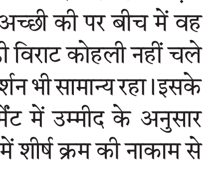

मुम्बई, एजेंसी। आईपीएल के इस 15 वें सत्र में तीसरे स्थान पर आयी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम का खिताब जीतने का सपना इस बार भी टूट गया। दूसरे क्वालीफायर में उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार के बाद बाहर होना पड़ा। इस सत्र की शुरूआत आरसीबी ने अच्छी की पर बीच में वह लड़खड़ा गयी। उसके स्टार खिलाड़ी विराट कोहली नहीं चले जबकि कप्तान फाफ डुप्लेसी का प्रदर्शन भी सामान्य रहा। इसके साथ ही उसका शीर्ष क्रम भी टूनार्मेंट में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाया। टीम पूरे सत्र में शीर्ष क्रम की नाकाम से परेशान रही।

फाफ डुप्लेसी के साथ शुरू के मैचों में अनुज रावत ने पारी की शुरूआत की पर असफल रहने के बाद विराट कोहली को पारी की शुरूआत के लिए भेजा गया। विराट भी सलामी बल्लेबाज के तौर पर कोई कमाल नहीं दिखा पाये। वह तीन बार पहली ही गेंद पर आउट हुए और केवल दो अर्धशतक की लगा पाये। स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा। विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का प्रदर्शन हालांकि अच्छा रहा।

गेंदबाज हर्षल पटेल ने भी शानदार गेंदबाजी कर अपने को साबित किया पर उन्हें बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज गेंदबाजी में प्रभावी नहीं रहे। श्रीलंका के वनिंदु हसरंगा ने अच्छी गेंदबाजी की। वहीं युवा रजत पाटीदार ने शानदार प्रदर्शन कर खेलने के लिए मिले अवसर का भरपूर लाभ उठाया। रजत को टीम ने नहीं खरीदा था और उन्हें लवनीत सिसोदिया की जगह उतारा गया था। रजत आईपीएल प्लेऑफ में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज भी बने।

स्वास्थ्यवर्धक शरीफा

शरीफा एक फल होता है जो अंग्रेजी में कस्टर्ड एप्पल के नाम से जाना जाता है। ये फल स्वाद में मीठा होता है और स्वीट डिश बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम , फाइबर, मैग्निशियम पाया जाता है जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता

- कस्टर्ड एप्पल विटामिन बी-6 से अधिक होता है जो अस्थमा को ठीक करने में बहुत लाभकारी होता है।
- मैग्निशियम, पोटैशियम से भरपूर शरीफे को खाने से हार्ट प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाया जा सकता है। हार्ट पेशेंट्स को प्रतिदिन शरीफे का उपयोग करना चाहिए। फायदा मिलेगा।
- आंखों की रोशनी को तेज करने में शरीफा अहम रोल निभाता है। इसमें विटामिन ए, राइबोफ्लेविन, विटामिन सी मौजूद होता है जो बहुत फायदेमंद होता है।
- प्रेगनेंसी में होने वाली प्रॉब्लम्स को ठीक करने में शरीफा बहुत लाभदायक होता है। ये कॉपर और आयरन से अधिक होता है जो प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए काफी अच्छा होता है।
- कस्टर्ड एप्पल में फाइबर प्रचुर मात्रा में मौजूद होता है। ये कब्ज की समस्या से निजात दिलाने में फायदेमंद होता है।
- आयरन और कॉपर से भरपूर शरीफा शरीर में खून की कमी को दूर करता है।
- ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में शरीफा बहुत फायदेमंद होता है। इसके सेवन से डायबिटीज को भी नियंत्रित किया जा सकता है।

लम्बे बालों के लिए ऐसे करें वैसलीन का उपयोग

प्रत्येक लड़की यह लड़की चाहती है कि उसके बहुत ही घने लंबे बाल हो। लंबे घने बाल आपकी सुंदरता में और चांर चांद लगा देते है। बहुत से लोग मार्केट में उपलब्ध कई तरह के प्रोडक्ट ले आते है। जो कि फायदे करने तो दूर उससे अधिक बालों को नुकसान पहुंचता है। इसीलिए आज हम आपको एक ऐसा उपाय बताने जा रहे है। जिसे अपनाकर कुछ ही दिनों में आपके बाल इतने लंबे हो जाएं कि उन्हें काटने की जरुरत पड़ जाएगी। आम तौर पर वैसलीन का इस्तेमाल ड्राई स्किन को पूरी तरह सॉफ्ट बनाना होता है, लेकिन इसके और भी फायदे है जिनके बारें में आप शायद नहीं जानते होंगे।

सामग्री : वैसलीन, एलोवेरा जैल, विटामिन ई कैप्सूल

ऐसे बनाएं : एक बाउल में एक चम्मच वैसलीन लें और इसे डबल बॉयलर प्रोसेस से पिघला लें। जब ये पिघल जाएं तो इसमें एक चम्मच एलोवेरा जैल और 1 विटामिन ई कैप्सूल का ऑयल डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।

ऐसे करें यूज : आप ये देख लें कि आपके स्कैल्प साफ है। इसके बाद इस सिरम को अपने स्कैल्प पर अच्छी तरह से रगाकर कम से कम 4-5 मिनट मसाज कर छोड़ दें। रातभर लगा रहने के बाद दूसरे दिन किसी अच्छे शैंपु से बाल धो लें।

बच्चों का दिमाग कैसे बढ़ाएं

बच्चों से कराएं आसान योगासन

पश्चिमोत्तानासन : इस आसन के दौरान रीढ़ की हड्डी के साथ शरीर का पिछला भाग तन जाता है जिसके कारण इसका नाम पश्चिमोत्तानासन दिया गया है। यह स्वस्थ के लिए, बहुत ही ज्यादा लाभदायक आसन है। यह विभिन्न प्रकार की बिमारियों को दूर करने में मदद करता है।

- सबसे पहले आप जमीन पर बैठ जाएं। अब आप दोनों पैरों को सामने फैलाएं।
- पीठ की पेशियों को ढीला छोड़ दें। सांस लेते हुए अपने हाथों को ऊपर लेकर जाएं।
- फिर सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुके।
- धीरे धीरे सांस लें, फिर धीरे धीरे सांस छोड़े। और अपने हिसाब से इस अभ्यास को धारण करें।
- धीरे धीरे इस की अवधि को बढ़ाते रहे। यह एक चक्र हुआ।

शशांकासन : यह तनाव और चिंता को दूर करने के लिए एक बेहतर आसन है। इससे पेट के अंगों की मसाज होती है और पाचन तंत्र बेहतर होता है।

- सबसे पहले जमीन पर दरी या चटाई बिछाकर बैठ जाएं।
- दाहिने पैर को मोड़कर पीछे की ओर यानि हिप्स के नीचे रखें।
- ठीक इसी तरह बाएं पैर को मोड़कर पीछे की ओर यानि बाएं हिप्स के नीचे रखें और बैठ जाएं।
- अब सांस लेते हुए दोनों हाथों को ऊपर की ओर करें।
- इसके बाद धीरे-धीरे सांस को बाहर छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें।
- अब सांस लेते हुए सबसे पहले पेट व सीने को उठाए और हाथों को उठाते हुए पहली पोजीशन में जाएं।
- इसी तरह से इस क्रिया को 4 से 5 बार करें।

पवनमुक्तासन : यह आसन शरीर में मौजूद आवश्यकता से अधिक गैस को बाहर निकालने में सहायक है। यह आपके शरीर से हानिकारक गैस को बहार निकालने में भी मदद करता है और आपको बहुत सारी बिमारियों एवं परेशानियों से बचाता है।

- सबसे पहले आप पीठ के बल लेट जाएं। दोनों पैरों को फैलाएं और इनके बीच की दूरी को कम करें।
- अब दोनों पांव उठाएं घुटने मोड़ें। घुटनों को बांहों से घेर लें।
- सांस छोड़े, घुटनों को दबाते हुए छाती की ओर लाएं। सिर उठाएं तथा घुटनों को छाती के निकट लाएं जिससे ठोड़ी घुटनों को स्पर्श करने लगे।

हेल्दी रहने के लिए पीएं चाकलेट मिल्क

चाकलेट एक ऐसी चीज है जो बच्चों की पसंदीदा तो होती है ही, साथ ही बडों को भी यह काफी अच्छी लगती है। अगर आपका नाम भी ऐसे लोगों की लिस्ट में शुमार है जो चाकलेट के दीवाने हैं तो आप आज से ही चाकलेट मिल्क पीना शुरू कर दीजिए। इससे आपको टेस्ट तो आएगा ही, साथ ही आपको कई तरह के स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त होंगे। तो चलिए जानते हैं चाकलेट मिल्क पीने के फायदों के बारे में-

★चॉकलेट मिल्क शरीर की मांसपेशियों के ऊतकों के पुनर्निर्माण और कुशलतापूर्वक ऊर्जा की आपूर्ति को फिर से भर देता है। दरअसल चॉकलेट मिल्क आपकी ऊर्जा को बढ़ाने रखने के लिए कार्बोहाइड्रेट प्रदान करता है।

★एक कप चॉकलेट मिल्क 9 ग्राम प्रोटीन और विटामिन ए के लिए आरडीए का 10 प्रतिशत प्रदान करता है। त्वचा स्वास्थ्य के लिए विटामिन ए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह त्वचा की झुर्रियों को रोकने में मदद करता है, और नई त्वचा कोशिकाओं का उत्पादन बढ़ाता है, जो पुराने क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को बदल देता है।

★एक कप चॉकलेट मिल्क में विटामिन डी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन डी आपकी हड्डियों और दांतों को मजबूत करने के लिए जाना जाता है। विटामिन डी के सेवन से कार्डियोवस्कुलर और रेस्पिरेटरी बीमारियों के जोखिम को कम किया जा सकता है।

घर पर करें फ्रेश कोकोनट मिल्क हेयर स्पा

नारियल के दूध को गुणों से भरपूर माना जाता है। इसमें एंटीबैक्टीरियल प्रॉपटीज हैं। साथ ही इसमें विटामिन सी और ई होता है जिससे स्किन जवां नजर आती है। यही नहीं, इसमें विटामिन बी, खनिज, कॉपर, सेलेनियम, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस की प्रचुर मात्रा होती है, जो स्किन के अलावा बालों के लिए काफी फायदेमंद है। बालों को मजबूत और सिल्की बनाने के लिए आप नेचुरल कोकोनट मिल्क का इस्तेमाल कर सकते हैं-

हेयर स्पा

ताजे नारियल के दूध को अपने सिर और बालों के सिरों में मसाज करते हुए अप्लाई करें। इसके बाद बालों पर गर्म पानी का तौलिया लपेट लें। पांच मिनट बाद हटा दें, इसके बाद तीन से चार बार इस प्रक्रिया को दोहराएं।

कंडीशनर की तरह करें इस्तेमाल

आप नारियल के दूध का इस्तेमाल कंडीशनर की तरह भी कर सकते हैं। शैंपू करने के बाद इसे हाथों में लेकर बालों की मसाज करें। 2-3 मिनट छोड़कर ठंडे पानी से धो लें।

ऐसे निकालें कोकोनट मिल्क

- मिक्सर जार में कसा हुआ नारियल और एक कप पानी डालें।
- अब नारियल को मिक्सर में बारीक पीस लें।
- अब एक साफ मलमल का कपड़ा बर्तन पर लगाएं। कपड़े में पिसा नारियल डालें।
- फिर कपड़े को कसकर बांधें और नारियल को बर्तन में निचोड़ लें।
- स तरह गाढ़ा कोकोनट मिल्क तैयार है, जिसे कोकोनट मिल्क का फर्स्ट एक्सट्रैक्ट भी कहते हैं।
- अब कपड़े में बचे हुए नारियल को फिर एक कप पानी के साथ मिक्सर में पीस लें।
- इसे फिर से कपड़े में डालकर दूसरे बर्तन में छान लें। यह पतला कोकोनट मिल्क है। इसे सेकेंड एक्सट्रैक्ट कहते हैं।
- इससे भी पतला कोकोनट मिल्क तैयार करने के लिए, कपड़े में बचे हुए नारियल को फिर से एक कप पानी के साथ ग्राइंडर में ग्राइंड करें।
- अब इसे कपड़े में डालकर अलग बर्तन में छानें। यह थर्ड एक्सट्रैक्ट और तीसरा कोकोनट मिल्क तैयार है।
- इस तरह तैयार है कुकिंग में इस्तेमाल करने के लिए ताजा कोकोनट मिल्क।

तेज दिमाग के लिए खाएं ये चीजें

एक शोध में यह पता लगाया गया है कि ज्यादा पानी का सेवन करने से आपकी दिमागी क्षमता बढ़ती है। कुछ खाने की चीजें जिनसे दिमाग तेज होगा।

अजवाइन की पत्तियां

आपको बता दें कि इसकी पत्तियों में एंटी ऑक्सीडेंट्स मौजूद होता है। जिससे हरमाड़ा दिमाग तेज हो सकता है। इस कारण आपको इसका सेवन करना चाहिए जिससे आपका दिमाग तेज हो सके।

काली मिर्च

काली मिर्ची के अंदर पेपरिन मौजूद होता है , जो कि आपके इंडोरफिन्स के लेवल को बढ़ा सकता है। आप काली मिर्च के सेवन से तेज दिमाग पा सकते है।

दालचीनी

दालचीनी एक ब्यूटी प्रोडक्ट जैसी ही है। परंतु दिमाग तेज करने के लिए दालचीनी में शहद मिलाएं और इसका सेवन करें।

जायफल

अगर आप जायफल का सेवन करेंगे तो आपका दिमाग भी तेज होने लगेगा। आप इसका सेवन दूध में मिलाकर जार सकते है। यह हमेशा सेवन करने से आपका दिमाग जल्द ही तेज होने लगेगा।

सेहत के लिए फायदेमंद है पीनट बटर

वेट लॉस : पीनट बटर में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, यही वजह है कि इसका एक चम्मच खाने से पेट भरा रहता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसके एक सर्विंग में 2.6 ग्राम फाइबर और 7 से 8 ग्राम प्रोटीन होता है। रोस्टेड ब्रेड पर पीनट बटर खाना लोग काफी पसंद करते हैं। ये कैलोरी, वसा और सोडियम में भी कम होता है। ये वजन कम करने में भी मदद कर सकता है।

कैंसर के रिस्क : कुछ अध्ययन के मुताबिक पीनट बटर को विशेष रूप से पेट के कैंसर के साथ जोड़ कर देखा जाता है। इसमें कई यौगिक होते हैं, जो शरीर से मुक्त कणों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। यहां तक कि मूंगफली में मौजूद विटामिन ई, कोलन, फेफड़े, लिवर और अन्य कैंसर से बचाने के लिए जाना जाता है।

स्वस्थ दिल : पीनट बटर पी-कौमरिक एसिड से भरपूर होता है, जो दिल से जुड़ी बीमारियों में मदद करता है। इसके अलावा, इसमें असंतृप्त वसा भी होता है। जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है। तो ये कहना सुरक्षित है कि पीनट बटर खाने से कार्डियोवैस्कुलर और कोरोनरी हृदय रोग का खतरा कम हो जाएगा। पीनट बटर में आयरन और कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है, जो हेल्दी और स्ट्रॉन्ग बोन्स को प्रमोट करता है।

क्या आप मसालेदार खाने के शौकीन हैं ?

भारत के लोग बिना मसालों वाला खाना खाने की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। इसमें कोई शक नहीं है की मसालों से आपको बहुत सारे स्वास्थ्य लाभ होते हैं। लेकिन अत्यधिक खाने से आपको कई गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं। इससे आपको पेट के अल्सर सहित अन्य पाचन समस्याएं भी हो सकती हैं।

मसालेदार भोजन और पेट का अल्सर

जब आप मिर्ची जैसे मसाला खाते हैं, तो इससे आपकी चीभ बहुत जलती है, जाहिर है इससे पेट में जलन होगी। मिर्च में कैप्सैसिन तत्व मौजूद होता है, जिसके कई सारे स्वास्थ्य लाभ होते हैं। सरसों और सहजन जैसे मसाले ऊतक को अत्यधिक नुकसान पहुंचाते हैं।

मसालेदार भोजन के जोखिम

मसालेदार भोजन कुछ लोगों को दस्त और पेट दर्द की गंभीर समस्या भी हो सकती है। क्योंकि मसाले एक प्राकृतिक अड़चन की तरह काम करते हैं, जो आंत्र आंदोलनों को बहुत प्रभावित करता है क्योंकि यह पाचन तंत्र से गुजरता है। संवेदनशील पेट वाले लोगों के लिए प्रभाव बहुत गंभीर हो सकते हैं, हालांकि कुछ लोगों के लिए कैप्सैसिन एक लैक्सटिव के रूप में कार्य करता है। मिर्च में पाए जाने वाले तत्व कैप्सैसिन को ब्लड थिनर के रूप में भी जाना जाता है।

ध्यान दें

इसमें कोई शक नहीं है कि लोग स्पाइसी फूड को पूरा तरह छोड़ना नहीं चाहते हैं। लेकिन आपको अपने खाने में अत्यधिक बदलाव करते रहना चाहिए। उदाहरण के लिए, लगातार स्पाइस फूड्स कतई ना खाएं। अगर आपको लगता है कि इनका सेवन बहुत अधिक हो रहा है, तो कुछ समय इनसे ब्रेक लें और कुछ हल्की-फुल्की चीजें जरूर खाएं।

दिमाग की क्षमता बढ़ाना चाहते हैं?

आपका दिमाग ही तो आपके पूरे शरीर को काम करने के लिए प्रेरित करता है। अगर आपका दिमाग ही कमजोर हो तो आपकी पूरी कार्यप्रणाली की धीमी पड़ जाती है। हम आपको ऐसे कुछ अनोखे तरीके बताते हैं, जिसकी मदद से आपका दिमाग पहले से अधिक तेज काम करना शुरू कर देगा- जो लोग रचनात्मक होते हैं, उनका दुनिया को देखने का नजरिया न सिर्फ अलग होता है। दरअसल, जब आप कुछ पढ़ते या रचनात्मक लिखते हैं तो यह एक स्ट्रेस बस्टर के रूप में काम करता है। अपने दिमाग को बेहतर बनाना चाहते हैं तो अपने कम प्रभावी हाथ का प्रयोग करना एक अच्छा आईडिया हो सकता है। अगर आप दाहिने हाथ से लिखते हैं तो अपने बाएं हाथ का उपयोग करें। इससे आपके मस्तिष्क के दोनों हिस्से सक्रिय हो जाएंगे जो बेहतर मेमोरी कार्य को ट्रिगर करते हैं।

आज की रेसिपी

चमन मेथी मलाई

सामग्री :

■ 50 gms काजू, 50 ग्राम मगज (कस्तूरी के बीज), 2 प्याज, 5 हरी मिर्च, 10 ग्राम अदरक, 10 ग्राम लहसुन, 2 टी स्पून कसूरी मेथी सूखी, 100 ml (मिली.) क्रीम, 200 ग्राम पनीर, 30 ग्राम मक्खन, स्वादानुसार नमक, 1 टी स्पून चीनी, एक चुटकी हल्दी, एक चुटकी हरी इलाइची पाउडर एक चुटकी सफेद मिर्च पाउडर

विधि :

- एक हांडी लें, काजू, मगज और कटे हुए प्याज को 10-15 मिनट तक उबालें। उबलने के बाद इसका पेस्ट बना लें और इसे छान लें।
- एक पैन लें, उसमें मक्खन डालें, अदरक लहसुन का पेस्ट, सुगंध आने तक कुछ मिनट इसे भूनें। फिर सूखी कसूरी मेथी की पत्तियां डालें, इसे एक मिनट के लिए भूनें, कटी हुई हरी मिर्च डालें, अब काजू मगज पेस्ट डालें। इसे और 10-15 मिनट तक पकाएं।
- अब इसमें इच्छानुसार पानी या दूध डालें।
- अ ब सीजनिंग (नमक, चीनी, सफेद मिर्च, इलाची और हल्दी) डालें, इसे और 1-2 मिनट तक पकाएं।
- पनीर क्यूब्स और क्रीम जोड़ें।
- इस सब्जी को हरी मिर्च और जूलियन्स अदरक के साथ गार्निश करें।
- बटर नान के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

मालदीव में हनीमून करने का प्लान!

सफेद रेत और नीले पानी से घिरा मालदीव छुट्टियां बीताने से लेकर हनीमून तक के लिए बेहतरीन जगह है। अगर आप हनीमून के लिए आउट ऑफ इंडिया जाना चाहते हैं, तो आप मालदीव जा सकते हैं। ये जगह बेहद ही खूबसूरत है। आप हर तरह से इस जगह को एन्जॉय कर सकते हैं। हालांकि सिर्फ बैठ कर ढलते और उगते सूरज को देखने के अलावा मालदीव में करने के लिए बहुत कुछ है। अगर आप भी मालदीव जाने का प्लान कर रहे हैं। तो कुछ ऐसी चीजें हैं जो आपको मालदीव में निश्चित रूप से करनी चाहिए। आइए जानते हैं।

मालदीव में स्नोर्कलिंग : साफ पानी और पानी के भीतर छोटी मछली को पास से देखने का मौका आप कैसे गवा सकते हैं। ऐसे में आप मालदीव में स्नोर्कलिंग किए बिना बिल्कुल वापस ना लौटें। अपने पार्टनर के साथ स्नोर्कलिंग कर, पानी के नीचे के जीवन को देखने का आनंद आ जाएगा। ये एक्सपीरियंस आपको जीवन भर याद रहेगा।

लोकल द्वीप पर जाएं : कुछ लोग सोचते हैं कि स्नोर्कलिंग और स्कूबा डाइविंग जैसी गतिविधियों के अलावा कुछ नहीं है। हालांकि ऐसा नहीं है। लोकल बीच पर जाने के लिए बोट या फैरी की मदद से आइलैंड पर जा सकते हैं। ऐसा करने से आपको संस्कृति और कई तरह के कैफे और समुद्र तटों का पता चलेगा। साथ ही ऐसा करने से आप अपने पार्टनर के साथ अच्छा समय बिता सकते हैं।

स्पा : मालदीव में लक्जरी स्पा लेने से आप नहीं चूक सकते। यहां का स्पा ट्रीटमेंट बिल्कुल अलग होता है। स्पा के दौरान खूबसूरत नजारे और साफ पानी देखने को मिलेगा। अगर आप तन और मन को तरोताजा करना चाहते हैं, तो यहां स्पा का मजा जरूर लें। मालदीव में कुछ ऐसे रिसॉर्ट हैं, जहां स्पा के लिए अलग से रोमांटिक स्पेस है।

फिशिंग : मालदीव में करने के लिए मछली पकड़ना एक अच्छी एक्टिविटी है। आप अपने पार्टनर के साथ फिशिंग का आनंद उठा सकते हैं। यहां अधिकतर रिसॉर्ट या होटल अपने गेस्ट के लिए फिशिंग की व्यवस्था करते हैं। अगर आप फिशिंग कर रहे हैं, तो सूर्यास्त से पहले यहां जाएं और फिशिंग के साथ खूबसूरत नजारों का लुफ्त उठाएं।

रोमांटिक डिनर : अपने पार्टनर के साथ हनीमून को यादगार बनाने के लिए आप समुद्र तट पर रोमांटिक डिनर की व्यवस्था कर सकते हैं। ये एक बेहतरीन और यादगार अनुभव होगा। समुद्र किनारे खूबसूरत कैंडल और मालदीव का लोकल खाना।